विषय सूची

क्र.सं.	विवरण		पृष्ठ संख्या
1.	समेटी उत्तराखण्ड – परिचय		1
2.	समेटी उत्तराखण्ड – प्रगति सारांश (2019–2020)		2
3.	प्रशिक्षणों की कार्ययोजना–2019–20		3
4.	प्रशिक्षण में जनपदवार प्रतिभागियों की उपस्थिति		5
5	आयोजित प्रशिक्षणों का संक्षिप्त विवरण		
	5.1	समन्वित जलागम प्रबन्धन	7
	5.2	मोटे अनाजों की उन्नत खेती एवं मूल्यवर्धन	8
	5.3	मृदा उर्वरता प्रबन्धन एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड	10
	5.4	फसल एवं सब्जियों की जैविक खेती	11
	5.5	मुर्गी पालन–एक लाभकारी व्यवसाय	13
	5.6	मत्स्य पालन तकनीक	15
	5.7	संरक्षित सब्जी उत्पादन	17
	5.8	फल एवं सब्जी प्रसंस्करण– एक लाभकारी व्यवसाय	20
	5.9	दुग्ध उत्पादन एवं दुधारू पषुओं का प्रबन्धन	22
	5.10	फल वृक्षों में समन्वित कीट एवं रोग प्रबन्धन	23
	5.11	औद्यानिक फलवृक्षों/सब्जियों एवं औषधीय तथा सगन्ध पादपों के नर्सरी प्रबन्धन	25
	5.12	रबी फसलोत्पादन की उन्नत तकनीक	27
	5.13	गन्ना उत्पादन की उन्नत तकनीकी	29
	5.14	औषधीय एवं सगन्ध पौध उत्पादन की उन्नत तकनीकी तथा मूल्य संवर्धन	31
	5.15	शीतजल मत्स्य पालन तकनीकी	33
	5.16	मृदा एवं जल संरक्षण तकनीक	36
	5.17	मधुमक्खी पालनः एक लाभकारी व्यवसाय	38
	5.18	रेशम पालनः आय एवं स्वरोजगार का साधन	40
	5.19	पुष्पों की उन्नत खेती एवं मूल्यवर्धन	42
	5.20	व्यावसायिक मशरूम उत्पादन	44
	5.21	सब्जियों में समेकित कीट एवं रोग प्रबन्धन	46
	5.22	कृषक से कृषक प्रसार की विधियाँ	48
	5.23	प्रसार सुधार कार्यक्रम में सूचना एवं संचार तकनीकी का उपयोग	50
6.	वित्त पोषित प्रशिक्षणों का संक्षिप्त विवरण		
	6.1	इंडक्शन ट्रैनिंग ऑफ आतमा फंक्शनरीज	52
	6.2	रिफ्रेशर ट्रैनिंग ऑफ आतमा फंक्शनरीज	53
7	कृषकों के आर्थिक समृद्धि में अहम भूमिका निभाती समेटी–उत्तराखण्ड(सफलता की कहानियां)		
	7.1	कृषि विविधिकरण से बढ़ता–आर्थिक सशक्तिकरण	56
	7.2	अभिनव प्रयोगों से क्षेत्र के दूसरे किसानों के रोल मॉडल बनते श्री डंगवाल	57
	7.3	उन्नत प्रजातियों के प्रयोग व यंत्रीकरण से बढ़ती खुशहाली	58
	7.4	सब्जी उत्पादन द्वारा धन उत्पादन	59
	7.5	मशरूम उत्पादन तकनीक अपनायी–घर में खुशियाँ लायी	60
	7.6	सब्जी उत्पादन ने दिखायी–समृद्धि की राह	60
	7.7	सब्जी उत्पादन तथा पशुपालन आधारित समंवित कृषि प्रणाली द्वारा प्रगति के पथ पर	61
	7.8	उन्नति की राह दिखाता–मशरूम व बेमौसमी सब्जी उत्पादन	61
	7.9	बेमौसमी सब्जी उत्पादन द्वारा आय संवर्धन	62
	7.10	सब्जी व दुग्ध उत्पादन–सतत् आय का साधन	63
	7.11	प्रगति की राह दिखाती–जैविक खेती	64
	7.12	समन्वित कृषि प्रणाली से बढ़ती आर्थिक एवं सामाजिक प्रतिष्ठा	64
8.	व्यय विवरण (2019–2020)		65
9.	कार्ययोजना (2020–21)		66
10.	बजट प्रस्ताव (2020–21)		68

राज्य कृषि प्रबन्धन एवं प्रसार प्रशिक्षण संस्थान, उत्तराखण्ड
प्रसार शिक्षा निदेशालय
गो.ब. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर

1. संस्था का नाम व पता — राज्य कृषि प्रबन्धन एवं प्रसार प्रशिक्षण संस्थान, (समेटी–उत्तराखण्ड), प्रसार शिक्षा निदेशालय, गो0ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर–263145, जिला ऊधम सिंह नगर

2. परिचय — समेटी–उत्तराखण्ड की स्थापना सितम्बर 2005 में भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से विस्तार सुधार कार्यक्रम के तहत दी गयी थी। राज्य स्तरीय यह स्वायत्त् संस्था सोसायटी अधिनियम 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत है, जो निदेशक प्रसार शिक्षा, गो.ब. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के नेतृत्व में प्रसार शिक्षा निदेशालय पंतनगर विश्वविद्यालय से संचालित होता है। यह संस्थान कृषि की गतिविधियों को मजबूती प्रदान करने, प्रबन्धन संचार और सूचना प्रौद्योगिकी के संदर्भ में सभी कृषि आधारित रेखीय विभागों की मानव संसाधन जरूरतों को पूरा करता है। संस्थान राज्य के कृषि आधारित विभागों के मध्यम एवं जमीनी स्तर से जुड़े कर्मचारी/अधिकारियों के क्षमता निर्माण/विकास हेतु प्रशिक्षण आयोजित करता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के विषय मुख्यतः नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकी, प्रसार प्रबन्धन, प्रसार सुधार और सूचना प्रौद्योगिकी होते हैं। संस्थान राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबन्धन संस्थान (मैनेज) हैदराबाद के तकनीकी मार्गदर्शन में कार्य करता है।

3. सम्पर्क सूत्र — 05944–233336, ई–मेल dirextedugbp@gmail.com
sametiuttarakhand@gmail.com

4. संस्था का कार्यक्षेत्र — उत्तराखण्ड के समस्त 13 जनपद

5 संस्था के उद्देश्य

(1) राज्य स्तर पर कृषि विस्तार प्रबन्धन संस्थान के रूप में कार्य करना
(2) परियोजना नियोजन, आंकलन एवं संचालन के क्षेत्र में परामर्श प्रदान करना
(3) राज्य के कृषि एवं सम्बद्ध विभाग के मध्यम एवं जमीनी स्तर के प्रसार अधिकारियों एवं कृषक समुदाय के लिए आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।
(4) सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के प्रसार अधिकारियों को प्रसार प्रबन्धन सम्बन्धी क्षेत्र में क्षमता विकास/निर्माण में मदद करना
(5) मानव संसाधन के बेहतर प्रबन्धन के माध्यम से कृषि प्रसार सेवाओं की गुणवत्ता मे सुधार हेतु प्रबन्धन विधियों का विकास एवं इनके प्रयोग को प्रोत्साहन देना।
(6) प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर कृषि प्रबन्धन, संचार एवं भागीदारी विधियों इत्यादि पर प्रबन्धन इकाई का विकास।

6 संस्था का कार्याधिकारी — डा0 अनिल कुमार शर्मा
निदेशक, राज्य कृषि प्रबन्धन एवं प्रसार प्रशिक्षण संस्थान, उत्तराखण्ड एवं
निदेशक प्रसार शिक्षा, गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर

7 समन्वयक — डा. बी.डी. सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान)
प्रसार शिक्षा निदेशालय

समेटी–उत्तराखण्ड
प्रगति सारांश (2019–2020)

पर्वतीय क्षेत्र की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण यहाँ का रहन सहन अत्यन्त कठिन होता है। तथापि इन विषमताओं से जूझते हुए यहाँ के कृषक खेती बाड़ी करते आ रहे है। छोटे–छोटे सीढ़ीनुमा विखरे खेत, छोटी जोत, वर्षा आधारित कृषि, उन्नत कृषि निवेशों पर सीमित व्यय, मौसम की मार, परम्परागत विधि से खेती, अधसड़े गोबर की खाद का प्रयोग, खरपतवार एवं कीट रोग का प्रकोप इत्यादि प्रायः खेती को अलाभकारी बना देती है। विगत कुछ वर्षो से जंगली जानवरों का प्रकोप से भी कृषक खेती से विमुख होते जा रहे है। दूसरी तरफ उन्नत कृषि तकनीक का प्रयोग कर अनेक काश्तकार खेती को लाभकारी बनाने के साथ–साथ समाज में अपना उत्कृष्ट स्थान भी बना रहे हैं। ऐसे कृषकों को सरकार किसान श्री, किसान भूषण एवं किसान रत्न जैसे सम्मानों से विभूषित भी कर रही है।

कृषि एवं सम्बद्ध विभागों के अधिकारी, कृषकों के आय संवर्धन, कृषि आधारित स्वरोजगार को दृष्टिगत रखते हुए समेटी–उत्तराखण्ड ने कृषि के राज्य स्तरीय अधिकारियों एवं विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से विचार विमर्श करते हुए कुल 25 प्रशिक्षणों का प्रस्ताव स्वीकृत कराया। मुख्यतः प्रशिक्षण के विषय संरक्षित सब्जी उत्पादन, जैविक कृषि, फलोत्पादन, डेयरी, पोल्ट्री, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, फूलों की खेती, औषधीय एवं सगंध पौधों की खेती, मत्स्य पालन, खरीफ एवं रबी फसलों की वैज्ञानिक खेती इत्यादि समावेशित थे। इन प्रशिक्षणों में उत्तराखण्ड के समस्त जनपदों से कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, रेशम विभाग के प्रसार कार्यकर्ता, आत्मा के पदाधिकारी एवं प्रगतिशील कृषकों द्वारा प्रतिभाग लिया गया। प्रत्येक प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को कक्षा में पढ़ाई के साथ–साथ व्यावहारिक क्षमता विकास हेतु विषय से सम्बन्धित प्रायोगिक कक्षाएं एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण भी कराया गया।

वर्ष 2019–20 में समेटी द्वारा स्वीकृत कुल 25 प्रशिक्षण के सापेक्ष 23 प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिससे कुल 378 प्रशिक्षणार्थी लाभान्वित हुए। कार्ययोजना अनुसार प्रथम प्रशिक्षण (मई 06–09, 2019) प्रतिभागियों के न आने एवं अंतिम प्रशिक्षण (मार्च 2020) कोविड–19 वायरस के कारण निरस्त हो गया। उपरोक्त के अतिरिक्त दो वित्त पोषित प्रशिक्षण भी आयोजित की गयी जिससे कुल 34 विभागीय अधिकारी/कर्मचारी /आत्मा के पदाधिकारी लाभान्वित हुए। इस प्रकार समेटी–उत्तराखण्ड ने वर्ष 2019–20 में कुल 412 प्रसार अधिकारी एवं प्रगतिशील कृषकों का क्षमता विकास किया। प्रशिक्षणोपरान्त फीड बैक में प्रतिभागी बताये कि यहाँ से सीखे उन्नत कृषि विधाओं को वे कृषकों के बीच ले जायेंगे, तकनीक का प्रचार प्रसार एवं क्षेत्रफल विस्तार कराने का भरसक प्रयास करेंगे, जिससे कृषक के आय वृद्धि एवं समृद्धि का सपना साकार हो सके।

3. प्रशिक्षणों की कार्ययोजना (2019–20)

क्र.सं.	विषय	दिनांक	प्रतिभागी	अवधि (दिन)
1.	खरीफ फसलोत्पादन की उन्नत तकनीकी	मई 06–09, 2019	प्रगतिशील कृषक एवं कृषि विभाग के प्रसार कर्मी	4
2.	समन्वित जलागम प्रबन्धन	मई 15–17, 2019	मृदा एवं जल संरक्षण कार्मिक, सदस्य बी.टी.टी.	3
3.	मोटे अनाजों की उन्नत खेती एवं मूल्यवर्धन	जून 10–12, 2019	प्रगतिशील कृषक एवं कृषि विभाग के प्रसार कर्मी	3
4.	मृदा उर्वरता प्रबन्धन एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड	जून 20–22, 2019	सदस्य एफ0ए0सी0, बी0टी0एम0, प्रसार कर्मी, खाद डीलर एवं प्रगतिशील कृषक	3
5.	फसल एवं सब्जियों की जैविक खेती	जुलाई 10–13, 2019	सदस्य,एफ0ए0सी0/बी.टी.टी./बी.टी.एम., प्रगतिशील कृषक एवं प्रसार कर्मी	4
6.	मुर्गी पालन–एक लाभकारी व्यवसाय	जुलाई 16–19, 2019	फार्म स्कूलों के संचालक, पशुधन प्रसार अधिकारी, बी0टी0एम0 एवं कुक्कुट पालक	4
7.	मत्स्य पालन तकनीक	जुलाई 24–27, 2019	मत्स्य निरीक्षक, मत्स्य पालक एवं प्रगतिशील कृषक	4
8.	संरक्षित सब्जी उत्पादन	अगस्त 05–08, 2019	सदस्य एफ0ए0सी0/बी0टी0एम0, फार्म स्कूलों के संचालक एवं प्रगतिशील कृषक	4
9.	फल एवं सब्जी प्रसंस्करण–एक लाभकारी व्यवसाय	अगस्त 19–22, 2019	सब्जी/फल उत्पादक कृषक एवं उद्यान विभाग के प्रसार कर्मी	4
10.	दुग्ध उत्पादन एवं दुधारू पशुओं का प्रबन्धन	अगस्त 28–30, 2019	प्रगतिशील पशुपालक, पशुपालन विभाग के कर्मचारी एवं अधिकारी	3
11.	फल वृक्षों में समन्वित कीट एवं रोग प्रबन्धन	सितम्बर 11–14,2019	सब्जी/फल उत्पादक कृषक एवं उद्यान विभाग के प्रसार कर्मी	4
12.	औद्यानिक फलवृक्षों/सब्जियों एवं औषधीय तथा सगन्ध पादपों के नर्सरी प्रबन्धन	सितम्बर 18–21,2019	नर्सरी पालक, एफ.ए.सी. सदस्य, बी.टी.एम., उद्यान निरीक्षक/पर्यवेक्षक	4
13.	रबी फसलोत्पादन की उन्नत तकनीक	अक्टूबर 15–18,2019	सदस्य एफ.ए.सी./बी.टी.टी./बी.टी.एम, प्रगतिशील कृषक एवं प्रसार कर्मी	4
14.	गन्ना उत्पादन की उन्नत तकनीकी	अक्टूबर 22–24,2019	उत्तराखण्ड के मैदानी जनपदों के गन्ना पर्यवेक्षक/निरीक्षक, बी0टी0टी0 के सदस्य, बी0टी0एम0 एवं प्रगतिशील कृषक	3
15.	औषधीय एवं सगन्ध पौध उत्पादन की उन्नत तकनीकी तथा मूल्य संवर्धन	नवम्बर 06–09, 2019	औषधीय एवं सगन्ध पौध उत्पादक, सगन्ध फसल के अचीवर कृषक, फील्ड पर्यवेक्षक/ निरीक्षक, प्रसार कर्मी एवं बी.टी.एम. के सदस्य	4
16.	शीतजल मत्स्य पालन तकनीकी	नवम्बर 13–16, 2019	प्रगतिशील मत्स्यपालक एवं एफ.एफ.डी.ए. के सदस्य	4
17.	मृदा एवं जल संरक्षण तकनीक	नवम्बर 19–21, 2019	कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी तथा जलागम प्रबन्धन विभाग के अधिकारी/प्रसार कर्मी	3
18.	मधुमक्खी पालनः एक लाभकारी व्यवसाय	दिसम्बर 03–06,2019	मधुमक्खी पालक, प्रगतिशील कृषक, एफ.ए.सी. सदस्य, मधुमक्खी पालन निरीक्षक एवं एच.टी.एम. के प्रसार कर्मी	4
19.	रेशम पालनः आय एवं स्वरोजगार का साधन	दिसम्बर 11–14,2019	रेशम पालक, प्रगतिशील कृषक, प्रसार कर्मी एवं ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक (बी.टी.एम.) के सदस्य	4
20.	पुष्पों की उन्नत खेती एवं मूल्यवर्धन	दिसम्बर 17–20,2019	सदस्य एफ.ए.सी., एच.टी.एम. के प्रसार कर्मी, बी.टी.एम. एवं प्रगतिशील कृषक	4
21.	व्यावसायिक मशरूम उत्पादन	जनवरी 21–24,2020	सदस्य एफ.ए.सी., बी.टी.एम., मशरूम उत्पादक, उद्यान निरीक्षक एवं एच.टी.एम.	4

क्र.सं.	विषय	दिनांक	प्रतिभागी	अवधि (दिन)
22.	सब्जियों में समेकित कीट एवं रोग प्रबन्धन	जनवरी 27–30, 2020	प्रगतिशील कृषक एवं उद्यान विभाग के प्रसार कर्मी	4
23.	इंडक्शन ट्रैनिंग ऑफ आतमा फंक्शनरीज	फरवरी 03–05, 2020	आतमा फंक्शनरीज	3
24.	कृषक से कृषक प्रसार की विधियाँ	फरवरी 05–08, 2020	रेखीय विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, के0वी0के0 के वैज्ञानिक, फार्म स्कूल संचालक, बी0टी0टी0 एवं बी0टी0एम0	4
25.	रिफ्रेशर ट्रैनिंग ऑफ आतमा फंक्शनरीज	फरवरी 10–12, 2020	आतमा फंक्शनरीज	3
26.	प्रसार सुधार कार्यक्रम में सूचना एवं संचार तकनीकी का उपयोग	फरवरी 25–28, 2020	कृषि तथा रेखीय विभागों के वरिष्ठ प्रसार कर्मी/अधिकारी, बी0टी0एम0 तथा के0वी0के0 के वैज्ञानिक/कर्मचारी आदि	4
27.	बाजार आधारित प्रसार	मार्च 17–19, 2020	कृषि तथा रेखीय विभागों के वरिष्ठ प्रसार कर्मी/अधिकारी, बी0टी0एम0	3
22.	सब्जियों में समेकित कीट एवं रोग प्रबन्धन	जनवरी 27–30, 2020	प्रगतिशील कृषक एवं उद्यान विभाग के प्रसार कर्मी	4

4 आयोजित प्रशिक्षण में जनपदवार प्रतिभागियों की उपस्थिति

क्र.सं.	प्रशिक्षण विषय	प्रशिक्षण दिनांक	जनपदवार प्रशिक्षणार्थियों की सहभागिता													योग (प्रशिक्षणार्थी)
			नैनीताल	देहरादून	हरिद्वार	ऊ.सिंनगर	अल्मोड़ा	उत्तरकाशी	पौड़ी गढ़वाल	टिहरी गढ़वाल	चम्पावत	पिथौरागढ़	चमोली	रूद्रप्रयाग	बागेश्वर	
1.	समन्वित जलागम प्रबन्धन	मई 15–17, 2019	-	-	-	-	4	-	-	-	2	-	-	1	1	08
2.	मोटे अनाजों की उन्नत खेती एवं मूल्यवर्धन	जून 10–12, 2019	-	-	-	-	1	-	-	-	4	-	-	4	-	09
3.	मृदा उर्वरता प्रबन्धन एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड	जून 20–22, 2019	-	-	1	-	5	-	-	-	3	-	-	-	-	09
4.	फसल एवं सब्जियों की जैविक खेती	जुलाई 10–13, 2019	-	-	-	-	4	-	-	-	-	-	-	-	-	04
5.	मुर्गी पालन–एक लाभकारी व्यवसाय	जुलाई 16–19, 2019	-	-	-	3	4	-	1	-	3	-	-	-	-	11
6.	मत्स्य पालन तकनीक	जुलाई 24–27, 2019	2	1	-	-	-	-	20	-	7	-	-	-	-	30
7.	संरक्षित सब्जी उत्पादन	अगस्त 05–08, 2019	2	-	-	-	-	5	7	-	5	-	-	5	-	24
8.	फल एवं सब्जी प्रसंस्करण– एक लाभकारी व्यवसाय	अगस्त 19–22, 2019	10	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	10
9.	दुग्ध उत्पादन एवं दुधारू पशुओं का प्रबन्धन	अगस्त 28–30, 2019	-	-	-	4	3	-	-	-	2	-	-	-	-	09
10.	फल वृक्षों में समन्वित कीट एवं रोग प्रबन्धन	सितम्बर 11–14, 2019	-	-	-	-	-	-	-	-	7	-	-	-	-	07
11.	औद्यानिक फलवृक्षों/सब्जियों एवं औषधीय तथा सगन्ध पादपों के नर्सरी प्रबन्धन	सितम्बर 18–21, 2019	-	-	12	-	2	-	-	-	1	-	-	-	-	15
12.	रबी फसलोत्पादन की उन्नत तकनीक	अक्टूबर 15–18, 2019	3	-	-	3	3	-	-	-	-	-	-	-	-	09
13.	गन्ना उत्पादन की उन्नत तकनीकी	अक्टूबर 22–24, 2019	-	-	11	17	-	-	1	-	-	-	-	-	-	29
14.	औषधीय एवं सगन्ध पौध उत्पादन की उन्नत तकनीकी तथा मूल्य संवर्धन	नवम्बर 06–09, 2019	-	-	-	6	-	-	-	-	-	4	-	-	-	10
15.	शीतजल मत्स्य पालन तकनीकी	नवम्बर 13–16, 2019	13	-	12	-	1	-	-	-	3	-	1	-	7	37
16.	मृदा एवं जल संरक्षण तकनीक	नवम्बर 19–21, 2019	-	-	3	-	1	3	5	-	7	-	-	-	-	19

क्र.सं.	प्रशिक्षण विषय	प्रशिक्षण दिनांक	जनपदवार प्रशिक्षणार्थियों की सहभागिता													योग (प्रशिक्षणार्थी)
			नैनीताल	देहरादून	हरिद्वार	ऊ.सिंनगर	अल्मोड़ा	उत्तरकाशी	पौड़ी गढ़वाल	टिहरी गढ़वाल	चम्पावत	पिथौरागढ़	चमोली	रूद्रप्रयाग	बागेश्वर	
17.	मधुमक्खी पालनः एक लाभकारी व्यवसाय	दिसम्बर 03–06, 2019	1	-	1	9	-	-	14	-	-	-	1	-	-	26
18.	रेशम पालनः आय एवं स्वरोजगार का साधन	दिसम्बर 11–14,2019	6	5	1	6	3	-	7	-	-	-	3	2	-	33
19.	पुष्पों की उन्नत खेती एवं मूल्यवर्धन	दिसम्बर 17–20, 2019	1	-	3	-	2	-	-	-	1	-	1	-	-	08
20.	व्यावसायिक मशरूम उत्पादन	जनवरी 21–24, 2020	9	-	13	3	-	2	-	-	1	-	-	-	-	28
21.	सब्जियों में समेकित कीट एवं रोग प्रबन्धन	जनवरी 27–30, 2020	16	3	5	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	25
22.	कृषक से कृषक प्रसार की विधियाँ	फरवरी 05–08, 2020	2	-	-	4	-	-	-	-	-	-	3	-	-	09
23.	प्रसार सुधार कार्यक्रम में सूचना एवं संचार तकनीकी का उपयोग	फरवरी 25–28, 2020	2	-	-	5	2	-	-	-	-	-	-	-	-	09
	कुल योग		67	09	62	61	35	10	55	-	46	04	09	12	08	378

वित्त पोषित प्रशिक्षण–वित्तीय सहयोग : कृषि निदेशालय देहरादून

क्र.सं.	प्रशिक्षण विषय	प्रशिक्षण दिनांक	जनपदवार प्रशिक्षणार्थियों की सहभागिता													योग (प्रशिक्षणार्थी)
			नैनीताल	देहरादून	हरिद्वार	ऊ.सिंनगर	अल्मोड़ा	उत्तरकाशी	पौड़ी गढ़वाल	टिहरी गढ़वाल	चम्पावत	पिथौरागढ़	चमोली	रूद्रप्रयाग	बागेश्वर	
1.	इंडक्शन ट्रैनिंग ऑफ आतमा फंक्शनरीज	फरवरी 03–05, 2020	-	2	3	-	3	-	2	-	3	3	3	1	1	21
2.	रिफ्रेशर ट्रैनिंग ऑफ आतमा फंक्शनरीज	फरवरी 10–12, 2020	-	3	-	1	2	-	2	-	2	-	2	-	1	13
	कुल योग		-	05	03	01	05	-	04	-	05	03	05	01	02	34
	सकल योग		67	14	65	62	40	10	59	-	51	07	14	13	10	412

5 आयोजित प्रशिक्षणों का संक्षिप्त विवरण

5.1 समन्वित जलागम प्रबन्धन

समेटी–उत्तराखण्ड द्वारा राज्य के प्रगतिशील कृषक एवं कृषक सलाहकार समिति के सदस्यों हेतु 'समन्वित जलागम प्रबन्धन' विषयक तीन दिवसीय प्रशिक्षण मई 15–17, 2019 को आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड, डा0 पी0एन0 सिंह ने कहा कि कृषि में जल एवं जल प्रबन्धन का अत्यन्त महत्व है। इसका नियोजित उपयोग कर भूगर्भ जल को बचा सकते हैं। आपने यह भी कहा कि किसानों की उन्नति के लिये विश्वविद्यालय सदैव कृषकों के साथ कन्धा से कन्धा मिलाकर खड़ा रहेगा। कृषकों को विश्वविद्यालय से विकसित तकनीक का अपने खेतों में प्रयोग करते हुए उन्नत खेती करनी चाहिए। इस प्रशिक्षण में समन्वित जलागम प्रबन्धन–सूक्ष्म परिचय एवं सिंचाई जल दक्षता बढ़ाने हेतु फसल उत्पादन तकनीकी, सतही सिंचाई विधियाँ एवं दक्षता बढ़ाने हेतु सुझाव, उत्तराखण्ड में सब्जी उत्पादन की सम्भावनाएं एवं विकास, उत्तराखण्ड में फल उत्पादन की सम्भावनाएं एवं विकास, कृषि में जल निकास की आवश्यकता एवं विधियाँ, समन्वित खरपतवार प्रबन्धन, उत्तराखण्ड कृषि के परिपेक्ष्य में सूक्ष्म सिंचाई विधियाँ, जल संचयनः आवश्यकता एवं जल संग्रहण टैंको की डिजाइन (अलकाथिन टैंक), निरन्तर गिरता भू–जल स्तरः कारण एवं निवारण इत्यादि विषयों पर व्याख्यान दिये गये तथा प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गयाः

जलागम प्रबन्धन प्रशिक्षण में वैज्ञानिक का व्याख्यान

दिनॉक / समय	विवरण	वार्ताकार / वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
15.05.2019			
9.30–10.00	पंजीकरण	डा0 विजय बिहारी सिंह, एस.एम.एस. (उद्यान)	9997284608
10.00–11.15	कृषि में जल एवं जल प्रबन्धन का महत्व तथा उद्घाटन सम्बोधन	डा0 पी0एन0 सिंह निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	9412352008
11.15–11.30	**चाय**		
11.30–13.00	पर्वतीय क्षेत्र की प्रमुख स्वरोजगारपरक कृषि कार्यक्रम– परिचय	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	समन्वित जलागम प्रबन्धन–सूक्ष्म परिचय एवं सिंचाई जल दक्षता बढ़ाने हेतु फसल उत्पादन तकनीकी	डा0 सुभाष चन्द्र, प्राध्यापक सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9458962174
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	सतही सिंचाई विधियाँ एवं दक्षता बढ़ाने हेतु सुझाव	डा0 हरीश चन्द्र, प्राध्यापक सिंचाई एवं जल निकास अभियांत्रिकी विभाग, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	–
16.05.2019			
9.30–11.00	उत्तराखण्ड में सब्जी उत्पादन की सम्भावनाएं एवं विकास	डा0 एस0के0 मौर्य, सहायक प्राध्यापक सब्जी विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411159800
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	उत्तराखण्ड में फल उत्पादन की सम्भावनाएं एवं विकास	डा0 वी0पी0 सिंह, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9536102111
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–15.30	कृषि में जल निकास की आवश्यकता एवं विधियाँ	डा0 योगेन्द्र कुमार, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई एवं जल निकास अभियांत्रिकी विभाग, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	–
15.30–15.45	**चाय**		
15.45–17.30	समन्वित खरपतवार प्रबन्धान विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों पर भ्रमण	डा0 वी0पी0 सिंह, प्राध्यापक सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय डा0 वी0बी0 सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ प्रसार शिक्षा निदेशालय	9411159669

दिनॉक / समय	विवरण	वार्ताकार / वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
17.05.2019			
9.30–11.00	उत्तराखण्ड कृषि के परिपेक्ष्य में सूक्ष्म सिंचाई विधियाँ	डा0 पी0के0 सिंह, प्राध्यापक सिंचाई एवं जल निकास अभियांत्रिकी विभाग, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	9690012757
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	जल संचयनः आवश्यकता एवं जल संग्रहण टैंको की डिजाइन (अलकाथिन टैंक)	डा0 पी0वी0 सिंह, सहायक प्राध्यापक मृदा एवं जल संरक्षण अभियंत्रण प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	8279877232
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	निरन्तर गिरता भू–जल स्तर : कारण एवं निवारण	डा0 शिव कुमार, प्राध्यापक सिंचाई एवं जल निकास अभियांत्रिकी विभाग, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	–
16.00–17.30	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	डा0 पी0एन0 सिंह निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	9412352008

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री विजय शर्मा	सहायक कृषि अधिकारी वर्ग–3	विकास खण्ड–बाराकोट, जनपद–चम्पावत	9045151131
2.	श्री राजेश चौमवाल	सहायक कृषि अधिकारी वर्ग–3	विकास खण्ड–ऊखीमठ, जनपद–रूद्रप्रयाग	9410392355
3.	श्री पवन कुमार	सहायक कृषि अधिकारी वर्ग–3	विकास खण्ड–गरूड़, –बागेश्वर	8979673323
4.	श्री बी0डी0 शर्मा	सहायक कृषि अधिकारी वर्ग–3	विकास खण्ड–हवालबाग, जनपद–अल्मोड़ा	9720003411
5.	श्री अजय चौकरायत	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड चम्पावत, जनपद–चम्पावत	9568178492
6.	श्री अमित नारायण सिंह	सहायक कृषि अधिकारी वर्ग–3	विकास खण्ड–हवालबाग, जनपद–अल्मोड़ा	9012630605
7.	श्री मनोज कुमार आर्या	सहायक कृषि अधिकारी वर्ग–3	विकास खण्ड–धौलादेवी, जनपद–अल्मोड़ा	9411785464
8.	सुश्री प्रियंका कबडाल	सहायक कृषि अधिकारी	रानीखेत, विकास खण्ड–ताड़ीखेत, जनपद–अल्मोड़ा	9456361556

5.2 मोटे अनाजों की उन्नत खेती एवं मूल्यवर्धन

'मोटे अनाजों की उन्नत खेती एवं मूल्यवर्धन' विषयक तीन दिवसीय प्रशिक्षण जून 10–12, 2019 को आयोजित किया गया जिसमें प्रगतिशील कृषक एवं विभिन्न प्रसार कर्मियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड, डा0 पी0एन0 सिंह ने कहा कि पर्वतीय कृषि के बदलते स्वरूप में कृषक मोटे अनाजों की उन्नत खेती अपनाकर अधिकाधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण में मोटे अनाज– परिचय, पोषण मान एवं आहार में महत्व, प्रमुख मोटे अनाजों मंडुवा, मादिरा, झंगोरा, रामदाना आदि की उन्नत खेती,

उन्नत तकनीक से मादिरा (झंगोरा) की वैज्ञानिक खेती

उन्नत तकनीक से मंडुआ की सफल खेती

रामदाना के मूल्यवर्धित उत्पाद बनाने की विधियां, मंडुवा के मूल्यवर्धित उत्पाद (बिस्कुट / बन) बनाने की विधियां, मोटे अनाजों के प्रमुख रोग एवं प्रबन्धन, मोटे अनाजों के प्रमुख कीट एवं प्रबन्धन, पर्वतीय क्षेत्र के कृषकों हेतु प्रमुख रोजगारपरक कृषि कार्यक्रम इत्यादि विषयों पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिये गये। रामदाना के मूल्यवर्धित उत्पाद बनाने की विधियाँ, मंडुवा के मूल्यवर्धित उत्पाद (बिस्कुट / बन) बनाने की विधियां पर प्रयोगात्मक अभ्यास भी कराया गया। प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गया :

दिनॉक / समय	विवरण	वार्ताकार / वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
10.06.2019			
9.30–10.30	पंजीकरण	डा0 विजय बिहारी सिंह, एस.एम.एस. (उद्यान)	9997284608
10.30–11.30	पर्वतीय कृषि के बदलते स्वरूप में कृषकों की भूमिका एवं उद्घाटन सम्बोधन	डा0 पी0एन0 सिंह निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	9412352008
11.30–11.45	**चाय**		
11.45–13.00	समेटी उत्तराखण्ड : एक संक्षिप्त परिचय	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान) प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	मोटे अनाज– परिचय, पोषण मान एवं आहार में महत्व	डा0 अनुराधा दत्ता, प्राध्यापक खाद्य एवं पोषण विभाग, गृह विज्ञान महाविद्यालय	9759731044
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	प्रमुख मोटे अनाजों मंडुवा, मादिरा, झंगोरा, रामदाना आदि की उन्नत खेती	डा0 बी0एस0 कार्की, प्राध्यापक सस्य विज्ञान, प्रसार शिक्षा निदेशालय	7579174120
11.06.2019			
9.30–11.00	रामदाना के मूल्यवर्धित उत्पाद बनाने की विधियां (प्रयोगात्मक) **(प्रशिक्षण स्थलः खाद्य एवं पोषण विभाग, गृह विज्ञान महाविद्यालय)**	डा0 नीतू डोभाल खाद्य एवं पोषण विभाग, गृह विज्ञान महाविद्यालय	–
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	मंडुवा के मूल्यवर्धित उत्पाद (बिस्कुट / बन) बनाने की विधियां (प्रयोगात्मक) **(प्रशिक्षण स्थलः खाद्य एवं पोषण विभाग, गृह विज्ञान महाविद्यालय)**	डा0 सरिता श्रीवास्तव, प्राध्यापक खाद्य एवं पोषण विभाग, गृह विज्ञान महाविद्यालय	9411320378
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–17.30	विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण	डा0 विजय बिहारी सिंह, एस.एम.एस. (उद्यान) एवं डा0 बी0वी0 सिंह, वरिष्ठ तकनीकी सहायक, सब्जी विज्ञान विभाग	9997284608
12.06.2019			
9.30–10.30	मोटे अनाजों के प्रमुख रोग एवं प्रबन्धन	डा0 राजेश प्रताप सिंह, प्राध्यापक पादप रोग विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	7500941100
10.30–10.45	**चाय**		
10.45–13.00	मोटे अनाजों के प्रमुख कीट एवं प्रबन्धन	डा0 ए0के0 पाण्डेय, प्राध्यापक कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	–
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	पर्वतीय क्षेत्र के कृषकों हेतु प्रमुख रोजगारपरक कृषि कार्यक्रम	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान) प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
16.00–17.30	मुख्य अतिथि का सम्बोधन, प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	डा0 पी0एन0 सिंह निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	9412352008

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री पूरन चन्द्र जोशी	सहायक कृषि अधिकारी	विकास खण्ड–धौलादेवी, जनपद–अल्मोड़ा	9837944828
2.	श्री मोहन सिंह बिष्ट	कृषक	ग्राम–जयमण्डी, पो0–रूद्रप्रयाग, विकास खण्ड–अगस्त्यमुनि, जनपद–रूद्रप्रयाग	8650949547
3.	श्री पृथ्वी पाल सिंह	कृषक	ग्राम–फलासी, विकास खण्ड–अगस्त्यमुनि, जनपद–रूद्रप्रयाग	8859718776
4.	श्री वीरेन्द्र सिंह	कृषक	ग्राम–गदूंन, विकास खण्ड–अगस्त्यमुनि, जनपद–रूद्रप्रयाग	9756872067
5.	श्री ललित मोहन भट्ट	कृषक	ग्राम एवं पो0–बांकू, विकास खण्ड–लोहाघाट, जनपद–चम्पावत	9917515456
6.	श्री देवीदत्त भट्ट	कृषक	ग्राम एवं पो0–रौसाल, विकास खण्ड–लोहाघाट, जनपद–चम्पावत	9412355142
7.	श्री रघुवर दत्त राय	कृषक	ग्राम–कोयाटी गूठ, विकास खण्ड–लोहाघाट, जनपद–चम्पावत	8859551375
8.	श्री अंकुर कुमार	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक–आतमा	विकास खण्ड–लोहाघाट, जनपद–चम्पावत	9917981598
9.	श्री दिग्विजय	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक–आतमा	ग्राम–तोलब, पो0–मयकोटी, विकास खण्ड–अगस्त्यमुनि, जनपद–रूद्रप्रयाग	9758926357

5.3 मृदा उर्वरता प्रबन्धन एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड

प्रसार कर्मी, एफ0ए0सी0 सदस्य, उर्वरक डीलर, प्रगतिशील कृषक एवं बी0टी0एम0 हेतु 'मृदा उर्वरता प्रबन्धन एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड' विषयक प्रशिक्षण का आयोजन जून 20–22, 2019 को किया गया। प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर डा0 पी0एन0 सिंह, निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड ने कहा कि फसलोत्पादन में समन्वित मृदा उर्वरता प्रबन्धन कर कृषि को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है। आपने मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनवाने एवं संस्तुति के आधार पर उर्वरक प्रयोग का सुझाव दिया। प्रशिक्षण के अन्तर्गत मृदा उर्वरता प्रबन्धन का कृषि में महत्व, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना की विस्तृत रूपरेखा एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड का महत्व, मृदा स्वास्थ्य कार्ड हेतु मृदा नमूना लेना, मृदा में पोषक तत्वों का महत्व, कमी के लक्षण एवं उपचार, समन्वित मृदा उर्वरता प्रबन्धन में मृदा के भौतिक गुणों का महत्व एवं हरी खादों का विभिन्न फसलों में उपयोग, समन्वित मृदा उर्वरता प्रबन्धन में जैव उर्वरकों का महत्व एवं विभिन्न फसलों में उपयोग, उर्वरक, कृषि रसायन की गणना तथा उर्वरक में मिलावट के जांच की विधियाँ, एकीकृत पोषक तत्व प्रबन्धन इत्यादि विषयों पर व्याख्यान दिया गया। प्रतिभागियों को मृदा विज्ञान विभाग में भ्रमण कराकर प्रायोगिक व्याख्यान भी दिया गया एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गया :

दिनॉक / समय	विवरण	वार्ताकार / वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
20.06.2019			
9.30–9.45	पंजीकरण	डा0 विजय बिहारी सिंह, एस.एम.एस. (उद्यान)	9997284608
9.45–10.00	उद्घाटन सम्बोधन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	
10.00–11.15	समेटी–उत्तराखण्ड– परिचय एवं कृषि के उत्थान में बढ़ती भूमिका	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
11.15–11.30	**चाय**		
11.30–13.00	मृदा उर्वरता प्रबन्धन का कृषि में महत्व	डा0 डी0के0 सिंह, प्राध्यापक सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411320066
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना की विस्तृत रूपरेखा एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड का महत्व	डा0 सोबरन सिंह, प्राध्यापक मृदा विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9410754975
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	मृदा स्वास्थ्य कार्ड हेतु मृदा नमूना लेना	डा0 अजय श्रीवास्तव, प्राध्यापक मृदा विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411539422
21.06.2019			
9.30–11.15	मृदा में पोषक तत्वों का महत्व, कमी के लक्षण एवं उपचार	डा0 एस0पी0 पचौरी, वरिष्ठ शोध अधिकारी, मृदा विज्ञान विभाग कृषि महाविद्यालय	–
11.15–11.30	**चाय**		
11.30–13.00	समन्वित मृदा उर्वरता प्रबन्धन में मृदा भौतिक गुणों का महत्व एवं हरी खादों का विभिन्न फसलों में उपयोग	डा0 वीर सिंह, वरिष्ठ शोध अधिकारी मृदा विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9837649644
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–17.30	विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों पर प्रशिक्षणार्थियों का भ्रमण	डा0 मोहन सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ प्रसार शिक्षा निदेशालय	7500241451
22.06.2019			
9.30–11.00	समन्वित मृदा उर्वरता प्रबन्धन में जैव उर्वरकों का महत्व एवं विभिन्न फसलों में उपयोग	डा0 रमेश चन्द्रा, प्राध्यापक मृदा विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412982048
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	उर्वरक, कृषि रसायन की गणना तथा उर्वरक में मिलावट के जांच की विधियां	डा0 एस0पी0 गंगवार, कनिष्ठ शोध अधिकारी, मृदा विज्ञान विभाग कृषि महाविद्यालय	9411320066
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	एकीकृत पोषक तत्व प्रबन्धन	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
16.00–17.30	मुख्य अतिथि का सम्बोधन, प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री सोहन वीर कुमार	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–हवालबाग, जनपद–अल्मोड़ा	9575242877
2.	श्रीमती शान्ती देवी	कृषक	ग्राम–भाटनयाल, न्याय पंचायत–ग्वालकोट, विकासखण्ड–हवालबाग, जनपद–अल्मोड़ा	9639803966
3.	श्रीमती विमला नेगी	कृषक	ग्राम–हवालबाग, विकास खण्ड–हवालबाग,जनपद–अल्मोड़ा	7975492328
4.	श्रीमती बजुली देवी	कृषक	ग्राम–पतलिया, विकास खण्ड–हवालबाग, जनपद–अल्मोड़ा	9368174034
5.	श्रीमती लक्ष्मी देवी	कृषक	ग्राम–पतलिया, विकास खण्ड–हवालबाग, जनपद–अल्मोड़ा	–
6.	श्री पंकज कुमार	कृषक	ग्राम–सेठपुर, विकास खण्ड–लक्सर, जनपद–हरिद्वार	9837073802
7.	श्री अजय देबनाथ	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–बाराकोट, जनपद–चम्पावत	7017852536
8.	श्री नवीन चन्द्र	कृषक	विकास खण्ड–बाराकोट, जनपद–चम्पावत	9858343291
9.	श्री केदार दत्त जोशी	कृषक	ग्राम–ग्वीनाड़ा मल्ला, विकास खण्ड–बाराकोट, जनपद–चम्पावत	9457191208

5.4 फसल एवं सब्जियों की जैविक खेती

कृषक सलाहकार समिति(एफ0ए0सी0) एवं विकास खण्ड स्तरीय तकनीकी दल(बी0टी0टी0) के सदस्य, बी0टी0एम0, जैविक खेती से जुड़े प्रसार कर्मी एवं प्रगतिशील कृषकों हेतु 'फसल एवं सब्जियों की जैविक खेती' विषयक तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन जुलाई 10–13, 2019 को किया गया। इस प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड ने कहा कि फसल एवं सब्जियों की जैविक खेती कर अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है। प्रशिक्षण के अन्तर्गत जैविक फसलोत्पादन तकनीकी, उत्तराखण्ड में जैविक खेती की सम्भावनाएं एवं जैविक खेती से लाभ, सब्जियों की जैविक खेती, जैविक कृषि में रोग प्रबन्धन, कम्पोस्ट व वर्मी कम्पोस्ट बनाने की विधियां एवं विभिन्न फसलों में उपयोग विधि, जैविक फसलों के प्रमाणीकरण की विधियाँ एवं लाभ, रसायन रहित खरवतवार प्रबन्धन, जैविक कृषि में कीट प्रबन्धन, विभिन्न जैव उर्वरक एवं उनकी प्रयोग विधियाँ, फसल सब्जियों में सूक्ष्म सिंचाई तकनीक का प्रयोग इत्यादि विषयों पर व्याख्यान दिया गया तथा बीज उत्पादन केन्द्र स्थित जैविक खेती प्रक्षेत्र पर भ्रमण एवं प्रतिभागियों के साथ परिचर्चा कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गया:

जैविक खेती सम्बन्धित परिचर्चा करते वैज्ञानिक

विभिन्न जैव उर्वरकों का कृषि में उपयोग

दिनॉक / समय	विवरण	वार्ताकार / वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
10.07.2019			
9.30–10.00	पंजीकरण	डा0 विजय बिहारी सिंह, एस.एम.एस. (उद्यान)	9997284608
10.00–11.00	उद्घाटन सम्बोधन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	जैविक फसलोत्पादन तकनीकी	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक(सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	उत्तराखण्ड में जैविक खेती की सम्भावनाएं एवं जैविक खेती से लाभ	डा0 धनंजय सिंह, प्राध्यापक सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411320066
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	सब्जियों की जैविक खेती	डा0 मनोज राघव, प्राध्यापक सब्जी विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411159584
11.07.2019			
9.30–11.00	जैविक कृषि में रोग प्रबन्धन	डा0 राजेश प्रताप सिंह, प्राध्यापक पादप रोग विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	7500941100
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	कम्पोस्ट व वर्मी कम्पोस्ट बनाने की विधियाँ एवं विभिन्न फसलों में उपयोग विधि	डा0 एस0पी0 गंगवार मृदा विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411320066
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	जैविक फसलों के प्रमाणीकरण की विधियाँ एवं लाभ	डा0 धनंजय सिंह, प्राध्यापक सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411320066
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	रसायन रहित खरवतवार प्रबन्धन	डा0 टी0पी0 सिंह सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411184948
12.07.2019			
9.30–11.00	जैविक कृषि में कीट प्रबन्धन	डा0 ए0के0 पाण्डे, प्राध्यापक कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9927194497
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	बीज उत्पादन केन्द्र स्थित जैविक खेती प्रक्षेत्र पर भ्रमण एवं प्रतिभागियों के साथ परिचर्चा	डा0 धनंजय सिंह, प्राध्यापक सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411320066
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–17.30	विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण एवं प्रतिभागियों के साथ परिचर्चा	डा0 विजय बिहारी सिंह, एस.एम.एस. (उद्यान)	9997284608
13.07.2019			
9.30–11.00	विभिन्न जैव उर्वरक एवं उनकी प्रयोग विधियाँ	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक(सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	फसल सब्जियों में सूक्ष्म सिंचाई तकनीक का प्रयोग	डा0 पी0के0 सिंह, प्राध्यापक सिंचाई एवं जल निकास प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	9690012757
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	मुख्य अतिथि का सम्बोधन, प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री अतुल रावत	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक(आतमा)	विकास खण्ड–धौलादेवी, जनपद–अल्मोड़ा	9927132448
2.	श्री भगवान सिंह सुयाल	कृषक	विकास खण्ड–धौलादेवी, जनपद–अल्मोड़ा	9456364991
3.	श्री किषन सिंह बिष्ट	कृषक	विकास खण्ड–धौलादेवी, जनपद–अल्मोड़ा	9756613283
4.	श्री चन्दन सिंह नेगी	कृषक	विकास खण्ड–धौलादेवी, जनपद–अल्मोड़ा	9080503751

5.5 मुर्गी पालन–एक लाभकारी व्यवसाय

फार्म स्कूलों के संचालक, पशुधन प्रसार अधिकारी, बी0टी0एम0 एवं कुक्कुट पालक हेतु 'मुर्गी पालन–एक लाभकारी व्यवसाय' विषयक प्रशिक्षण जुलाई 16–19, 2019 को आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड ने पर्वतीय क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि छोटी जोत के कृषक मुर्गी पालन कर अपनी आय में दोगुनी से भी ज्यादा वृद्धि कर सकते हैं।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में वैज्ञानिकों ने कुक्कुट की विभिन्न प्रजातियां एवं प्रबन्धन, कुक्कुटों की विभिन्न अवस्थाओं के अनुसार

मुर्गी पालन हेतु चूजे

मुर्गी पालन – स्वरोजगार का सशक्त माध्यम

आहार व्यवस्था एवं गुणवत्ता नियंत्रण, बैकयार्ड पोल्ट्री तकनीक, ब्रायलर उत्पादन, टर्की एवं गिनी फाउल उत्पादन, कुक्कुट संसाधन एवं उत्पादन तकनीकी, चूजो एवं पठोर की प्रबन्धन व्यवस्था, कुक्कुट की प्रमुख बीमारियां एवं रोग नियंत्रण, कुक्कुट फार्म पर विभिन्न क्रियाकलापों तथा उत्पादक एवं अनुत्पादक मुर्गियों की पहचान, कुक्कुटों में परजीवी रोग नियंत्रण, कुक्कुट व्यवसाय विकास एवं कुक्कुट पर परियोजना निर्माण, पर्वतीय क्षेत्र के कृषकों हेतु स्वरोजगार कृषि कार्यक्रम विषयों पर व्याख्यान दिये गये तथा प्रतिभागियों को शैक्षणिक कुक्कुट प्रक्षेत्र सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध इकाईयों का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गया:

दिनॉक/समय	विवरण	वार्ताकार/वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
16.07.2019			
9.30–10.00	पंजीकरण	डा0 विजय बिहारी सिंह, एस.एम.एस (उद्यान)	9997284608
10.00–11.15	उद्घाटन सम्बोधन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	
11.15–11.30	**चाय**		
11.30–13.00	समेटी उत्तराखण्ड : एक संक्षिप्त परिचय	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	कुक्कुटों की विभिन्न प्रजातियां एवं प्रबन्धन	डा0 सी0बी0 सिंह, प्राध्यापक पशुधन उत्पादन प्रबन्धन विभाग पशुचिकित्सा महाविद्यालय	9412680179
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	कुक्कुटों की विभिन्न अवस्थाओं के अनुसार आहार व्यवस्था एवं गुणवत्ता नियंत्रण	डा0 ज्योति पलोड शैक्षणिक कुक्कुट फार्म, नगला	–
17.07.2019			
9.30–11.00	बैकयार्ड पोल्ट्री फार्मिंग	डा0 सी0बी0 सिंह, प्राध्यापक पशुधन उत्पादन प्रबन्धन विभाग पशुचिकित्सा महाविद्यालय	9412680179
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	ब्रायलर उत्पादन	डा0 शिव कुमार सैनी, प्राध्यापक पशुचिकित्सा महाविद्यालय	9412557576
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		

दिनॉक / समय	विवरण	वार्ताकार / वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
14.30–15.30	टर्की एवं गिनी फाउल उत्पादन	डा0 एस0के0 सिंह, प्राध्यापक पशुधन उत्पादन प्रबन्धन विभाग पशुचिकित्सा महाविद्यालय	9411320143
15.30–17.30	कुक्कुट संसाधन एवं उत्पादन तकनीकी	डा0 प्रभाकरन, सह प्राध्यापक पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग पशुचिकित्सा महाविद्यालय	9368758787
18.07.2019			
9.30–11.00	चूजो एवं पठोर की प्रबन्धन व्यवस्था	डा0 अनिल कुमार, सहायक निदेशक शैक्षणिक कुक्कुट फार्म, नगला	9412120959
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	कुक्कुटों की प्रमुख बीमारियां एवं रोग नियंत्रण	डा0 अमित पशुचिकित्सा औषधि विभाग पशुचिकित्सा महाविद्यालय	–
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	कुक्कुट फार्म पर विभिन्न क्रियाकलापों तथा उत्पादक एवं अनुत्पादक मुर्गियों की पहचान	डा0 अनिल कुमार, सहायक निदेशक शैक्षणिक कुक्कुट फार्म, नगला	9412120959
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध इकाईयों का भ्रमण	डा0 मोहन सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (सस्य), प्रसार शिक्षा निदेशालय	7500241451
19.07.2019			
9.30–11.00	कुक्कुटों में परजीवी रोग नियंत्रण	डा0 विद्यासागर, पशु परजीवी विभाग पशुचिकित्सा महाविद्यालय	9410168987
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	कुक्कुट व्यवसाय विकास एवं कुक्कुट पर परियोजना निर्माण	डा0 एस0सी0 त्रिपाठी, प्राध्यापक पशुविज्ञान एवं पशुचिकित्सा प्रसार विभाग पशुचिकित्सा महाविद्यालय	9411159957
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	पर्वतीय क्षेत्र के कृषकों हेतु स्वरोजगार कृषि कार्यक्रम	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
16.00–17.00	मुख्य अतिथि का सम्बोधन, प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री अजय चौकरायत	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक (कृषि विभाग)	विकास खण्ड–चम्पावत, जनपद–चम्पावत	9568178492
2.	श्री मो0 साहिब मंसुरी	कृषक	वार्ड नं0–15, पहाडगंज, विकास खण्ड–रूद्रपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	6398488108
3.	श्री हृदय प्रकाश यादव	कृषक	वार्ड नं0–14, भदईपुरा, विकास खण्ड–रूद्रपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9105977770
4.	श्री कैलाश सिंह महर	कृषक	ग्राम–पुनेठी तिलौन, जनपद–चम्पावत	9639607359
5.	श्री भूपेन्द्र सिंह बिष्ट	कृषक	विकास खण्ड–नैनीडांडा, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	8954210377
6.	श्री तारा दत्त उप्रेती	कृषक	ग्राम–भरछाना, जनपद–चम्पावत	9756692508
7.	श्री पंकज जोशी	पशुधन प्रसार अधिकारी	पशुचिकित्सालय–सोमेश्वर, जनपद–अल्मोड़ा	9410344376
8.	श्री पूरन सिंह पाटनी	पशुधन प्रसार अधिकारी	पशुचिकित्सालय–बसौली, जनपद–अल्मोड़ा	7579292861
9.	श्री राजेश यादव	पशुधन प्रसार अधिकारी	राजकीय पशुचिकित्सालय–रामेश्वरपुर, विकास खण्ड–रूद्रपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9411760382
10.	श्री मोहन सिंह डंगवाल	कृषक	ग्राम–भकूना, पो0–भौसोड़ी, जनपद–अल्मोड़ा	9412166423
11.	श्री कुन्दन सिंह नगरकोटी	कृषक	ग्राम–डोटियाल गांव, पो0–ताकुला, जनपद–अल्मोड़ा	9711079476

5.6 मत्स्य पालन तकनीक

मत्स्य निरीक्षक, मत्स्य पालक एवं प्रगतिशील कृषक हेतु 'मत्स्य पालन तकनीक' विषयक प्रशिक्षण जुलाई 24–27, 2019 को आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड ने कहा कि मत्स्य पालन कृषि का एक ऐसा घटक है, जिससे कृषक कम जगह में कम समय में अपनी आय तीन–चार गुना बढ़ा सकते हैं। इसको बन्दर भी नुकसान नहीं पहुँचाते। आपने मत्स्य पालन तकनीक के बारे में जानकारी प्राप्त करने हेतु वैज्ञानिकों के सम्पर्क में रहने की भी सलाह दी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत मत्स्य पालन : एक लाभकारी व्यवसाय, मत्स्य बीज उत्पादन एवं देखरेख,, तालाबों की जलीय गुणवत्ता, ठण्डे जल में मछली पालन, जलीय खरपतवारों का नियंत्रण, पर्वतीय क्षेत्र के कृषकों हेतु प्रमुख रोजगारपरक कृषि कार्यक्रम, मत्स्य प्रसंस्करण एवं प्रौद्योगिकी, समन्वित मत्स्य पालनः लघु कृषकों हेतु आय का साधन, मत्स्य पालन में प्राकृतिक एवं कृत्रिम आहार व्यवस्था विषयों पर व्याख्यान दिये गये। मत्स्य प्रक्षेत्र पर प्रतिभागियों को तालाब का निर्माण एवं देखरेख एवं व्यावहारिक जानकारी, पालने योग्य मछलियां एवं उनकी पहचान के बारे में प्रयोगात्मक अभ्यास कराया गया तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गया :

उन्नत मत्स्य पालन

दिनॉक / समय	विवरण	वार्ताकार / वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
24.07.2019			
9.30–10.00	पंजीकरण	डा0 विजय बिहारी सिंह, एस.एम.एस. (उद्यान)	9997284608
10.00–11.00	उद्घाटन सम्बोधन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	समेटी उत्तराखण्ड : एक संक्षिप्त परिचय	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	मत्स्य पालन : एक लाभकारी व्यवसाय	डा0 आई0जे0 सिंह, अधिष्ठाता मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय	7500241411
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	मत्स्य बीज उत्पादन एवं देखरेख	डा0 आर0एस0 चौहान, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, जल जीव पालन विभाग मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय	9411159955
25.07.2019			
9.30–11.00	तालाब का निर्माण एवं देखरेख (मत्स्य प्रक्षेत्र पर)	डा0 आशुतोष मिश्रा, सह प्राध्यापक	9410120651
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	पालने योग्य मछलियां एवं उनकी पहचान (मत्स्य प्रक्षेत्र पर)	डा0 आर0एन0 राम, प्राध्यापक मात्स्यिकी सम्पदा प्रबन्धन विभाग मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय	9457256393, 7017676975
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–15.30	मत्स्य प्रक्षेत्र का भ्रमण एवं व्यावहारिक जानकारी	डा0 आकांक्षा खाती, सहायक प्राध्यापक जल जीव पालन विभाग, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय	8650602200
15.30–17.30	विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों पर भ्रमण	डा0 विजय बिहारी सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यान) प्रसार शिक्षा निदेशालय	9997284608
26.07.2019			
9.30–11.00	तालाबों की जलीय गुणवत्ता	डा0 हेमा तिवारी, प्राध्यापक जलीय पर्यावरण प्रबन्धन विभाग मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय	9897526343
11.00–11.15	**चाय**		

दिनॉक/समय	विवरण	वार्ताकार/वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
11.15–13.00	ठण्डे जल में मछली पालन	डा0 राजेश राठौर, सह प्राध्यापक	9412327100
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	जलीय खरपतवारों का नियंत्रण	डा0 अनूप कुमार, सह प्राध्यापक मत्स्य प्रग्रहण एवं परिसंस्करण विभाग मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय	9411122943
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	पर्वतीय क्षेत्र के कृषकों हेतु प्रमुख रोजगारपरक कृषि कार्यक्रम	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
27.07.2019			
9.30–11.00	मत्स्य प्रसंस्करण एवं प्रौद्योगिकी	डा0 विपुल गुप्ता, सह प्राध्यापक मत्स्य प्रग्रहण एवं परिसंस्करण विभाग मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय	7500241558
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	समन्वित मत्स्य पालनः लघु कृषकों हेतु आय का साधन	डा0 ए0के0 उपाध्याय, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, मत्स्य प्रग्रहण एवं परिसंस्करण विभाग, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय	9411159990
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.30	मत्स्य पालन में प्राकृतिक एवं कृत्रिम आहार व्यवस्था	डा0 एम0 दास त्रकरू, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष	9411784020
16.30–17.30	मुख्य अतिथि का सम्बोधन, प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्रीमती रेखा देवी	कृषक	ग्राम–दुधारखाल, विकास खण्ड–जयहरीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	–
2.	श्रीमती उर्मिला देवी	कृषक	ग्राम–दुधारखाल, विकास खण्ड–जयहरीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	8755068475
3.	श्री बृजेश गौड़	कृषक	ग्राम–दुधारखाल, विकास खण्ड–जयहरीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	6395542916
4.	श्री अतुल कुमार	कृषक	ग्राम–मेरूड़ा, विकास खण्ड–जयहरीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	6398024451
5.	श्री वीरेन्द्र प्रसाद	कृषक	ग्राम–मेरूड़ा, विकास खण्ड–जयहरीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	7572021858
6.	श्री सुरेश कुमार	कृषक	ग्राम–मेरूड़ा, विकास खण्ड–जयहरीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9411591179
7.	श्री अशोक सिंह	कृषक	ग्राम–राईसेरा, विकास खण्ड–जयहरीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9412952807
8.	श्री कुलबसन्त नेगी	कृषक	ग्राम–राईसेरा, विकास खण्ड–जयहरीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	8130637353
9.	श्री जितेन्द्र सिंह	कृषक	ग्राम–जयहरी, विकास खण्ड–जयहरीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	7618349247
10.	श्री अभय कुमार	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक (आतमा)	विकास खण्ड–जयहरीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9410550883
11.	श्री राजकुमार	न्याय पंचायत प्रभारी	विकास खण्ड–रिखणीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9027007676

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
12.	श्री जगदीश प्रसाद	कृषक	ग्राम–कलवाड़ी, विकास खण्ड–रिखणीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9568483466
13.	श्री विजय प्रकाश	कृषक	ग्राम–कलवाड़ी, विकास खण्ड–रिखणीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	8938909843
14.	श्री दयाल सिंह	कृषक	ग्राम–वल्सा तल्ला, विकास खण्ड–रिखणीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	7500522376
15.	श्री हरेन्द्र सिंह	कृषक	ग्राम–कलवाड़ी, विकास खण्ड–रिखणीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	–
16.	श्री मेहरबान सिंह नेगी	कृषक	ग्राम–वल्सा तल्ला, विकास खण्ड–रिखणीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9756021422
17.	श्री बृज मोहन	कृषक	ग्राम–मंगल्वाण, विकास खण्ड–रिखणीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9012922729
18.	श्री भूपेन्द्र सिंह	कृषक	ग्राम–वल्सा तल्ला, विकास खण्ड–रिखणीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	8958506749
19.	श्री दर्शन लाल	कृषक	ग्राम–वमण गांव, विकास खण्ड–रिखणीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	–
20.	श्री सम्पूर्ण सिंह नेगी	कृषक	ग्राम–कलवाड़ी, विकास खण्ड–रिखणीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	8057010079
21.	श्री अम्बादत्त जोशी	कृषक	ग्राम–नदेहा, विकास खण्ड–बाराकोट, जनपद–चम्पावत	7579443315
22.	श्री नाथूराम जोशी	कृषक	ग्राम–झिरकूनी, पो0–सूरी, विकास खण्ड–बाराकोट, जनपद–चम्पावत	–
23.	श्री पुष्कर सिंह चौधरी	कृषक	ग्राम–विसराड़ी, पो0–बाराकोट, विकास खण्ड–बाराकोट, जनपद–चम्पावत	9756115630
24.	श्री अजय देबनाथ	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–बाराकोट, जनपद–चम्पावत	7017852536
25.	श्री राजेन्द्र कुमार	कृषक	ग्राम–पाटी, पो0–पाटी, विकास खण्ड–पाटी, जनपद–चम्पावत	9917988886
26.	श्री दयाराम	कृषक	ग्राम–बिगराकोट, विकास खण्ड–पाटी, जनपद–चम्पावत	8194075396
27.	श्री दया नाथ गोस्वामी	कृषक	ग्राम–बिगराकोट, विकास खण्ड–पाटी, जनपद–चम्पावत	–
28.	श्री शुभम कोहली	कृषक	पुष्पा सदन, नेहरू ग्राम, देहरादून	–
29.	श्री उमेश चन्द्र कबडवाल	कृषक	ग्राम–बल्यूटी, पो0–कोटाबाग, जनपद–नैनीताल	8449701037
30.	श्री ओम प्रकाश	कृषक	ग्राम–धापला, पो0–कालाढूंगी, जनपद–नैनीताल	9760228882

5.7 संरक्षित सब्जी उत्पादन

'संरक्षित सब्जी उत्पादन' विषयक प्रशिक्षण अगस्त 05–08, 2019 को आयोजित किया गया जिसमें कृषक सलाहकार समिति (एफ0ए0सी0) के सदस्य, फार्म स्कूल संचालक, बी0टी0एम0 एवं प्रगतिशील कृषक उपस्थित थे। प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड ने कहा कि उत्तराखण्ड में संरक्षित सब्जी उत्पादन की अपार सम्भावनाएं हैं। पर्वतीय क्षेत्र के कृषक बेमौसमी सब्जी उत्पादन कर अपनी आजीविका सुधार सकते हैं। आपने टमाटर, शिमला मिर्च, खीरा, गोभी की खेती को लाभकारी बनाते हुए कृषकों से इसकी खेती करने के साथ–साथ बाजार व्यवस्था पर भी सतर्कता बरतते हुए विक्रय की सलाह दी।

पॉली हाउस का भ्रमण करते प्रशिक्षणार्थी

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तराखण्ड में संरक्षित सब्जी उत्पादन की सम्भावनाएँ, सब्जी उत्पादन हेतु संरक्षित संरचनाओं के विभिन्न प्रकार, उनकी लागत एवं सूक्ष्म सिंचाई तकनीक का प्रयोग, संरक्षित सब्जी उत्पादन हेतु सब्जी प्रजातियों का चयन एवं तकनीकी, संरक्षित सब्जी उत्पादन में पलवार की महत्ता एवं उपयोग, संरक्षित सब्जी उत्पादन में लो पॉलीटनल की महत्ता एवं उपयोग, बेमौसमी सब्जी उत्पादन, संरक्षित संरचनाओं में सब्जियों के बीज उत्पादन, आधुनिक सब्जी नर्सरी प्रबन्धन तकनीकी, विभिन्न संरक्षित संरचनाओं में टमाटर, शिमला मिर्च एवं खीरा का उत्पादन एवं प्रबन्धन, संरक्षित सब्जी उत्पादन में समन्वित रोग प्रबन्धन, संरक्षित सब्जी उत्पादन में समन्वित कीट प्रबन्धन इत्यादि विषयों पर व्याख्यान दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी अनुसंधान केन्द्र के भ्रमण के दौरान पॉलीहाउस, शेडनेट, पॉलीमल्च तकनीक, ड्रिप सिंचाई इत्यादि पर वैज्ञानिकों के साथ परिचर्चा भी कराया गया। वहां प्रतिभागी अनेक प्रकार के बीजों का भी क्रय किये। प्रतिभागियों को अन्य शोध इकाईयों का भी भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गया:

दिनॉक/समय	विवरण	वार्ताकार/वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
05.08.2019			
9.30–10.00	पंजीकरण	डा0 विजय बिहारी सिंह, एस.एम.एस. (उद्यान)	9997284608
10.00–11.15	उत्तराखण्ड में संरक्षित सब्जी उत्पादन की सम्भावनाएं तथा उद्घाटन सम्बोधन	डा0 पी0एन0 सिंह, निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	9412352008
11.15–11.30	**चाय**		
11.30–13.00	समेटी उत्तराखण्ड : एक संक्षिप्त परिचय एवं कृषि के उत्थान में समेटी की भूमिका	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	सब्जी उत्पादन हेतु संरक्षित संरचनाओं के विभिन्न प्रकार, उनकी लागत एवं सूक्ष्म सिंचाई तकनीक का प्रयोग	डा0 पी0के0 सिंह, प्राध्यापक सिंचाई एवं जल निकास, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	9411159535
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	संरक्षित सब्जी उत्पादन हेतु सब्जी प्रजातियों का चयन एवं तकनीकी	डा0 दिनेश कुमार सिंह, प्राध्यापक सब्जी विज्ञान विभाग,कृषि महाविद्यालय	9412931556
06.08.2019			
9.30–11.00	संरक्षित सब्जी उत्पादन में पलवार की महत्ता एवं उपयोग	डा0 वी0पी0 सिंह, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9536102111
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	संरक्षित सब्जी उत्पादन में लो पॉलीटनल की महत्ता एवं उपयोग	डा0 ललित भट्ट, सब्जी विज्ञान विभाग,कृषि महाविद्यालय	9412986485
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	बेमौसमी सब्जी उत्पादन	डा0 विजय बिहारी सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यान) प्रसार शिक्षा निदेशालय	9997284608
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	संरक्षित संरचनाओं में सब्जियों के बीज उत्पादन	डा0 जे0पी0 सिंह, प्राध्यापक सब्जी विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	7055621244
07.08.2019			
9.30–11.00	आधुनिक सब्जी नर्सरी प्रबन्धन तकनीकी	डा0एस0के0मौर्या, सहायक प्राध्यापक सब्जी विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411159800
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	विभिन्न संरक्षित संरचनाओं में टमाटर, शिमला मिर्च एवं खीरा का उत्पादन एवं प्रबन्धन	डा0 धीरेन्द्र सिंह, प्राध्यापक सब्जी विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9897865329
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–17.30	विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण	डा0 मोहन सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यान) प्रसार शिक्षा निदेशालय	7500241451
08.08.2019			
9.30–11.00	संरक्षित सब्जी उत्पादन में समन्वित रोग प्रबन्धान	डा0 आर0पी0 सिंह, प्राध्यापक पादप रोग विज्ञान विभाग,कृषि महाविद्यालय	7500941100
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	संरक्षित सब्जी उत्पादन में समन्वित कीट प्रबन्धान	डा0 प्रमोद मल्ल, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष कीट विज्ञान विभाग	9456345516
14.30–16.00	पर्वतीय क्षेत्र के कृषकों हेतु प्रमुख रोजगारपरक कृषि कार्यक्रम	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक(सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
16.00–17.00	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	डा0 पी0एन0 सिंह, निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	9412352008

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री अतोल सिंह चौहान	प्रभारी–उद्यान	ग्राम–स्वील, जनपद–उत्तरकाशी	8126725851
2.	श्री जगमोहन सिंह	कृषक	ग्राम–हुड़ोली, विकास खण्ड–पुरोला, जनपद–उत्तरकाशी	7830354119
3.	श्री हरिमोहन सिंह नेगी	कृषक	ग्राम–हुड़ोली, विकास खण्ड–पुरोला, जनपद–उत्तरकाशी	7453090077
4.	श्री हर्ष सिंह	कृषक	ग्राम–सुनकिया, विकास खण्ड–धारी, जनपद–नैनीताल	7417369500
5.	श्री शीशपाल रावत	कृषक	ग्राम–हुडोली, विकास खण्ड–पुरोला, जनपद–उत्तरकाशी	7253812954
6.	श्री गोपाल सिंह	कृषक	ग्राम–परबड़ा, विकास खण्ड–धारी, जनपद–नैनीताल	9761540471
7.	श्री संजय सिंह सजवाण	कृषक	ग्राम–जशोधरपुर (कोटद्वार), विकास खण्ड–दुगड्डा, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9837567892
8.	श्री दाताराम केष्टवाल	कृषक	ग्राम–लछमपुर, (कोटद्वार), विकास खण्ड–दुगड्डा, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	7088956230
9.	श्री दीपक बिष्ट	कृषक	ग्राम–सत्तीचौड़, पो0–निम्बूचौड़, विकास खण्ड–दुगड्डा, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9917207062
10.	श्री अनिल कुमार	कृषक	ग्राम–नरसिंह डांडा, विकास खण्ड–चम्पावत, जनपद–चम्पावत	7409632710
11.	श्री हरीश लाल	कृषक	ग्राम–नरसिंह डांडा, पो0–धामीसौन, विकास खण्ड–चम्पावत, जनपद–चम्पावत	9758828453
12.	श्री किशन राम	कृषक	ग्राम–नरसिंह डांडा, विकास खण्ड–चम्पावत, जनपद–चम्पावत	9627615065
13.	श्री शिशुपालसिंह रावत	कृषक	ग्राम–भाकण्ड, विकास खण्ड–वीरोंखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9012456382
14.	श्री देवेन्द्र कुमार	कृषक	ग्राम–नरसिंह डांडा, पो0–धामीसौन, विकास खण्ड–चम्पावत, जनपद–चम्पावत	7253825392
15.	श्री अजय चौकरायत	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक (कृषि विभाग)	विकास खण्ड–चम्पावत, जनपद–चम्पावत	9568178492
16.	सुश्री कुसुम	कृषक	ग्राम–सिलगोट पलद्धाड़ी, विकास खण्ड–ऊखीमठ, जनपद–रूद्रप्रयाग	7895511474
17.	श्री मनीश कुमार	कृषक	ग्राम–देवर, पो0–गुप्तकाशी, विकास खण्ड–ऊखीमठ, जनपद–रूद्रप्रयाग	–
18.	श्री बलवीर लाल	कृषक	ग्राम–भटवाड़ी, विकास खण्ड–अगस्त्यमुनि, जनपद–रूद्रप्रयाग	7453808882
19.	श्री टीकेश्वर रावत	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	ग्राम–मयाली, पो0–मयाली, जनपद–रूद्रप्रयाग	7830590530
20.	श्री रविन्द्र सिंह राणा	कृषक	ग्राम–सौन्दा भरदार, पो0–चौरिया भरदार, जनपद–रूद्रप्रयाग	9720573308
21.	श्री कमल सिंह	कृषक	ग्राम–ग्बीन छोटा, पो0–द्वारीखाल, विकास खण्ड–द्वारीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9012584228
22.	श्री अजय दत्त डोबरियाल	कृषक	ग्राम–ग्बीन छोटा, पो0–द्वारीखाल, विकास खण्ड–द्वारीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	7579113249
23.	श्री प्रदीप रावत	कृषक	ग्राम–ग्बीन छोटा, पो0–द्वारीखाल, विकास खण्ड–द्वारीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9456452633
24.	श्री यशपाल सिंह राणा	सहायक कृषि अधिकारी	कार्यालय–मुख्य कृषि अधिकारी, जनपद–उत्तरकाशी	–

5.8 फल एवं सब्जी प्रसंस्करण– एक लाभकारी व्यवसाय

सब्जी/फल उत्पादक कृषक एवं उद्यान विभाग के प्रसार कर्मी एवं प्रगतिशील कृषकों हेतु 'फल एवं सब्जी प्रसंस्करण– एक लाभकारी व्यवसाय' विषयक प्रशिक्षण अगस्त 19–22, 2019 को आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड ने कहा कि उत्तराखण्ड में फल एवं सब्जी प्रसंस्करण एक लाभकारी व्यवसाय हो सकता हैं। अनेक फल जैसे नाशपाती, आड़ू, खुमानी, नीबू वर्गीय का मूल्यवर्धन कर कृषक आय में पर्याप्त बढ़ोत्तरी कर सकते हैं इसी तरह मंडुवा के बिस्किट, नमकीन का काम भी लाभकारी सौदा हो सकता है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत अचार बनाने की विधियाँ एवं उसमें उपयोग होने वाले सामग्री, विभिन्न फलों से जैम एवं स्क्वैश बनाने की विधियाँ, फल एवं सब्जियों का आहार में महत्व, फलों से मुरब्बे एवं टॉफी बनाने की विधियाँ, फल एवं सब्जी से चटनी एवं कैचप/सॉस बनाने की विधियाँ, फल एवं सब्जी प्रसंस्करण व्यवसायः कब, कैसे और कहाँ शुरू करें?, फल एवं सब्जियों का लम्बे समय तक रखरखाव, फलों के जूस निकालने एवं पेय पदार्थ बनाने की उपयुक्त विधियाँ, फल एवं सब्जी में मूल्यवर्धन एवं प्रबन्धन, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ आधारित कुटीर उद्योगों की स्थापना हेतु सहायक महत्वपूर्ण सरकारी योजनाएं, फल सब्जी प्रसंस्करण हेतु उपयुक्त उपकरणों का परिचय एवं क्रियाविधि इत्यादि विषयों पर व्याख्यान दिया गया। फलों से जूस निकालने एवं पेय पदार्थ बनाने की विधि पर विभागीय प्रयोगशाला में प्रयोगात्मक अभ्यास भी कराया गया। प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गयाः

दिनॉक/समय	विवरण	वार्ताकार/वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
19.08.2019			
9.30–10.30	पंजीकरण	डा0 विजय बिहारी सिंह, एस.एम.एस (उद्यान)	9997284608
10.30–11.30	फल सब्जी प्रसंस्करण की महत्ता एवं उद्घाटन सम्बोधन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	
11.30–11.45	**चाय**		
11.45–13.00	अचार बनाने की विधियाँ एवं उसमें उपयोग होने वाले सामान	डा0 अनुराधा दत्ता, प्राध्यापक गृह विज्ञान महाविद्यालय	9759731044
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	विभिन्न फलों से जैम एवं स्क्वैश बनाने की विधियाँ	डा0 सरिता श्रीवास्तव, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, खाद्य एवं पोषण विभाग, गृह विज्ञान महाविद्यालय	9411320378
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	फल एवं सब्जियों का आहार में महत्व	डा0 प्रतिमा अवस्थी, प्राध्यापक गृह विज्ञान महाविद्यालय	9457695482
20.08.2019			
9.30–11.00	फलों से मुरब्बे एवं टॉफी बनाने की विधियाँ	डा0 अर्चना कुशवाहा, प्राध्यापक गृह विज्ञान महाविद्यालय	9411321631
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	फल एवं सब्जी से चटनी एवं कैचप/सॉस बनाने की विधियाँ	डा0 यामा खोखर, प्राध्यापक गृह विज्ञान महाविद्यालय	9719414564
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	फल एवं सब्जी प्रसंस्करण व्यवसायः कब, कैसे और कहाँ शुरू करें?	डा0 खान चंद, कनिष्ठ शोध अधिकारी पोस्ट हार्वेस्ट, प्रोसेस एण्ड फूड इंजीनियरिंग विभाग प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	7500734737
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	फल एवं सब्जियों का लम्बे समय तक रखरखाव	डा0 एन0सी0 शाही, प्राध्यापक कटाई उपरान्त प्रौद्योगिकी एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	9456137157

दिनॉक/समय	विवरण	वार्ताकार/वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
21.08.2019			
9.30–11.00	फलों के जूस निकालने एवं पेय पदार्थ बनाने की उपयुक्त विधियां	डा0 सी0एस0 चोपड़ा, प्राध्यापक खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411595049
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	फलों के जूस निकालने एवं पेय पदार्थ बनाने की विधि (प्रयोगात्मक) **(प्रशिक्षण स्थलः खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग, कृषि महाविद्यालय)**	डा0 श्वेता राय, सहायक प्राध्यापक खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, कृषि महाविद्यालय	9258058716 7060286230
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–17.30	विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण	डा0 विजय बिहारी सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यान) प्रसार शिक्षा निदेशालय	9997284608
22.08.2019			
9.30–11.00	फल एवं सब्जी में मूल्यवर्धन एवं प्रबन्धन	डा0 पी0के0 ओमरे, विभागाध्यक्ष पोस्ट हार्वेस्ट, प्रोसेस एण्ड फूड इंजीनियरिंग विभाग प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	9412951150
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ आधारित कुटीर उद्योगों की स्थापना हेतु सहायक महत्वपूर्ण सरकारी योजनाएं	डा0 अनुपमा सिंह, नेशनल फेलो एवं विभागाध्यक्ष, कटाई उपरान्त प्रौद्योगिकी एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	9411160079
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	फल सब्जी प्रसंस्करण हेतु उपयुक्त उपकरणों का परिचय एवं क्रियाविधि	ई0 यू0सी0 लोहानी, जे0आर0ओ0 कटाई उपरान्त प्रौद्योगिकी एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	9411160053
16.00–17.30	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री योगेन्द्र कुमार	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–ओखलकाण्डा, जनपद–नैनीताल	7500062809
2.	श्री भवान सिंह बोहरा	कृषक	ग्राम–सुरंग, विकास खण्ड–ओखलकाण्डा, जनपद–नैनीताल	9456776279
3.	श्री त्रिलोकपुरी गोस्वामी	कृषक	ग्राम–सुरंग, विकास खण्ड–ओखलकाण्डा, जनपद–नैनीताल	9410144225
4.	श्री दीवान सिंह मेवाड़ी	कृषक	ग्राम–ककोड़, विकास खण्ड–ओखलकाण्डा, जनपद–नैनीताल	7579440607
5.	श्री कमल सिंह मेवाड़ी	कृषक	ग्राम–ककोड़, विकास खण्ड–ओखलकाण्डा, जनपद–नैनीताल	9458128328
6.	श्री विरेन्द्र सिंह मेवाड़ी	कृषक	ग्राम–ककोड़, विकास खण्ड–ओखलकाण्डा, जनपद–नैनीताल	9897555278
7.	श्री पूरन सिंह मेवाड़ी	कृषक	ग्राम–ककोड़, विकास खण्ड–ओखलकाण्डा, जनपद–नैनीताल	7458815208
8.	श्री धीरज सिंह मेवाड़ी	कृषक	ग्राम–ककोड़, विकास खण्ड–ओखलकाण्डा, जनपद–नैनीताल	7579263693
9.	श्री नारायण सिंह मेवाड़ी	कृषक	ग्राम–ककोड़, विकास खण्ड–ओखलकाण्डा, जनपद–नैनीताल	7579263693
10.	श्री महेश चन्द्र सुयाल	कृषक	ग्राम–सुई, विकास खण्ड–ओखलकाण्डा, जनपद–नैनीताल	9411212461

5.9 दुग्ध उत्पादन एवं दुधारू पशुओं का प्रबन्धन

प्रगतिशील पशुपालक, पशुपालन विभाग के कर्मचारी, आतमा के पदाधिकारी एवं अधिकारी हेतु 'दुग्ध उत्पादन एवं दुधारू पशुओं का प्रबन्धन' विषयक प्रशिक्षण अगस्त 28–30, 2019 को आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर कार्यवाहक निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड ने पर्वतीय क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि खाली पड़ी जमीन का सदुपयोग करते हुये छोटी जोत के कृषक एक या दो अच्छे नस्ल के पशु द्वारा उन्नत पशुपालन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त मूल्यवर्धन और पनीर, खोया, घी, चीज इत्यादि के माध्यम से भी कृषक अच्छी खासी आमदनी कर सकते हैं। आपने वर्तमान परिवेश में गोमूत्र को भी आय का एक प्रमुख आधार बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत नये डेयरी की शुरूआत कैसे करें? पशुओं की आवास एवं अन्य व्यवस्थाए, पशुओं हेतु संतुलित आहार प्रबन्धन, पशुओं के प्रमुख रोग एवं प्रबन्धन, गुणवत्तायुक्त स्वच्छ दुग्ध उत्पादन एवं उसके विभिन्न उत्पाद,पशुओं में नस्ल सुधार एवं प्रजनन विधियाँ, पशुओं में नियमित प्रजनन की आवश्यकता एवं प्रजनन विकार, पशुओं के विभिन्न संक्रामक रोग एवं बचाव हेतु टीकाकरण/प्रबन्धन विषयों पर व्याख्यान दिये गये तथा प्रतिभागियों को शैक्षणिक डेयरी फार्म, नगला एवं विश्वविद्यालय के अन्य शोध केन्द्रों का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गया:

वैज्ञानिक विधि से पशुशाला प्रबन्धन

दिनॉक/समय	विवरण	वार्ताकार/वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
28.08.2019			
9.30–10.00	पंजीकरण	डा0 विजय बिहारी सिंह, एस.एम.एस.(उद्यान)	9997285608
10.00–11.15	कृषि का बदलता स्वरूप एवं कृषक की भूमिका तथा उद्घाटन सम्बोधन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	
11.15–11.30	**चाय**		
11.30–13.00	नये डेयरी की शुरूआत कैसे करें?	डा0 डी0वी0 सिंह, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, पशुधन उत्पादन, पशुचिकित्सा महाविद्यालय	9411159980
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	पशुओं की आवास एवं अन्य व्यवस्थाएं	डा0 एस0के0 सिंह, प्राध्यापक पशुधन उत्पादन प्रबन्धन विभाग, पशुचिकित्सा महाविद्यालय	9411320143
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	पशुओं हेतु संतुलित आहार प्रबन्धन	डा0 अशोक कुमार, प्राध्यापक पशु पोषण विभाग, पशुचिकित्सा महाविद्यालय	9411320340
29.08.2019			
9.30–11.00	पशुओं के प्रमुख रोग एवं प्रबन्धन	डा0 जे0एल0 सिंह, प्राध्यापक पशुचिकित्सा औषधि विभाग,पशुचिकित्सा महाविद्यालय	9410119561
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	गुणवत्तायुक्त स्वच्छ दुग्ध उत्पादन एवं उसके विभिन्न उत्पाद	डा0 पी0के0 सिंह, प्राध्यापक पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग पशुचिकित्सा महाविद्यालय	9411160091
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–17.30	शैक्षणिक डेयरी फार्म एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों पर भ्रमण	डा0 मोहन सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (सस्य) प्रसार शिक्षा निदेशालय	7500241451
30.08.2019			
9.30–11.00	पशुओं में नस्ल सुधार एवं प्रजनन विधियाँ	डा0 बी0एन0 शाही, सह प्राध्यापक पशु आनुवांशिकी एवं प्रजनन विभाग, पशुचिकित्सा महाविद्यालय	9410587169
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	पशुओं में नियमित प्रजनन की आवश्यकता एवं प्रजनन विकार	डा0 मृदुला शर्मा, सहायक प्राध्यापक प्रसूति विज्ञान विभाग, पशुचिकित्सा महाविद्यालय	
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–15.30	पशुओं के विभिन्न संक्रामक रोग एवं बचाव हेतु टीकाकरण/प्रबन्धन	डा0 संदीप तलवार, पशुचिकित्सा अधिकारी, शैक्षणिक डेयरी फार्म, नगला	9411342261
15.30–17.00	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री नरेन्द्र सिंह यादव	पशुधन प्रसार अधिकारी	पशु सेवा केन्द्र–फतेहगंज, पशुचिकित्सालय–गदरपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	7500721725
2.	श्री हर्षवर्धन गंगवार	पशुपालक	बरेली नगर नं0–2, पो0–केलाखेड़ा, जनपद–ऊधमसिंहनगर	6397022040
3.	श्री भगवान दास कम्बोज	पशुपालक	पो0–केलाखेड़ा, जनपद–ऊधमसिंहनगर	8097502546
4.	श्री हरीश राम	पशुपालक	ग्राम–सिरमोली, विकास खण्ड–पाटी, जनपद–चम्पावत	7251945081
5.	श्री महेन्द्र पाल	पशुपालक	बरेली नगर नं0–2, पो0–केलाखेड़ा, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9927369519
6.	श्री प्रदीप राम	पशुपालक	ग्राम एवं पो0–चौड़ाकोट, विकास खण्ड–पाटी, जनपद–चम्पावत	8006471102
7.	श्री चन्द्र प्रकाष बिष्ट	पशुधन प्रसार अधिकारी	पशु सेवा केन्द्र–बिन्तोला, जनपद–अल्मोड़ा	9837745468
8.	श्री नर सिंह मेवाड़ी	पशुधन प्रसार अधिकारी	पशु सेवा केन्द्र–खेर्दा, अल्मोड़ा, जनपद–अल्मोड़ा	9411792971
9.	श्री दलिप राम	कृषक	ग्राम एवं पो0–चौसली, जनपद–अल्मोड़ा	9720202061

5.10 फल वृक्षों में समन्वित कीट एवं रोग प्रबन्धन

सब्जी/फल उत्पादक कृषक एवं उद्यानं विभाग के विभागीय अधिकारियों हेतु 'फल वृक्षों में समन्वित कीट एवं रोग प्रबन्धन' विषयक प्रशिक्षण सितम्बर 11–14, 2019 को आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड ने उत्तराखण्ड में औद्यानिकी का महत्व बताया। अपने वार्ता में आपने बताया कि प्रति वर्ष कीट–रोग से फलों की पैदावार में भारी कमी हो जाती है। निरंतर बाग की निगरानी, संस्तुत मात्रा में सही समय पर रसायन का प्रयोग, कटिंग/प्रूनिंग आदि द्वारा इनका नियंत्रण किया जा सकता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत शीतोष्ण कटिबन्धीय फलों की उन्नत खेती, उपोष्ण फलों की खेती, फल वृक्षों में पोषक तत्वों की कमी से होने वाले रोग एवं प्रबन्धन, औद्यानिकी फसलों में सूक्ष्म सिंचाई की विधियाँ, विभिन्न फल वृक्षों की सधाई एवं कटाई–छंटाई, बाग की स्थापना, रेखांकन एवं रोपण तकनीकी, तुड़ाई पूर्व एवं उपरान्त फल गुणवत्ता प्रबन्धन, व्यावसायिक औद्यानिकी के अन्तर्गत अन्तर्फसली खेती, विभिन्न फल वृक्षों के पुराने बागों का जीर्णोद्वार एवं देखभाल, फल वृक्षों में पादप वृद्वि नियामकों के प्रभाव एवं उपयोगिता, प्रमुख फल वृक्षों के मातृ पौधों का रखरखाव, प्रवर्धन की विधियाँ एवं नर्सरी प्रबन्धन, फल वृक्षों के रोग एवं उनका प्रबन्धन, फल वृक्षों के कीट एवं उनका प्रबन्धन विषयों पर व्याख्यान दिये गये। प्रतिभागियों को उद्यान अनुसंधान केन्द्र, पत्थरचट्टा का भ्रमण एवं वैज्ञानिकों ने प्रायोगिक अनुभवों को साझा किया। प्रशिक्षणार्थियों को अन्य शोध केन्द्रों का भी भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गयाः

उद्यान अनुसंधान केन्द्र पर परिचर्चा

दिनॉक/ समय	विवरण	वार्ताकार/वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
11.09.2019			
9.00–9.30	पंजीकरण	डा0 विजय बिहारी सिंह, एस.एम.एस(उद्यान)	9997284608
9.30–10.20	उत्तराखण्ड में औद्यानिकी का महत्व एवं उद्घाटन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	
10.20–10.30	**चाय**		
10.30–11.30	समेटी उत्तराखण्ड : एक संक्षिप्त परिचय एवं कृषि के उत्थान में समेटी की भूमिका	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
11.30–13.00	शीतोष्ण कटिबन्धीय फलों की उन्नत खेती	डा0 रत्ना राय, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9456123554
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	उपोष्ण फलों की खेती	डा0 डी0सी0 डिमरी, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412984236
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	फल वृक्षों में पोषक तत्वों की कमी से होने वाले रोग एवं प्रबन्धन	डा0 राजेश कुमार, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9415574127
12.09.2019			
9.30–11.00	औद्यानिकी फसलों में सूक्ष्म सिंचाई की विधियॉ	डा0 पी0के0 सिंह, प्राध्यापक सिंचाई एवं जल निकास अभियांत्रिकी विभाग, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	9411159535
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	विभिन्न फल वृक्षों की सधाई एवं कटाई–छंटाई	डा0 रत्ना राय, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9456123554
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	बाग की स्थापना, रेखांकन एवं रोपण तकनीकी	डा0 डी0सी0 डिमरी, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412984236
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	तुड़ाई पूर्व एवं उपरान्त फल गुणवत्ता प्रबन्धन	डा0 ओमवीर सिंह, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411741267
13.09.2019			
9.00–11.30	व्यावसायिक औद्यानिकी के अन्तर्गत अन्तःफसली खेती	डा0 वी0पी0 सिंह, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9536102111
11.30–13.00	विभिन्न फल वृक्षों के पुराने बागों का जीर्णोद्धार एवं देखभाल	डा0 वी0पी0 सिंह, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9536102111
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	फल वृक्षों में पादप वृद्वि नियामकों के प्रभाव एवं उपयोगिता **स्थलः उद्यान अनुसंधान केन्द्र, पत्थरचट्टा**	डा0 ए0के0 सिंह, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय एवं सह निदेशक, उद्यान अनुसंधान केन्द्र, पत्थरचट्टा डा0 विजय बिहारी सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यान) प्रसार शिक्षा निदेशालय	7900280111
16.00–17.30	प्रमुख फल वृक्षों के मातृ पौधों का रखरखाव, प्रवर्धन की विधियाँ एवं नर्सरी प्रबन्धन **स्थलः उद्यान अनुसंधान केन्द्र, पत्थरचट्टा**	डा0 ए0के0 सिंह, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय एवं सह निदेशक, उद्यान अनुसंधान केन्द्र, पत्थरचट्टा	7900280111
14.09.2019			
9.30–11.00	फल वृक्षों के रोग एवं उनका प्रबन्धन	डा0 के0पी0 सिंह, प्राध्यापक पादप रोग विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412142537
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	फल वृक्षों के कीट एवं उनका प्रबन्धन	डा0 पूनम श्रीवास्तव, सह प्राध्यापक कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411159448
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री स्वरूप सिंह	कृषक	ग्राम–मारा गांव, पो0–धूनाघाट, विकास खण्ड–पाटी, जनपद–चम्पावत	9756447647
2.	श्री किशोर सिंह	कृषक	ग्राम–बोरा गांव, पो0–धूनाघाट, विकास खण्ड–पाटी, जनपद–चम्पावत	9927176037
3.	श्री अजय देवनाथ	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–बाराकोट, जनपद–चम्पावत	7017852536
4.	श्री अम्बादत्त जोशी	कृषक	ग्राम–नदेड़ा, विकास खण्ड–बाराकोट, जनपद–चम्पावत	–
5.	श्री नैन सिंह	कृषक	ग्राम–कांकड़, विकास खण्ड–बाराकोट, जनपद–चम्पावत	–
6.	श्री नारायण राम	कृषक	ग्राम–बाराकोट, विकास खण्ड–बाराकोट, जनपद–चम्पावत	9458918376
7.	श्री भुवन लाल	कृषक	ग्राम–बाराकोट, विकास खण्ड–बाराकोट, जनपद–चम्पावत	9410181623

5.11 औद्यानिक फलवृक्षों/सब्जियों एवं औषधीय तथा सगन्ध पादपों के नर्सरी प्रबन्धन

कृषक सलाहकार समिति(एफ0ए0सी0) के सदस्य, बी0टी0एम0, उद्यान निरीक्षक/पर्यवेक्षक, नर्सरी पालक एवं प्रगतिशील कृषकों हेतु 'औद्यानिक फलवृक्षों/सब्जियों एवं औषधीय तथा सगन्ध पादपों के नर्सरी प्रबन्धन' विषयक प्रशिक्षण सितम्बर 18–21, 2019 को आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य में औद्यानिकी की अपार सम्भावनाएं है। उत्तराखण्ड का समग्र विकास कृषि एवं पशुपालन के साथ–साथ बागवानी क्षेत्र के विकास पर निर्भर है। इसके लिए जलवायु के अनुसार फलवृक्षों, सब्जी एवं औषधीय व सगन्ध पौधों की नर्सरी प्रबन्धन पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है, जिससे कि गुणवत्तायुक्त पौध तैयार कर दूरस्थ क्षेत्रों में कृषकों तक इसकी सुगम पहुँच हो सके। अच्छे पौध से कृषक निश्चित रूप से ज्यादा पैदावार एवं अततः आर्थिकी में वृद्धि कर सकेंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत कम लागत वाले पादप प्रवर्धन के ढांचे तैयार करने की विधियाँ, उच्च गुणवत्तायुक्त फल वृक्षों का पौधशाला प्रबन्धन, फलदार वृक्षों की प्रवर्धन विधियाँ, पर्वतीय क्षेत्रों हेतु उपर्युक्त औषधीय व सगन्ध पौधों की खेती एवं व्यापारिक व्यवस्था, सब्जियों का पौधशाला प्रबन्धन, पर्वतीय क्षेत्र की सब्जियों की संतुत प्रजातियाँ एवं उत्पादन तकनीक, संरक्षित संरचनाओं में सब्जी पौध तैयार करने की विधि, पौधशाला में पादप सुरक्षा प्रबन्धन, मातृवृक्षों का महत्व एवं रखरखाव, पौधशाला में समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन इत्यादि विषयों पर व्याख्यान दिया गया। संरक्षित संरचनाओं में व्यावसायिक पौध उत्पादन का व्यावहारिक अनुभव, औषधीय एवं सगन्ध पादपों के नर्सरी प्रबन्धन का व्यावहारिक अनुभव एवं प्रवर्धन विधियों का अध्ययन यथा कटिंग, कलम बन्धन, चश्मा चढ़ाना आदि पर प्रयोगात्मक अभ्यास कराया गया। इन्हें विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भी भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गयाः

उन्नत पौधशाला प्रबन्धन तकनीक

दिनॉक / समय	विवरण	वार्ताकार / वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
18.09.2019			
9.30–10.00	पंजीकरण	डा0 विजय बिहारी सिंह, एस.एम.एस (उद्यान)	
10.00–11.15	उत्तराखण्ड के विकास में औद्यानिकी का महत्व एवं उद्घाटन सम्बोधन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	
11.15–11.30	**चाय**		
11.30–13.00	समेटी उत्तराखण्ड : एक संक्षिप्त परिचय एवं कृषि के उत्थान में समेटी की भूमिका	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	कम लागत वाले पादप प्रवर्धन के ढांचे तैयार करने की विधियाँ	डा0 वी0पी0 सिंह, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9536102111
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	उच्च गुणवत्तायुक्त फल वृक्षों का पौधशाला प्रबन्धन	डा0 ए0के0 सिंह, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	7900280111
19.09.2019			
9.30–11.15	फलदार वृक्षों की प्रवर्धन विधियाँ	डा0 रत्ना राय, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9456123554
11.15–11.30	**चाय**		
11.30–13.00	पर्वतीय क्षेत्रों हेतु उपर्युक्त औषधीय व सगन्ध पौधों की खेती एवं व्यापारिक व्यवस्था	डा0 एम0एस0 नेगी, संयुक्त निदेशक औषधीय व सगन्ध पादप अनुसंधान एवं विकास केन्द्र	9412370194
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	सब्जियों का पौधशाला प्रबन्धन	डा0एस0के0 मौर्या, सहायक प्राध्यापक सब्जी विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411159800
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	पर्वतीय क्षेत्र की सब्जियों की संतुत प्रजातियां एवं उत्पादन तकनीक	डा0 विजय बिहारी सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यान) प्रसार शिक्षा निदेशालय	9997284608
20.09.2019			
9.30–11.15	संरक्षित संरचनाओं में सब्जी पौध तैयार करने की विधि **(व्याख्यान स्थलः सब्जी अनुसंधान केन्द्र)**	डा0 ललित भट्ट, सहायक निदेशक सब्जी विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412986485
11.15–11.30	**चाय**		
11.30–13.00	संरक्षित संरचनाओं में व्यावसायिक पौध उत्पादन का व्यावहारिक अनुभव **(स्थलः सब्जी अनुसंधान केन्द्र)**	डा0 ललित भट्ट, सहायक निदेशक सब्जी विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412986485
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	औषधीय एवं सगन्ध पादपों के नर्सरी प्रबन्धन का व्यावहारिक अनुभव **(स्थलः औषधीय व सगन्ध पादप अनुसंधान एवं विकास केन्द्र)**	डा0 एम0एस0 नेगी, संयुक्त निदेशक औषधीय व सगन्ध पादप अनुसंधान एवं विकास केन्द्र	9412370194
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	प्रवर्धन विधियों का अध्ययन (कटिंग, कलम बन्धन, चश्मा चढ़ाना आदि) **(स्थलः उद्यान अनुसंधान केन्द्र)**	डा0 पी0एन0 राय, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411344432
21.09.2019			
9.30–11.00	पौधशाला में पादप सुरक्षा प्रबन्धन	डा0 के0पी0 सिंह, प्राध्यापक पादप रोग विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412142537
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–12.00	मातृ वृक्षों का महत्व एवं रखरखाव	डा0 राजेश कुमार, सह प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9415574127
12.00–13.00	पौधशाला में समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन	डा0 डी0सी0 डिमरी, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412984236
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	पर्वतीय क्षेत्र की प्रमुख स्वरोजगारपरक कृषि कार्यक्रम	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	
16.00–17.00	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री योगेन्द्र सिंह राठी	उप परियोजना निदेशक 'आतमा'	मौहल्ला–पाण्डेवाला, ज्वालापुर,जनपद–हरिद्वार	9045756070
2.	कु0 सुरभि राठी	कृषक	मौहल्ला–पाण्डेवाला, ज्वालापुर,जनपद–हरिद्वार	9058722721
3.	कु0 राजरानी	कृषक	ग्राम–रामपुर, रूड़की, जनपद–हरिद्वार	7505748974
4.	कु0 स्नेहा रानी	कृषक	ग्राम–ज्वालापुर, जनपद–हरिद्वार	9105937292
5.	डा0 पूजा जोशी	कृषक	ग्राम–पान, विकास खण्ड–चौखुटिया, जनपद–अल्मोड़ा	9410530117
6.	श्री प्रकाश राम	कृषक	ग्राम–ढटीगाँव, विकास खण्ड–बाराकोट, जनपद–चम्पावत	9012665977
7.	श्री शिवम कुमार	कृषक	ग्राम–बहादरपुर जट्ट, जनपद–हरिद्वार	8077940620
8.	श्री अभिषेक	कृषक	ग्राम–शान्तरशाह, जनपद–हरिद्वार	8905320033
9.	श्री पंकज भाकर	कृषक	ग्राम––शान्तरशाह, जनपद–हरिद्वार	8824743760
10.	श्री निर्मल सिंह	कृषक	ग्राम–बहादरपुर जट्ट, जनपद–हरिद्वार	8979802603
11.	श्री शुभम कुमार	कृषक	ग्राम–बहादरपुर जट्ट, जनपद–हरिद्वार	8923405435
12.	श्री रमेश	कृषक	ग्राम––शान्तरशाह, जनपद–हरिद्वार	8690076788
13.	श्री आशु कुमार	कृषक	ग्राम–बहादरपुर जट्ट, जनपद–हरिद्वार	9105620119
14.	श्री संदीप गोदारा	कृषक	ग्राम––शान्तरशाह, जनपद–हरिद्वार	9649630792
15.	श्री प्रमोद सिंह राणा	सहायक विकास अधिकारी–उद्यान	विकास खण्ड–भिकियासैंण, जनपद–अल्मोड़ा	9759911884

5.12 रबी फसलोत्पादन की उन्नत तकनीक

अधिक उपज प्राप्त करने हेतु आधुनिक तकनीक के उचित प्रबन्धन पर विशेष बल प्रदान करने के उद्देश्य से प्रगतिशील कृषक, विभागीय अधिकारी एवं कृषक सलाहकार समिति (एफ0ए0सी0) के सदस्यों हेतु 'रबी फसलोत्पादन की उन्नत तकनीक' विषयक प्रशिक्षण अक्टूबर 15–18, 2019 को आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में संयुक्त निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड, डा0 अनुराधा दत्ता ने कहा कि रबी फसलों से अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए उन्नत प्रजातियों का प्रयोग, समय से बुवाई, पंक्तियों में बुवाई, संतुलित उर्वरक प्रयोग, सिंचाई एवं खरपतवार प्रबन्धन कर अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। विशेष रूप से पर्वतीय क्षेत्रों में रबी की फसलें वर्षा आधारित होती हैं, अतः कृषकों को नमी संरक्षण हेतु सजग रहना चाहिए। प्रशिक्षण से प्राप्त होने वाले तकनीकी ज्ञान को कृषकों तक हस्तान्तरित करने का आह्वाहन भी किया। इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत रबी धान्य फसलों की वैज्ञानिक खेती, रबी दलहन फसलों की उन्नत खेती, मैदानी एवं पर्वतीय क्षेत्रों हेतु रबी के प्रमुख कृषि पद्धति माड्यूल, समन्वित उर्वरक प्रबन्धन, तिलहनी फसलों की उन्नत खेती, सिंचाई प्रबन्धन, खरपतवार प्रबन्धन, प्रमुख रोग एवं प्रबन्धन, रबी फसलों के प्रमुख कीट एवं प्रबन्धन, रबी फसलों में कृषि आगतों का दक्षतापूर्ण प्रबन्धन, पर्वतीय क्षेत्रों हेतु रबी फसलों की उन्नत प्रजातियां एवं वैज्ञानिक खेती आदि विषयों पर व्याख्यान दिये गये तथा प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध इकाईयों का भ्रमण भी कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गयाः

प्रमाण–पत्र वितरण कार्यक्रम

दिनॉक/समय	विवरण	वार्ताकार/वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
15.10.2019			
9.30–10.00	पंजीकरण	डा0 विजय बिहारी सिंह, एस.एम.एस. (उद्यान)	9997284608
10.00–10.15	उद्घाटन सम्बोधन	संयुक्त निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	
10.15–11.30	समेटी उत्तराखण्ड : संक्षिप्त परिचय एवं पर्वतीय क्षेत्र के कृषकों हेतु प्रमुख स्वरोजगारपरक कृषि कार्यक्रम	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
11.30–11.45	**चाय**		
11.45–13.00	रबी धान्य फसलों की वैज्ञानिक खेती	डा0 के0एस0 शेखर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, सस्य विज्ञान विभाग	9411160050
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	रबी दलहन फसलों की उन्नत खेती	डा0 बी0एस0 कार्की, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	7579174120
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	मैदानी एवं पर्वतीय क्षेत्रों हेतु रबी के प्रमुख कृषि पद्धति माड्यूल	डा0 दिनेश कुमार सिंह, कनिष्ठ शोध अधिकारी, सस्य विज्ञान विभाग	9410187299
16.10.2019			
9.30–11.00	रबी फसलों हेतु समन्वित उर्वरक प्रबन्धन	डा0 रमेश चन्द्रा, प्राध्यापक मृदा विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412982048
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	रबी तिलहनी फसलों की उन्नत खेती	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	रबी फसलों में सिंचाई प्रबन्धन	डा0 सुभाष चन्द्रा, प्रधान वैज्ञानिक सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9458962174
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	रबी फसलों में खरपतवार प्रबन्धन	डा0 वी0पी0 सिंह, प्राध्यापक सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411159669
17.10.2019			
9.30–11.00	रबी फसलों के प्रमुख रोग एवं प्रबन्धन	डा0 राजेश प्रताप सिंह, प्राध्यापक पादप रोग विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	7500941100
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	रबी फसलों के प्रमुख कीट एवं प्रबन्धन	डा0 प्रमोद मल्ल, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9456345516
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–17.30	विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध इकाईयों का भ्रमण	डा0 मोहन सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यान) प्रसार शिक्षा निदेशालय	7500241451
18.10.2019			
9.30–11.00	पर्वतीय क्षेत्रों हेतु सब्जियों की उन्नत प्रजातियां एवं वैज्ञानिक खेती	डा0 विजय बिहारी सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9997284608
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	रबी फसलों में कृषि आगतो का दक्षतापूर्ण प्रबन्धन	डा0 एस0के0 श्रीवास्तव, प्राध्यापक कृषि अर्थशास्त्र विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411393099
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	पर्वतीय क्षेत्रों हेतु रबी फसलों की उन्नत प्रजातियां एवं वैज्ञानिक खेती	ड0 आर0के0 शर्मा, प्राध्यापक(सस्य विज्ञान)	9412995904
16.30–17.30	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	संयुक्त निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	सुश्री तृप्ति पाण्डे	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकासखण्ड–रामगढ़, जनपद–नैनीताल	7302011135
2.	श्री पान सिंह अधिकारी	कृषक	ग्राम–धारीरौ, जनपद–अल्मोड़ा	9012194910
3.	श्री रतन सिंह बिष्ट	कृषक	ग्राम–गैलाकोट, जनपद–अल्मोड़ा	9639713728
4.	श्री अजय सिंह	कृषक	ग्राम–चनकपुर भूडपुरी, विकासखण्ड–बाजपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9012186799
5.	श्री मोहन सिंह	कृषक	ग्राम–चनकपुर, विकासखण्ड–बाजपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	7900502676
6.	श्री रोहित सिंह	कृषक	ग्राम–चनकपुर, विकासखण्ड–बाजपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	7900912357
7.	श्री संदीप कुमार	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकासखण्ड–लमगड़ा, जनपद–अल्मोड़ा	9837272762
8.	श्री किशोर कुमार मण्डल	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकासखण्ड–हल्द्वानी, जनपद–नैनीताल	8006605999
9.	श्री रविन्द्र कुशवाहा	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकासखण्ड–कोटाबाग, जनपद–नैनीताल	9455728584

5.13 गन्ना उत्पादन की उन्नत तकनीकी

'गन्ना उत्पादन की उन्नत तकनीकी' विषयक प्रशिक्षण अक्टूबर 22–24, 2019 को आयोजित किया गया जिसमें मैदानी जनपदों के गन्ना पर्यवेक्षक/गन्ना विकास निरीक्षक, विकासखण्ड स्तरीय तकनीकी दल(बी0टी0टी0) के सदस्य, बी0टी0एम0 एवं गन्ना उत्पादक कृषक प्रतिभाग किये। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत गन्ना की खेती हेतु मृदा की तैयारी, बीज का चयन, उपचार एवं बुवाई की उपयुक्त विधियाँ, गन्ना में मृदा परीक्षण एवं समन्वित उर्वरक प्रबन्धन, गन्ना में मृदा परीक्षण एवं समन्वित उर्वरक प्रबन्धन, गन्ना की शरदकालीन एवं बसंतकालीन उन्नत प्रजातियों के प्रयोग से अधिकतम उपज लेने की तकनीक, गन्ना के साथ अन्तः फसली खेती कर शुद्ध लाभ में वृद्धि करें, गन्ना में सिंचाई एवं जल निकास प्रबन्धन, गन्ना के प्रमुख कीट एवं प्रबन्धन, गन्ना के प्रमुख रोग एवं प्रबन्धन, गन्ना के प्रमुख खरपतवार एवं प्रबन्धन, गन्ना की कटाई उपरान्त संसाधन एवं मूल्यवर्द्धन, गन्ना की खेती में उन्नत कृषि यंत्रों का प्रयोग इत्यादि विषयों पर व्याख्यान दिया गया तथा गन्ना प्रक्षेत्र पर विभिन्न प्रजातियों का प्रदर्शन/भ्रमण एव विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गया

गन्ने की वैज्ञानिक खेती

दिनॉक/समय	विवरण	वार्ताकार/वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
22.10.2019			
9.30–10.30	पंजीकरण	डा0 दिव्या यादव, डा0 भावना बंगारी, श्रीमती सुषमा सिंह वरिष्ठशोध अध्येतागण–समेटी	
10.30–11.30	उद्घाटन सम्बोधन एवं कृषकों के उत्थान में समेटी की भूमिका	का. निदेशक, समेटी–उत्तराखण्ड	
11.30–11.45	**चाय**		
11.45–13.00	गन्ना की खेती हेतु मृदा की तैयारी, बीज का चयन, उपचार एवं बुवाई की उपयुक्त विधियाँ	डा0 के0एस0 शेखर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411160050
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	गन्ना में मृदा परीक्षण एवं समन्वित उर्वरक प्रबन्धन	डा0 बी0एस0 कार्की, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान) प्रसार शिक्षा निदेशालय	7579174120
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	गन्ना की शरदकालीन एवं बसंतकालीन उन्नत प्रजातियों के प्रयोग से अधिकतम उपज लेने की तकनीक	डा0 ए0एस0 जीना, प्राध्यापक पादप प्रजनन विभाग, कृषि महाविद्यालय	7500241511
23.10.2019			
9.15–10.30	गन्ना के साथ अन्तः फसली खेती कर शुद्ध लाभ में वृद्धि करें	डा0 तेज प्रताप सिंह, वरिष्ठ शोध अधिकारी सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411184948
10.30–11.45	गन्ना में सिंचाई एवं जल निकास प्रबन्धन	डा0 सुभाष चन्द्रा, प्रधान वैज्ञानिक सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9458962174
11.45–12.00	**चाय**		

दिनॉक / समय	विवरण	वार्ताकार / वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
12.00–13.00	गन्ना के प्रमुख कीट एवं प्रबन्धन	डा0 एस0एन0 तिवारी, प्राध्यापक कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	7500241418
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–15.30	गन्ना प्रक्षेत्र पर विभिन्न प्रजातियों का प्रदर्शन / भ्रमण	डा0 कौसर अली खान पादप प्रजनन विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411562689
15.30–17.30	विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण	डा0 विजय बिहारी सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यान) प्रसार शिक्षा निदेशालय	9997284608
24.10.2019			
9.15–10.30	गन्ना के प्रमुख रोग एवं प्रबन्धन	डा0 गीता शर्मा, सह प्राध्यापक पादप रोग विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9410111625
10.30–11.45	गन्ना के प्रमुख खरपतवार एवं प्रबन्धन	डा0 वी0पी0 सिंह, प्राध्यापक सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411159669
11.45–12.00	**चाय**		
12.00–13.00	गन्ना की कटाई उपरान्त संसाधन एवं मूल्यवर्द्धन	डा0 पी0के0 ओमरे, प्राध्यापक पोस्ट हार्वेस्ट टैक्नोलॉजी एवं प्रोसेसिंग इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	9412951150
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–15.30	गन्ना की खेती में उन्नत कृषि यंत्रों का प्रयोग	डा0 आर0एन0 पटेरिया, प्राध्यापक फार्म मशीनरी एवं शक्ति अभियांत्रिकी विभाग, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	7500241523
15.30–17.00	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	का. निदेशक, समेटी–उत्तराखण्ड	

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री पवन कुमार शर्मा	गन्ना पर्यवेक्षक	गन्ना विकास विभाग–गदरपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9012576000
2.	श्री विनोद कुमार गुम्बर	कृषक	ग्राम–श्यामनगर, विकास खण्ड–गदरपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9837145545
3.	श्री विजय पाल	कृषक	ग्राम–शेखवाला ग्रन्ट, विकास खण्ड–बहादराबाद, जनपद–हरिद्वार	9690772531
4.	श्री विजय पाल	कृषक	ग्राम–शेखवाला ग्रन्ट, विकास खण्ड–बहादराबाद, जनपद–हरिद्वार	9568589900
5.	श्री कल्लण सिंह	कृषक	ग्राम–बहीस्तीपुर, विकास खण्ड–रूड़की, जनपद–हरिद्वार	9727221521
6.	श्री चरण सिंह	कृषक	ग्राम–मानकमजरा, विकास खण्ड–भगवानपुर, जनपद–हरिद्वार	9627881461
7.	श्री अर्जुन सिंह	कृषक	ग्राम–पलूनी, विकास खण्ड–भगवानपुर, जनपद–हरिद्वार	9639441626
8.	श्री मान सिंह	कृषक	ग्राम–फतेहपुर, विकास खण्ड–गदरपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9927073826
9.	श्री रजत कुमार	कृषक	ग्राम–टिकौला कंला, विकास खण्ड–नारसन, जनपद–हरिद्वार	7617452454
10.	श्री लाला राम	गन्ना पर्यवेक्षक	गन्ना विकास परिषद–गदरपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9927736537
11.	श्री आदित्य कुमार	कृषक	ग्राम–भरतपुर, पो0–लिब्बहरेड़ी, जनपद–हरिद्वार	8077055757
12.	श्री प्रवेन्द्र वर्मा	कृषक	ग्राम–लखनौता, विकास खण्ड–नारसन, जनपद–हरिद्वार	9758981009
13.	श्री सचिन कुमार	कृषक	ग्राम–गोवर्धनपुर, विकास खण्ड–खानपुर, जनपद–हरिद्वार	6397104701
14.	श्री ओमवीर सैनी	कृषक	ग्राम–पौडोवाली, विकास खण्ड–खानपुर, जनपद–हरिद्वार	9927764812
15.	श्री मोनू कुमार	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	कृशि विभाग, विकास खण्ड–बहादराबाद, जनपद–हरिद्वार	9758535812
16.	श्री गोपाल दत्त	गन्ना पर्यवेक्षक	गन्ना विकास परिषद–नादेही, जनपद–ऊधमसिंहनगर	–

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
17.	श्री जगतवीर सिंह	गन्ना पर्यवेक्षक	गन्ना विकास परिशद–काशीपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9675443994
18.	श्री ऋषि पाल सिंह	गन्ना पर्यवेक्षक	गन्ना विकास परिषद–बाजपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9927220789
19.	श्री धर्म सिंह	कृषक	ग्राम–ब्रहमनगर, विकास खण्ड–काशीपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9012143900
20.	श्री गुरमीत सिंह	कृषक	ग्राम–मुकन्दपुर, विकास खण्ड–काशीपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	8057460996
21.	श्री सुरेश कुमार	कृषक	ग्राम–लखनपुर, विकास खण्ड–बाजपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	7500729195
22.	श्री रोहित	कृषक	ग्राम–विक्रमपुर, विकास खण्ड–बाजपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9050289962
23.	श्री राजेन्द्र सिंह	कृषक	ग्राम–शान्तिपुरी नं.–03, जनपद–ऊधमसिंहनगर	7409085262
24.	श्री शंकर सिंह	कृषक	ग्राम–शान्तिपुरी नं.–03, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9536488510
25.	श्री पूरन सिंह	राजकीय पर्यवेक्षक	गन्ना विकास विभाग–खटीमा, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9837536498
26.	श्री सरदूल सिंह	राजकीय पर्यवेक्षक	गन्ना विकास विभाग, ग्राम–हसनपुर, किच्छा, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9411792705
27.	श्रीमती रीना नौलिया	प्रचार प्रसार अधिकारी	गन्ना विकास विभाग–किच्छा, जनपद–ऊधमसिंहनगर	6398200353
28.	श्री संजय शर्मा	गन्ना पर्यवेक्षक	गन्ना विकास परिषद–काशीपुर,जनपद–ऊधमसिंहनगर	8474949116
29.	श्री ताजबर सिंह	सहायक विकास अधिकारी	उद्यान विभाग, पौड़ी गढ़वाल	9248561415

5.14 औषधीय एवं सगन्ध पौध उत्पादन की तकनीकी तथा मूल्य संवर्धन

विकास खण्ड स्तरीय तकनीकी दल के सदस्यों हेतु 'औषधीय एवं सगन्ध पौध उत्पादन की तकनीकी तथा मूल्य संवर्धन' विषयक प्रशिक्षण नवम्बर 06–09, 2019 को आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड ने अपने सम्बोधन में कहा कि उत्तराखण्ड राज्य जड़ी–बूटी एवं औषधीय पादपों का भण्डार है जिसके समुचित दोहन हेतु शोध, विकास एवं प्रसार के क्षेत्र में काफी सम्भावनाएं हैं। इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत आय व्यय के आधार पर औषधीय पौधों की खेती, प्रमुख औषधीय एवं सगन्ध पादपों की औषधीय उपयोगिता, उत्तराखण्ड की जलवायु अनुकूल प्रमुख औषधीय पौधों की खेती, औषधीय एवं सगन्ध पौधों पर आधारित उद्योग, औषधीय एवं सगन्ध पादपों हेतु महत्वपूर्ण फसल चक्र एवं अन्तः फसली खेती, औषधीय एवं सगन्ध पौधों के प्रमुख कीट एवं उनका नियंत्रण, औषधीय एवं सगन्ध पौधों की मुख्य बीमारियां एवं निवारण, सगन्ध पौधों की व्यावसायिक खेती एवं विपणन, टिकाऊ खेती हेतु कृषि विविधिकरण, औषधीय एवं सगन्ध पौधों की कटाई उपरान्त प्रबन्धन एवं मूल्य संवर्धन इत्यादि विषयों पर विश्वविद्यालय के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिये गये। प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के औषधीय एवं सगन्ध पादप केन्द्र पर भ्रमण कराकर औषधीय एवं सगन्ध पौधों की खेती का अवलोकन, औषधीय एवं सगन्ध पौधों की प्रक्षेत्र पर पहचान एवं तकनीकी विचार विमर्श कराया गया। सगन्ध पौधों से आसवन विधि द्वारा तेल उत्पादन की प्रयोगात्मक विधि की जानकारी भी दी गई। इनका अन्य शोध केन्द्रों पर भी भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गया :

औषधीय गुणों से भरपूर कालमेघ

कैमोमाइल की लहलहाती फसल

दिनॉक / समय	विवरण	वार्ताकार / वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
06.11.2019			
9.30–10.00	पंजीकरण	डा0 दिव्या यादव, डा0 भावना बंगारी, श्रीमती सुषमा सिंह, वरिष्ठ शोध अध्येतागण–समेटी	
10.00–10.45	औषधीय एवं सगन्ध पादपों का महत्व एवं उद्घाटन सम्बोधन	का. निदेशक, समेटी–उत्तराखण्ड	
10.45–11.45	समेटी उत्तराखण्ड : संक्षिप्त परिचय एवं पर्वतीय क्षेत्र के कृषकों हेतु प्रमुख स्वरोजगारपरक कृषि कार्यक्रम	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
11.45–12.00	**चाय**		
12.00–13.00	आय व्यय के आधार पर औषधीय पौधों की खेती	डा0 अजीत कुमार, सहायक प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412451262
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	प्रमुख औषधीय एवं सगन्ध पादपों की औषधीय उपयोगिता	डा0 एम0एस0 नेगी, संयुक्त निदेशक औषधीय पौध अनुसंधान एवं विकास केन्द्र / सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412370194
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	उत्तराखण्ड की जलवायु अनूकूल प्रमुख औषधीय पौधों की खेती	डा0 सुनीता टी0 पाण्डेय, प्राध्यापक सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412120735
07.11.2019			
9.30–11.00	औषधीय एवं सगन्ध पौधों पर आधारित उद्योग	डा0 सुनीता टी0 पाण्डेय, प्राध्यापक सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412120735
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	औषधीय एवं सगन्ध पादपों हेतु महत्वपूर्ण फसलचक्र एवं अन्तः सस्यन	डा0 क्रान्ति कुमार, सहायक प्राध्यापक सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	8449028781
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	औषधीय एवं सगन्ध पौधों के प्रमुख कीट एवं उनका नियंत्रण	डा0 मीना अग्निहोत्री, एस0आर0ओ0 कीट विज्ञान विभाग	9415150733
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	औषधीय एवं सगन्ध पौधों की मुख्य बीमारियां एवं निवारण	डा0 एल0बी0 यादव, प्राध्यापक पादप रोग विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9456345392
08.11.2019			
9.30–11.00	औषधीय एवं सगन्ध पौधों की प्रक्षेत्र पर पहचान एवं तकनीकी विचार विमर्श **(प्रशिक्षण स्थल–औषधीय पौध अनुसंधान एवं विकास केन्द्र)**	डा0 एम0एस0 नेगी, संयुक्त निदेशक औषधीय पौध अनुसंधान एवं विकास केन्द्र / सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412370194
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	सगन्ध पौधों से आसवन विधि द्वारा तेल उत्पादन की प्रयोगात्मक विधि **(प्रशिक्षण स्थल–औषधीय पौध अनुसंधान एवं विकास केन्द्र)**	डा0 एम0एस0 नेगी, संयुक्त निदेशक औषधीय पौध अनुसंधान एवं विकास केन्द्र / सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412370194
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–17.30	औषधीय एवं सगन्ध पादप हेतु नर्सरी प्रबन्धन **(प्रशिक्षण स्थल–औषधीय पौध अनुसंधान एवं विकास केन्द्र)**	डा0 अजीत कुमार, सहायक प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412451262
09.11.2019			
9.30–11.15	सगन्ध पौधों की व्यावसायिक खेती एवं विपणन	डा0 अजीत कुमार, सहायक प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412451262
11.15–11.30	**चाय**		
11.30–13.00	टिकाऊ खेती हेतु कृषि विविधिकरण	डा0 पी0एन0 सिंह, प्राध्यापक (उद्यान)	9412352008
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.30	औषधीय एवं सगन्ध पौधों की कटाई उपरान्त प्रबन्धन एवं मूल्य संवर्धन	डा0 एम0एस0 नेगी, संयुक्त निदेशक औषधीय पौध अनुसधान एवं विकास केन्द्र / सस्य विज्ञान विभाग,कृषि महाविद्यालय	9412370194
16.30–17.30	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	का. निदेशक, समेटी–उत्तराखण्ड	–

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री आशीष प्रकाश	सहायक कृषि अधिकारी	विकास खण्ड–विण, जनपद–पिथौरागढ़	9997358544
2.	श्री संतोश कुमार गर्जोला	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–बेरीनाग, जनपद–पिथौरागढ़	8650061729
3.	श्री समरेन्द्र नाथ राय	उप परियोजना निदेशक	विकास भवन, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9837931546
4.	श्री सपन मण्डल	कृषक	विकास खण्ड–सितारगंज, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9837931546
5.	श्री सुशील कुमार सैनी	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–विण, जनपद–पिथौरागढ़	9917154647
6.	श्री गोपाल वैद्य	कृषक	विकास खण्ड–सितारगंज, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9012928127
7.	श्री समीर दास	कृषक	विकास खण्ड–सितारगंज, जनपद–ऊधमसिंहनगर	7906218002
8.	श्री अमित सिंह राणा	सहायक कृषि अधिकारी	विकास खण्ड–विण, जनपद–पिथौरागढ़	7417917529
9.	श्री रविन्द्र	कृषक	ग्राम–बैकुंठपुर, शक्तिफार्म, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9917109588
10.	श्री दीपक दास	कृषक	शक्तिफार्म, जनपद–ऊधमसिंहनगर	–

5.15 शीतजल मत्स्य पालन तकनीकी

कृषकों के आर्थिकी बढ़ोत्तरी में मत्स्य पालन का बहुत बड़ा हाथ है। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा इस उद्यम के प्रोत्साहन स्वरूप काफी अनुदान भी दिया जाता है। अतः इस महत्वपूर्ण घटक हेतु प्रगतिशील मत्स्य पालक, विभागीय अधिकारी एवं एफ0एफ0डी0ए0 के सदस्य के लिये 'शीतजल मत्स्य पालन तकनीकी' विषयक प्रशिक्षण नवम्बर 13–16, 2019 को आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत शीतजलीय मत्स्य पालनः स्थिति एवं आवश्यकताएं, शीतजलीय मछलियाँ तथा पालने योग्य मत्स्य प्रजातियाँ, एक्वेरियम निर्माण एवं रंगीन मछली पालन, मछलियों के मूल्यवर्धित उत्पाद बनाना, शीतजल में मछली पकड़ने हेतु जाल आदि की प्रयोग विधियाँ, शीतजल में अनावश्यक जीव जन्तुओं का नियंत्रण, मत्स्य पालन हेतु जल संग्रहण एवं तालाब बनाना, शीतजल में समन्वित मत्स्य पालन, मूल्यवर्धन–आय वृद्धि का सुलभ साधन, शीतजल मछलियों के प्रमुख रोग, रोकथाम एवं उपचार, सुनहरी महाशीर का प्रजनन एवं हैचरी प्रबन्धन, शीतजल मत्स्य पालन में आहार प्रबन्धन इत्यादि विषयों पर विश्वविद्यालय के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिये गये। प्रशिक्षणार्थियों को शैक्षणिक मत्स्य फार्म एवं हैचरी का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गयाः

मत्स्य पालन

दिनॉक/समय	विवरण	वार्ताकार/वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
13.11.2019			
9.30–10.00	पंजीकरण	डा0 दिव्या यादव, डा0 भावना बंगारी, श्रीमती सुषमा सिंह, वरिष्ठ शोध अध्येतागण–समेटी	
10.00–11.15	उद्घाटन सम्बोधन एवं कृषक आय बढ़ोत्तरी हेतु प्रमुख घटक	का. निदेशक, समेटी–उत्तराखण्ड	–
11.15–11.30	**चाय**		
11.30–13.00	समेटी उत्तराखण्ड : संक्षिप्त परिचय एवं पर्वतीय क्षेत्र के कृषकों हेतु प्रमुख स्वरोजगारपरक कृषि कार्यक्रम	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	शीतजलीय मत्स्य पालनः स्थिति एवं आवश्यकताएं	डा0 आई0जे0 सिंह, अधिष्ठाता मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय	7500241411
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	शीतजलीय मछलियां तथा पालने योग्य मत्स्य प्रजातियाँ	डा0 आर0एन0 राम, प्राध्यापक मात्स्यिकी सम्पदा प्रबन्धन विभाग	9457256393 7017676975

दिनॉक/समय	विवरण	वार्ताकार/वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
14.11.2019			
9.30–11.00	एक्वेरियम निर्माण एवं रंगीन मछली पालन	डा0 अमिता सक्सेना, प्राध्यापक मात्स्यिकी सम्पदा प्रबन्धन विभाग	9837423204
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	मछलियों के मूल्यवर्धित उत्पाद बनाना	डा0 ए0के0 उपाध्याय, प्राध्यापक मत्स्य प्रग्रहण एवं परिसंस्करण विभाग मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय	9411159990
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–15.30	शीतजल में मछली पकड़ने हेतु जाल आदि की प्रयोग विधियाँ	डा0 विपुल गुप्ता, सह प्राध्यापक मत्स्य प्रग्रहण एवं परिसंस्करण विभाग	7500241558
15.30–17.30	शीतजल में अनावश्यक जीव जन्तुओं का नियंत्रण	डा0 अनूप कुमार, सह प्राध्यापक मत्स्य प्रग्रहण एवं परिसंस्करण विभाग	9411122943
15.11.2019			
9.30–11.00	मत्स्य पालन हेतु जल संग्रहण एवं तालाब बनाना	डा0 हेमा तिवारी, प्राध्यापक जलीय पर्यावरण प्रबन्धन विभाग, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय	9897526343
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	शीतजल में समन्वित मत्स्य पालन	डा0 आर0एस0 चौहान, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, जल जीव पालन विभाग	9411159955
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–15.30	शैक्षणिक मत्स्य फार्म एवं हैचरी का भ्रमण	डा0 आकांक्षा खाती, सहा0 प्राध्यापक जल जीव पालन विभाग, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय	8650602200
15.30–17.30	मूल्यवर्धन– आय वृद्धि का सुलभ साधन	डा0 अनुराधा दत्ता, प्राध्यापक खाद्य एवं पोषण विभाग गृह विज्ञान महाविद्यालय	9759731044
16.11.2019			
9.30–11.00	शीतजल मछलियों के प्रमुख रोग, रोकथाम एवं उपचार	डा0 अवधेश कुमार, प्राध्यापक जल जीव पालन विभाग मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय	9411160102
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	सुनहरी महाशीर का प्रजनन एवं हैचरी प्रबन्धन	डा0 आशुतोष मिश्रा, सहायक प्राध्यापक जलीय पर्यावरण प्रबन्धन विभाग मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय	9410120651
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.30	शीतजल मत्स्य पालन में आहार प्रबन्धन	डा0 मालविका दास त्रकरू, प्राध्यापक जलीय पर्यावरण प्रबन्धन विभाग मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय	9411784020
16.30–17.30	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	का. निदेशक, समेटी–उत्तराखण्ड	–

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री मिलन डिमरी	कृषक	ग्राम–डिम्मर, पो0–कर्णप्रयाग, जनपद–चमोली	7060679079
2.	श्री राज कुमार	कृषक	ग्राम–शास्त्रीनगर, ज्वालापुर, जनपद–हरिद्वार	8218202636
3.	श्री ब्रजपाल	कृषक	ग्राम–अलीपुर, पो0–बहादराबाद, जनपद–हरिद्वार	6395089250
4.	श्री बीरेन्द्र मोहन चन्द	मत्स्य निरीक्षक	कार्यालय जनपद मत्स्य प्रभारी–बागेश्वर, जनपद–बागेश्वर	7055322431
5.	श्री दिगम्बर सिंह	कृषक	ग्राम एवं पो0–पय्याँ, विकास खण्ड–गरूड़, जनपद–बागेश्वर	9410119083
6.	श्री केदार राम	कृषक	ग्राम–चचई, विकास खण्ड–कपकोट, जनपद–बागेश्वर	8445045988
7.	श्री मदन राम	कृषक	ग्राम–चचई, विकास खण्ड–कपकोट, जनपद–बागेश्वर	9756072012
8.	श्री श्रवण कुमार	कृषक	ग्राम–दरगाहपुर, विकास खण्ड–लक्सर, जनपद–हरिद्वार	9411511961
9.	श्री होशियार लाल	कृषक	ग्राम–बैड़ाओड़, पो0–ईजड़ा, जनपद–चम्पावत	8476089535
10.	श्री मनोज कुमार	कृषक	ग्राम–तड़ीगांव, पो0–गल्लागांव, जनपद–चम्पावत	8194078032
11.	श्री शंकर राम	कृषक	ग्राम–तड़ीगांव, पो0–गल्लागांव, जनपद–चम्पावत	8194078032
12.	श्री आशीष कुमार	कृषक	ग्राम–अकौढ़ाखुर्द, विकास खण्ड–लक्सर, जनपद–हरिद्वार	7251840630
13.	श्री सचिन सिंह ऐठानी	कृषक	ग्राम–ऐठाण, विकास खण्ड–कपकोट, जनपद–बागेश्वर	8394942332
14.	श्री नरेन्द्र सिंह	कृषक	ग्राम–लेटी, जनपद–बागेश्वर	8979695702
15.	श्री हरीष चन्द्र जोशी	कृषक	ग्राम–रंगदेव, पो0–होराली, जनपद–बागेश्वर	9410168658
16.	श्री यशपाल	कृषक	ग्राम–शेरपुर खेलमऊ, विकास खण्ड–नारसन, जनपद–हरिद्वार	9027433026
17.	श्री नन्द किशोर	कृषक	ग्राम–शेरपुर खेलमऊ, विकास खण्ड–नारसन, जनपद–हरिद्वार	9675285969
18.	श्री अनूप सिंह	कृषक	ग्राम–शेरपुर खेलमऊ, विकास खण्ड–नारसन, जनपद–हरिद्वार	8006295515
19.	श्री हर्ष सिंह	कृषक	ग्राम–सुनकिया, पो0–भटेलिया, विकास खण्ड–धारी, जनपद–नैनीताल	7417369500
20.	श्री विनोद कुमार	कृषक	ग्राम–कुड़ी नेतवाल, विकास खण्ड–लक्सर, जनपद–हरिद्वार	9557227295
21.	श्री सचिन कुमार	कृषक	ग्राम–गगनौली, विकास खण्ड–लक्सर, जनपद–हरिद्वार	9837942596
22.	श्री पवन कुमार	कृषक	ग्राम–गगनौली, विकास खण्ड–लक्सर, जनपद–हरिद्वार	9917545276
23.	श्री सुशील	कृषक	ग्राम–कुड़ी नेतवाल, विकास खण्ड–लक्सर, जनपद–हरिद्वार	9837379148
24.	श्रीमती रश्मि रावत	ज्येष्ठ मत्स्य निरीक्षक	विकास खण्ड–भीमताल, जनपद–नैनीताल	7579245753
25.	श्री हरीश सजवान	मत्स्य पालक	ग्राम–डोलमार, दो गांव, जनपद–नैनीताल	8449565954
26.	श्री हेम चन्द्र	मत्स्य पालक	ग्राम–ढुंगसिल, विकास खण्ड–भीमताल, जनपद–नैनीताल	9917615442
27.	श्री नन्दन राम	मत्स्य पालक	ग्राम–पाण्डेगांव, विकास खण्ड–भीमताल, जनपद–नैनीताल	9917615442
28.	श्री गिरीश चन्द्र उपाध्याय	मत्स्य पालक	ग्राम–रामड़ी जसुवा, पो0–फतेहपुर, विकास खण्ड–हल्द्वानी, जनपद–नैनीताल	7017823123
29.	श्री कुंवर सिंह बगड़वाल	मत्स्य निरीक्षक	विकास खण्ड–भीमताल, जनपद–नैनीताल	9997774797
30.	श्री गोपाल कृष्ण भट्ट	कृषक	ग्राम–तल्ला ढुंगसिल, विकास खण्ड–भीमताल, जनपद–नैनीताल	7906369945
31.	श्री रोहित सिंह	कृषक	ग्राम–ओखलकांडा सुरई, विकास खण्ड–भीमताल, जनपद–नैनीताल	9639252843
32.	श्री गोपाल बिष्ट	कृषक	विकास खण्ड–धारी, जनपद–नैनीताल	9917000929
33.	श्री दीपक आर्या	कृषक	ग्राम एवं पो0–पल्यूँ, जनपद–अल्मोड़ा	9690191291
34.	श्री जितेन्द्र सिंह	कृषक	ग्राम–ललितपुर, पो0–हेमपुर, विकास खण्ड–रामनगर, जनपद–नैनीताल	9690288735
35.	श्री दिनेश कुमार	कृषक	ग्राम–नुरपुर पंजनहेड़ी, जनपद–हरिद्वार	8630860008
36.	श्री धीरज पंत	कृषक	ग्राम–तौराड़, पो0–भतरौजखान, जनपद–नैनीताल	9997884525
37.	श्री मनमोहन सिंह	कृषक	ग्राम–कटना, पो0–बेड़चूला, विकास खण्ड–ओखलकांडा, जनपद–नैनीताल	–

5.16 मृदा एवं जल संरक्षण तकनीक

प्रगतिशील मत्स्य पालक एवं एफ0एफ0डी0ए0 के सदस्य हेतु 'मृदा एवं जल संरक्षण तकनीक' विषयक प्रशिक्षण नवम्बर 19–21, 2019 को आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में कार्यवाहक निदेशक प्रसार शिक्षा डा0 अनुराधा दत्ता ने मिट्टी एवं जल स्रोत्रों के महत्व के बारे में प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्ष दर वर्ष खेती योग्य भूमि कम होती जा रही है। पैदावार बनाये रखने अथवा बढ़ाने हेतु मृदा स्वास्थ्य तथा नमी संरक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत भूमि संरक्षण के कारण, भूमि संरक्षण की आवश्यकता एवं उपाय, पर्वतीय क्षेत्रों में भूमि एवं जल संरक्षण हेतु ग्रीन हाउस की उपयोगिता एवं महत्व, जल संरक्षण की विभिन्न विधियाँ, वर्षा जल संग्रहण एवं उपयोग, जल भराव एवं बाढ़ समस्या और कृषि में जल निकास का महत्व एवं विधियाँ, अपष्शिट जल का कृषि में प्रबन्धन, सीढ़ीदार खेतों की उचित बनावट एवं रखरखाव, प्रमुख स्वरोजगारपरक कृषि कार्यक्रम, औद्यानिकी फसलें–आय सृजन के सुलभ साधन इत्यादि विषयों पर विश्वविद्यालय के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिये गये। प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के सब्जी शोध केन्द्र पर चल रहे जल संरक्षण परीक्षण, अन्य विकसित तकनीक एवं अन्य शोध केन्द्रों का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गया:

पॉली मल्च तकनीक से नमी संरक्षण

बूंद–बूंद (ड्रिप) सिंचाई तकनीक

दिनॉक/समय	विवरण	वार्ताकार/वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
19.11.2019			
9.30–9.45	पंजीकरण	डा0 दिव्या यादव, डा0 भावना बंगारी, श्रीमती सुषमा सिंह वरिष्ठ शोध अध्येतागण–समेटी	
9.45–10.00	उद्घाटन सम्बोधन	का. निदेशक, समेटी–उत्तराखण्ड	–
10.00–11.15	पर्वतीय क्षेत्रों में भूमि एवं जल संरक्षण की आवश्यकता एवं जल संरक्षण के उपाय	डा0 अनिल कुमार, प्राध्यापक मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी विभाग, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	9412121117
11.15–11.30	**चाय**		
11.30–13.00	भूमि संरक्षण के कारण, भूमि संरक्षण की आवश्यकता एवं उपाय	डा0 अखिलेश कुमार, प्राध्यापक मृदा एवं जल संरक्षण अभियंत्रण प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	7500241560
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	पर्वतीय क्षेत्रों में भूमि एवं जल संरक्षण हेतु ग्रीन हाउस की उपयोगिता एवं महत्व	डा0 पी0के0 सिंह, प्राध्यापक सिंचाई एवं जल निकास अभियांत्रिकी विभाग, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	9690012757
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	जल संरक्षण की विभिन्न विधियाँ	डा0 पी0वी0 सिंह, सहायक प्राध्यापक मृदा एवं जल संरक्षण अभियंत्रण प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	8279877232
20.11.2019			
9.30–10.45	वर्षा जल संग्रहण एवं उपयोग	डा0 पी0वी0 सिंह, कनिष्ठ शोध अधिकारी, मृदा एवं जल संरक्षण अभियंत्रण, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	8279877232
10.45–11.00	**चाय**		
11.00–12.00	जल भराव एवं बाढ़ समस्या और कृषि में जल निकास का महत्व एवं विधियाँ	डा0 दीपक कुमार, सहायक प्राध्यापक मृदा एवं जल संरक्षण अभियंत्रण प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	7900450774

दिनॉक / समय	विवरण	वार्ताकार / वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
12.00–13.00	अपशिष्ट जल का कृषि में प्रबन्धन	डा0 पंकज कुमार, सहायक प्राध्यापक मृदा एवं जल संरक्षण अभियंत्रण प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	8449598237
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–17.30	विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण	डा0 विजय बिहारी सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यान) प्रसार शिक्षा निदेशालय	9997284608
21.11.2019			
9.30–11.00	सीढ़ीदार खेतों की उचित बनावट एवं रखरखाव	डा0 अनिल कुमार, प्राध्यापक मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी विभाग, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	9412121117
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	प्रमुख स्वरोजगारपरक कृषि कार्यक्रम	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–15.30	औद्यानिकी फसलें– आय सृजन के सुलभ साधन	डा0 पी0एन0 सिंह, प्राध्यापक (उद्यान)	9412352008
15.30–16.30	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	का. निदेशक, समेटी–उत्तराखण्ड	–

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री यशवन्त सिंह बिष्ट	सहायक कृषि अधिकारी	न्याय पंचायत–नौला, विकास खण्ड–भिकियासैंण, जनपद–अल्मोड़ा	8954755831
2.	श्री सुरेश कोहली	ग्राम प्रधान	ग्राम–परेवा, पो0–चौड़ा मेहता, विकास खण्ड–पाटी, जनपद–चम्पावत	9756413655
3.	श्री हरीश चन्द्र सिंह	कृषक	ग्राम–परेवा, पो0–चौड़ा मेहता, विकास खण्ड–पाटी, जनपद–चम्पावत	7535838252
4.	श्री भीम सिंह	कृषक	ग्राम–पोखरी, पो0–धूनाघाट, विकास खण्ड–पाटी, जनपद–चम्पावत	9456108289
5.	श्री सुन्दर सिंह	कृषक	विकास खण्ड–पाटी, जनपद–चम्पावत	9756435697
6.	श्री शेर सिंह	कृषक	ग्राम–चकोन पट्टी धनारी, विकास खण्ड–डुण्डा, जनपद–उत्तरकाषी	9536745583
7.	श्री उत्तम सिंह	कृषक	ग्राम–मजकोट पट्टी धनारी, विकास खण्ड–डुण्डा, जनपद–उत्तरकाषी	7895715726
8.	श्री लखीराम	सहायक कृषि अधिकारी	न्याय पंचायत–पड़सोली बिरखेत, विकास खण्ड–नैनीडांडा, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	8650377388
9.	श्री प्रेम सिंह	कृषक	ग्राम–चेताधार, पो0–पड़सोली, विकास खण्ड–नैनीडांडा, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	8191826244
10.	श्री संजीव कुमार	सहायक कृषि अधिकारी	न्याय पंचायत–कमेड़ा / किनाथ, विकास खण्ड–नैनीडांडा, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9634177179
11.	श्री भोपाल राम	कृषक	ग्राम–हिमपासी, विकास खण्ड–नैनीडांडा, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9720042182
12.	श्री गोपाल सिंह	कृषक	ग्राम–परेवा, पो0–चौड़ा मेहता, विकास खण्ड–पाटी, जनपद–चम्पावत	8449011719
13.	श्री देवेन्द्र सिंह	कृषक	ग्राम–परेवा, पो0–चौड़ा मेहता, विकास खण्ड–पाटी, जनपद–चम्पावत	8449614449
14.	श्री विशाल सिंह	कृषक	ग्राम एवं पो0–टिकौला कलां, विकास खण्ड–नारसन, जनपद–हरिद्वार	8006200648
15.	श्री रजत कुमार	कृषक	ग्राम एवं पो0–टिकौला कलां, विकास खण्ड–नारसन, जनपद–हरिद्वार	7617452454
16.	श्री संजय सिंह	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	ग्राम–कुमराड़ा, विकास खण्ड–चिन्यालीसौंड़, जनपद–उत्तरकाषी	8006809427
17.	श्री राजकुमार	सहायक कृषि अधिकारी	न्याय पंचायत–गुनेड़ी / चुरानी, विकास खण्ड–रिखड़ीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9027007676
18.	श्री पूर्णराम	कृषक	ग्राम–कमलेख, जनपद–चम्पावत	–
19.	श्री सूर्य देव	कृषक	ग्राम–भोवावाली, पो0–रायसी, विकास खण्ड–खानपुर, जनपद–हरिद्वार	–

5.17 मधुमक्खी पालनःएक लाभकारी व्यवसाय

मधुमक्खी पालन कृषि का एक उभरता हुआ उद्यम है, जिसे कृषक निरन्तर आय सृजन का माध्यम बना सकते हैं। विषय की महत्ता को दृष्टिगत रखते हुए संस्थान ने मधुमक्खी पालक, प्रगतिशील कृषक, एफ.ए.सी. सदस्य, मधुमक्खी पालन निरीक्षक, उद्यान विभाग के कर्मी एवं एच.टी.एम. के प्रसार कमी हेतु 'मधुमक्खी पालनः एक लाभकारी व्यवसाय' विषयक प्रशिक्षण दिसम्बर 03–06, 2019 को आयोजित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर कार्यवाहक निदेशक प्रसार शिक्षा ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मधुमक्खी पालन काश्तकारों हेतु वरदान साबित हो सकता है। पर्वतीय क्षेत्रों में जहाँ बन्दर फसलों को क्षति पहुँचाते हैं वहां यह और भी सुलभ हो सकती है। चार दिवसीय इस प्रशिक्षण

मौनपालन की व्यवहारिक जानकारी प्राप्त प्रशिक्षणार्थी

मौनपालन हेतु बक्सों का उचित रखरखाव

में आधुनिक मौन पालन एवं भविष्य में विकास की संभावनाएं, मधुमक्खी का जीवन चक्र, आर्थिक विवेचना, परागण का महत्व, जैविक मौन पालन, मौनचर एवं मौनालय स्थानान्तरण, मौनपालन विविधिकरण, बीमारी एवं इनका प्रबन्धन, मौन वाटिका एवं रानी की ऋतुवार देखभाल, मधुमक्खी पालन के विभिन्न उत्पाद एवं उपयोग जैसे विषयों पर वार्ता का आयोजन किया गया। मधुमक्खी शोध केन्द्र पर व्यावसायिक मौन वाटिका प्रबन्धन एवं मौन पालन में प्रयुक्त होने वाले उपकरण एवं उपयोग जैसे विषयों की प्रायोगिक जानकारी दी गयी। प्रतिभागियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का भी वैज्ञानिकों ने जवाब दिया। प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गयाः

दिनॉक / समय	विवरण	वार्ताकार / वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
03.12.2019			
10.00–10.30	पंजीकरण	डा0 भावना बंगारी, श्रीमती सुषमा सिंह वरिष्ठ शोध अध्येतागण–समेटी	
10.30–11.15	उद्घाटन कार्यक्रम	का. निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	
11.15–11.30	**चाय**		
11.30–13.00	आधुनिक मौन पालन एवं भविष्य में विकास की सम्भावनाएं	डा0 प्रमोद मल्ल, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9456345516
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	मधुमक्खियों का जीवन चक्र	डा0 रेनू पाण्डे, सहायक प्राध्यापक कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	8954722026
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	मधुमक्खी पालन व्यावसाय की आर्थिक विवेचना	डा0 प्रमोद मल्ल, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9456345516
04.12.2019			
9.30–11.00	फसलों में परागण एवं उनका महत्व	डा0 एम0एस0 खान, प्राध्यापक कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	7500241513
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	जैविक मौन पालन प्रबन्धन	डा0 रूचिरा तिवारी, सह प्राध्यापक कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411006092
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		

दिनॉक /समय	विवरण	वार्ताकार/वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
14.30–15.45	मौनचर एवं मौनालय स्थानान्तरण	डा0 प्रमोद मल्ल, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9456345516
15.45–16.00	**चाय**		
16.00–17.30	मौन पालन विविधीकरण	डा0 रूचिरा तिवारी, सह प्राध्यापक कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411006092
05.12.2019			
9.30–11.00	मधुमक्खियों में लगने वाली प्रमुख बीमारियों एवं शत्रुओं का प्रबन्धन	डा0 जे0पी0 पुरवार, सह प्राध्यापक कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411324356
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	मौन वाटिका एवं रानी की ऋतुवार देखभाल	डा0 प्रमोद मल्ल, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9456345516
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	व्यावसायिक मौन वाटिका प्रबन्धन (प्रक्षेत्र पर)	डा0 पूनम श्रीवास्तव, सह प्राध्यापक कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411159448
16.00–17.30	मौन पालन में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न उपकरण एवं उनका उपयोग (प्रक्षेत्र पर)	डा0 दुर्गेश शुक्ला, वरिष्ठ शोध अध्येता कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9915691610
06.12.2019			
9.30–11.00	मधुमक्खी पालन के प्रमुख उत्पाद एवं उपयोग	डा0 जे0पी0 पुरवार, सह प्राध्यापक कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411324356
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	फलों एवं फसलों में मधुमक्खियों द्वारा परागण से उत्पादन एवं गुणवत्ता में वृद्धि	डा0 पूनम श्रीवास्तव, सह प्राध्यापक कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411159448
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–15.30	प्रमुख स्वरोजगारपरक कृषि कार्यक्रम	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
15.30–17.00	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	का. निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	–

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री विकास शाह	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–थराली, जनपद–चमोली	8120391550
2.	श्री आलम सिंह	कृषक	ग्राम–पीपलसारी बदलपुर, विकास खण्ड–रिखणीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	8057600778
3.	श्री शिव सिंह	कृषक	ग्राम–बामसू, विकास खण्ड–रिखणीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9756991058
4.	श्री बलवन्त सिंह	कृषक	ग्राम–बामसू, विकास खण्ड–रिखणीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	8449032385
5.	श्री जगमोहन सिंह	कृषक	ग्राम–बामसू, विकास खण्ड–रिखणीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9594760370
6.	श्री विनोद पाठक	कृषक	ग्राम–इन्द्रानगर–प्प, लालकुआँ, जनपद–नैनीताल	9897421736
7.	श्री सुषील जोशी	कृषक	ग्राम–कनखल, जनपद–हरिद्वार	9329056346
8.	श्री सुन्दर सिंह काकी	कृषक	ग्राम–षान्तिपुरी नं.–01, जनपद–ऊधमसिंहनगर	7055223585
9.	श्री कुंवर सिंह	कृषक	ग्राम–अजीमुल्ला भूड़ी (नमूना), विकास खण्ड–बाजपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9927807758
10.	श्री राम सिंह	कृषक	ग्राम–बेरिया दौलत, विकास खण्ड–बाजपुर,जनपद–ऊधमसिंहनगर	7409270205
11.	श्री कन्हई सिंह	कृषक	ग्राम–रम्पुरा हरसान, विकास खण्ड–बाजपुर,जनपद–ऊधमसिंहनगर	9917365099
12.	श्री गणेश सिंह	कृषक	ग्राम–बेरिया दौलत, विकास खण्ड–बाजपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	7351474381
13.	श्री मनोज कुमार	कृषक	ग्राम–नौसर, विकास खण्ड–खटीमा, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9149355275
14.	श्री अरविन्द प्रसाद	कृषक	ग्राम–नौसर, विकास खण्ड–खटीमा, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9536920713
15.	श्री किरन सिंह	कृषक	ग्राम–सत्तीचौड़ निम्बूचौड़ (कोटद्वार), जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9027863361
16.	श्री त्रिलोक सिंह	कृषक	ग्राम–जमरगड्डी आमसौंड़ (कोटद्वार), जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9027219614
17.	श्री बलवन्त सिंह	कृषक	ग्राम–जमरगड्डी, पो0–आमसौंड़, विकास खण्ड–दुगड्डा, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9012802493

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
18.	श्री शशि मोहन	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	ग्राम–भीमसिंहपुर, पो0–कलालबाड़ी, विकास खण्ड–दुगड्डा, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9927160913
19.	श्री ओम चन्द्र	कृषक	ग्राम एवं पो0–आमसौड़, विकास खण्ड–दुगड्डा, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9736209733
20.	श्री हरेन्द्र सिंह रावत	कृषक	ग्राम–जमरगडडी, पो0–आमसौड़, विकास खण्ड–दुगड्डा, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9536752203
21.	श्री महिपाल	कृषक	ग्राम–नौसर, विकास खण्ड–खटीमा, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9997887481
22.	श्रीकमल उनियाल	कृषक	ग्राम–ग्वीन छोटा, विकास खण्ड–द्वारीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9012589228
23.	श्री विनोद सिंह	कृषक	ग्राम एवं पो0–मथाणा, विकास खण्ड–दुगड्डा, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	6395869994
24.	श्री अशोक भट्ट	कृषक	ग्राम–मानपुर, विकास खण्ड–दुगड्डा, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9760220010
25.	श्री सतेन्द्र सिंह	कृषक	ग्राम–जुवा, विकास खण्ड–दुगड्डा, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9286840042
26.	श्री प्रताप सिंह	कृषक	ग्राम–षान्तिपुरी नं.–01, जनपद–ऊधमसिंहनगर	7830569872

5.18 रेशम पालनःआय एवं स्वरोजगार का साधन

रेशम पालक, प्रसार कर्मी, प्रगतिशील कृषक, निरीक्षक/कर्मचारी एवं आतमा के पदाधिकारियों हेतु 'रेशम पालनः आय एवं स्वरोजगार का साधन' विषयक प्रशिक्षण दिसम्बर 11–14, 2019 को आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में का. निदेशक प्रसार शिक्षा ने रेशम कीट पालन विशय के बारे में कहा कि हो सकता है यह उद्यम किसानों के लिए नया हो परन्तु उत्तर पूर्वी प्रदेशों में यह प्राचीन काल से होता आ रहा है। कृषक इसका बारीकी से प्रशिक्षण प्राप्त कर इसे व्यवसाय के रूप में अपना सकते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत रेशम व रेशम कीटों के प्रकार, पहचान व भारत में रेशम उद्योग के उत्थान के लिए राजकीय व्यवस्था, टसर रेशम कीट पालनः सम्भावनाए, ककूनो की प्रसंस्करण विधियाँ एवं रेशमी वस्त्रों के निर्माण द्वारा स्वरोजगार, रेशम कीट पालन के सह उत्पाद व उनकी उपयोगिता, शहतूत की पत्तियों द्वारा तैयार पोषक भोज्य पदार्थ– रोजगार का उत्तम साधन, भोज्य पौधों का प्रवर्धन, रोग/कीट नियंत्रण व पत्ती उत्पादन, विभिन्न प्रकार के रेशम कीटों के भोज्य पौधे व उनका रख–रखाव, रेशम कीटों के रोग, पहचान व उनका नियंत्रण, रेशम के प्रकार एवं उनके मूल्यवर्धन द्वारा स्वरोजगार, चौकी कीट पालन एवं उत्तरावस्था (शहतूती रेशम), रेशम उत्पादनः आय का उत्तम स्रोत, कोया उत्पादन, भण्डारण एवं विपणन व्यवस्था इत्यादि विषयों पर विश्वविद्यालय के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिये गये। प्रशिक्षणार्थियों को राजकीय रेशम विभाग प्रक्षेत्र, कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी क्षेत्र का भ्रमण कराया गया और विश्वविद्यालय के उद्यान अनुसंधान केन्द्र, पत्थरचट्टा एवं सब्जी अनुसंधान केन्द्र का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गयाः

दिनॉक/समय	विवरण	वार्ताकार/वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
11.12.2019			
10.00–10.30	पंजीकरण	डा0 भावना बंगारी, श्रीमती सुषमा सिंह वरिष्ठ शोध अध्येतागण–समेटी	
10.30–11.15	उद्घाटन कार्यक्रम	का. निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	
11.15–11.30	**चाय**		
11.30–13.00	रेशम व रेशम कीटों के प्रकार, पहचान व भारत में रेशम उद्योग के उत्थान के लिए राजकीय व्यवस्था	डा0 आर0पी0 श्रीवास्तव, प्राध्यापक कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9456140028
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	टसर रेशम कीट पालनः सम्भावनाएं	डा0 आर0पी0 श्रीवास्तव, प्राध्यापक कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9456140028
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	ककूनो की प्रसंस्करण विधियां एवं रेशमी वस्त्रों के निर्माण द्वारा स्वरोजगार	डा0 अल्का गोयल, प्राध्यापक/नेशनल फैलो, वस्त्र एवं परिधान विभाग, गृह विज्ञान महाविद्यालय	–
12.12.2019			
9.30–11.00	रेशम कीट पालन के सह उत्पाद व उनकी उपयोगिता	डा0 आर0पी0 श्रीवास्तव, प्राध्यापक कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9456140028
11.00–11.15	**चाय**		

दिनॉक / समय	विवरण	वार्ताकार / वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
11.15–13.00	शहतूत की पत्तियों के द्वारा तैयार पोषक भोज्य पदार्थ– रोजगार का उत्तम साधन	डा0 सरिता श्रीवास्तव, प्राध्यापक खाद्य एवं पोषण विभाग, गृह विज्ञान महाविद्यालय	9411320378
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	भोज्य पौधों का प्रवर्धन, रोग / कीट नियंत्रण व पत्ती उत्पादन	श्री हेम चन्द्र, सहायक निदेशक रेशम जनपद–ऊधमसिंहनगर	9536502840
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	विभिन्न प्रकार के रेशम कीटों के भोज्य पौधे व उनका रख–रखाव	श्री हेम चन्द्र, सहायक निदेशक रेशम जनपद–ऊधमसिंहनगर	9536502840
13.12.2019			
9.30–11.00	चौकी कीट पालन एवं उत्तरावस्था (शहतूती रेशम) **प्रशिक्षण स्थलः राजकीय रेशम उद्यान विभाग प्रक्षेत्र, हल्द्वानी**	डा0 अरविन्द ललोरिया, उपनिदेशक रेशम मण्डल, हल्द्वानी क्षेत्र	–
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	रेशम उत्पादनः आय का उत्तम स्रोत **प्रशिक्षण स्थलः राजकीय रेशम उद्यान विभाग प्रक्षेत्र, हल्द्वानी**	डा0 ए0के0 कान्त, वैज्ञानिक–डी केन्द्रीय रेशम उद्यान, हल्द्वानी **E-mail:** rechaldwani1@gmail.com	9897073874
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	कोया उत्पादन, भण्डारण एवं विपणन व्यवस्था **प्रशिक्षण स्थलः राजकीय रेशम उद्यान विभाग प्रक्षेत्र, हल्द्वानी**	डा0 ए0के0 कान्त, वैज्ञानिक–डी केन्द्रीय रेशम उद्यान, हल्द्वानी	9897073874
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	राजकीय रेशम उद्यान विभाग प्रक्षेत्र हल्द्वानी क्षेत्र का भ्रमण	डा0 अरविन्द ललोरिया, उपनिदेशक रेशम मण्डल, हल्द्वानी क्षेत्र	–
14.12.2019			
9.30–11.15	रेशम कीटों के रोग, पहचान व उनका नियंत्रण	डा0 आर0पी0 श्रीवास्तव, प्राध्यापक कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9456140028
11.15–11.30	**चाय**		
11.30–13.00	रेशमों के प्रकार एवं उनके मूल्यवर्धन द्वारा स्वरोजगार	डा0 अल्का गोयल, प्राध्यापक / नेशनल फैलो, वस्त्र एवं परिधान विभाग, गृह विज्ञान महाविद्यालय	–
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	कृषकों हेतु प्रमुख स्वरोजगारपरक कृषि कार्यक्रम	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक(सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
16.00–17.30	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	का. निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री सुरेन्द्र सिंह	कीटपालक	विकास खण्ड–डोईवाला, जनपद–देहरादून	9639699135
2.	श्री करन सिंह	कीटपालक	ग्राम–भगवानपुर, विकास खण्ड–सहसपुर, जनपद–देहरादून	8449699506
3.	श्री विनोद कुमार	कीटपालक	ग्राम एवं पो0–सेलाकुई, विकास खण्ड–सहसपुर, जनपद–देहरादून	9719274160
4.	श्री विनोद लाल	कीटपालक	ग्राम–कोंजपोथनी, विकास खण्ड–दषोली, जनपद–चमोली	8650956225
5.	श्री विजय कुमार	कीटपालक	ग्राम–सांकरी, विकास खण्ड–ऊखीमठ, जनपद–रूद्रप्रयाग	9411155525
6.	श्री आषीश असवाल	कीटपालक	ग्राम–मरगांव, विकास खण्ड–अगस्त्यमुनि, जनपद–रूद्रप्रयाग	9897572814
7.	श्री जितेन्द्र सिंह	कीटपालक	ग्राम–कोट (मदनपुर), विकास खण्ड–नारायणबगड़, जनपद–चमोली	9568694847
8.	श्री मनीश सती	प्रदर्शक (रेशम)	ग्राम–देवस्थान, पो0–नागनाथ पोखरी, जनपद–चमोली	9760848710
9.	श्री अभय कुमार	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–जयहरीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9410550883
10.	कु0 पुश्पा	कृषक	ग्राम–मठाली, विकास खण्ड–जयहरीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9412992459
11.	श्री गब्बर सिंह नेगी	कृषक	ग्राम–गुठेती, विकास खण्ड–रिखणीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9997353458
12.	श्री ध्यान सिंह नेगी	कृषक	ग्राम–गुठेती, विकास खण्ड–रिखणीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	6397649230
13.	श्री धीरेन्द्र सिंह	कृषक	ग्राम–गुठेती, विकास खण्ड–रिखणीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	7820039350
14.	श्री सोबन सिंह	कृषक	ग्राम–गुठेती, विकास खण्ड–रिखणीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	8057032426
15.	श्री मनोज सिंह	कृषक	ग्राम–गुठेती, विकास खण्ड–रिखणीखाल, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	6397570449

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
16.	श्री विवेक मियॉ	कीटपालक	ग्राम–डोईवाला, विकास खण्ड–डोईवाला, जनपद–देहरादून	9445610874
17.	श्री अजय कुमार	कीटपालक	ग्राम–डोईवाला, विकास खण्ड–डोईवाला, जनपद–देहरादून	3761643514
18.	श्री मनीश रावत	निरीक्षक (रेशम)	कार्यालय सहायक निदेषक रेशम–धारानौला, जनपद–अल्मोड़ा	9752552505
19.	श्री खीम लाल वर्मा	कृषक	ग्राम–पालपुर, विकास खण्ड–स्याल्दे, जनपद–अल्मोड़ा	7579455644
20.	श्री पंकज कुमार	कीटपालक	ग्राम एवं पो0–मुरादनगर, विकास खण्ड–बहादराबाद, जनपद–हरिद्वार	9759598861
21.	श्री मनीश तरफदार	कीटपालक	रेशम विकास विभाग, विकास खण्ड–जसपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	7895166103
22.	श्री महेन्द्र कुमार आर्य	निरीक्षक (रेशम)	रेशम विकास विभाग, विकास खण्ड–जसपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9639895875
23.	श्री नरेष कुमार	अनुसेवक	रेशम विकास विभाग, विकास खण्ड–काषीपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9837649129
24.	श्री ज्ञान सिंह	कीटपालक	रेशम विभाग–अल्मोड़ा, जनपद–अल्मोड़ा	9927053845
25.	श्री विनोद सिंह	रेशम साथी	रेशम विभाग–बाजपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9368442343
26.	श्री करन सिंह	रेशम साथी	रेशम विभाग–बाजपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	7817905817
27.	श्री विशाल सिंह	रेशम साथी	रेशम विभाग–बाजपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	8449509933
28.	श्री जीवन लाल	रेशम साथी	रेशम विभाग–कोटाबाग, जनपद–नैनीताल	9756373813
29.	श्री हरीश सिंह	रेशम साथी	रेशम विभाग–कोटाबाग, जनपद–नैनीताल	7088267027
30.	श्री कुन्दन सिंह	रेशम साथी	रेशम विभाग–कोटाबाग, जनपद–नैनीताल	4458964900
31.	श्री ललित मोहन नैनवाल	कृषक	ग्राम–बजैनिया हल्दू, विकास खण्ड–कोटाबाग, जनपद–नैनीताल	9927506767
32.	श्री निर्मल सिंह बिष्ट	कृषक	ग्राम–सेलसिया, विकास खण्ड–कोटाबाग, जनपद–नैनीताल	8077037860
33.	श्री देवकी नन्दन जोशी	रेशम साथी	ग्राम–बजैनिया हल्दू, विकास खण्ड–कोटाबाग, जनपद–नैनीताल	6398216477

5.19 पुष्पों की उन्नत खेती एवं मूल्यवर्धन

प्रगतिशील कृषक, कृषक सलाहकार समिति (एफ0ए0सी0) के सदस्यों, उद्यान कर्मी एवं बी0टी0एम0 हेतु 'पुष्पों की उन्नत खेती एवं मूल्यवर्धन' विषयक प्रशिक्षण दिसम्बर 17–20, 2019 को आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में का. निदेशक प्रसार शिक्षा ने कहा कि पुष्प उत्पादन विदेशी मुद्रा अर्जन के स्रोत के रूप में उभर रहा है। पुष्पोत्पादन में मुख्य योगदान गुलाब, कारनेशन, ग्लैडियोलस, जरबेरा, चमेली, गेंदा, डहेलिया एवं रजनीगन्धा का है लेकिन अन्य पुष्प भी मौसम तथा क्षेत्र की अनुकूलता के कारण आसानी से उगाये जाते हैं। वर्ष के उन महीनों जब अन्य जगहों पर पुष्प उत्पादन नही हो पाता तो पर्वतीय क्षेत्र का पुष्प बड़े शहरों के फूलों की मांग को पूरा करता हैं। पुष्प उत्पादन से ग्रामीण युवाओं में रोजगार भी सृजित हो रहा है। काफी हद तक इसे बन्दर भी क्षति नहीं पहुँचातें।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत पुष्पोत्पादन–परिचय, नर्सरी उद्योग एवं बीज उत्पादन, अधिक लाभ हेतु गैंदे की व्यावसायिक खेती, सुगन्धित पुष्पों की उन्नत खेती व प्रसंस्करण, विभिन्न संरक्षित संरचनाओं में पुष्पों की उन्नत खेती एवं प्रजातियों का चयन, गुलाब व ग्लैडियोलस की उन्नत खेती एवं लेखा–जोखा, पर्वतीय क्षेत्रों में पुष्प उत्पादन तकनीक, जरबेरा की उन्नत खेती एवं मूल्यवर्धन, उपोष्ण एवं शीतोष्ण जलवायु हेतु उपयुक्त पुष्पों की उन्नत खेती, देशी गुलाब व अन्य पुष्पों की उत्पादन तकनीक, गुलदाउदी की उन्नत खेती हेतु वैज्ञानिक सुझाव एवं सावधानियाँ, रजनीगंधा की उन्नत खेती एवं सम्भावनायें, पुष्पों के प्रमुख रोग एवं प्रबन्धन इत्यादि विषयों पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के आदर्श पुष्प अनुसंधान केन्द्र व अन्य शोध केन्द्रों का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गयाः

आदर्श पुष्प अनुसंधान केन्द्र पर परिचर्चा करते प्रशिक्षणार्थी

दिनॉक / समय	विवरण	वार्ताकार / वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
17.12.2019			
9.30–10.00	पंजीकरण	डा0 भावना बंगारी, श्रीमती सुषमा सिंह वरिष्ठ शोध अध्येतागण–समेटी	9997870055
10.00–11.00	उद्घाटन कार्यक्रम	का. निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	पुष्पोत्पादन–परिचय, नर्सरी उद्योग एवं बीज उत्पादन	डा0 बी0डी0 भुज, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9456552484
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	अधिक लाभ हेतु गैंदे की व्यावसायिक खेती	डा0 अंजु पाल, सहायक प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411344924
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	सुगन्धित पुष्पों की उन्नत खेती व प्रसंस्करण	डा0 अजीत कुमार, सह प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412451262
18.12.2019			
9.30–11.00	विभिन्न संरक्षित संरचनाओं में पुष्पों की उन्नत खेती एवं प्रजातियों का चयन **(प्रशिक्षण स्थलः आदर्श पुष्प विज्ञान केन्द्र)**	डा0 संतोष कुमार, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9456600055
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	गुलाब व ग्लैडियोलस की उन्नत खेती एवं लेखा–जोखा **(प्रशिक्षण स्थलः आदर्श पुष्प विज्ञान केन्द्र)**	डा0 संतोष कुमार, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9456600055
13.00–14.00	**भोजनावकाश**		
14.00–15.00	पर्वतीय क्षेत्रों में पुष्प उत्पादन तकनीक	डा0 विजय बिहारी सिंह, एस.एम.एस. (उद्यान)	9997284608
15.00–17.30	विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण	डा0 मोहन सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ प्रसार शिक्षा निदेशालय	7500241451
19.12.2019			
9.30–11.00	जरबेरा की उन्नत खेती एवं मूल्यवर्धन	डा0 रंजन श्रीवास्तव, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412039911
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	उपोष्ण एवं शीतोष्ण जलवायु हेतु उपयुक्त पुष्पों की उन्नत खेती	डा0 बी0डी0 भुज, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9456552484
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	देशी गुलाब व अन्य पुष्पों की उत्पादन तकनीक	डा0 वी0के0 राव, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	7500331112
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	गुलदाउदी की उन्नत खेती हेतु वैज्ञानिक सुझाव एवं सावधानियाँ	डा0 अजीत कुमार, सह प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412451262
20.12.2019			
9.30–11.00	रजनीगंधा की उन्नत खेती एवं सम्भावनायें	डा0 रंजन श्रीवास्तव, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412039911
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	पुष्पों के प्रमुख रोग एवं प्रबन्धन	डा0 के0पी0एस0 कुशवाहा, प्राध्यापक पादप रोग विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411160014
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–15.30	कृषकों हेतु प्रमुख स्वरोजगारपरक कृषि कार्यक्रम	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
15.30–17.00	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	का. निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री रमेश गिरि	कृषक	ग्राम एवं पो0–दौलतपुर, विकास खण्ड–रूड़की, जनपद–हरिद्वार	9027047767
2.	श्री जितेन्द्र सिंह	कृषक	ग्राम एवं पो0–ललितपुर, हल्दुआ, विकास खण्ड–रामनगर, जनपद–नैनीताल	9690288735
3.	श्री धनंजय रावत	कृषक	ग्राम–सनेड़ा, पो0–रामड़ा तल्ला, विकास खण्ड–गैरसैंण, जनपद–चमोली	9920960624
4.	श्री राम सिंह नेगी	पर्यवेक्षक (उद्यान)	उद्यान सचल दल केन्द्र–विल्लेख, जनपद–अल्मोड़ा	9411133953
5.	श्री दिवान सिंह	कृषक	ग्राम–खुरेड़ी (डमरा), विकास खण्ड–भिकियासैंण,जनपद–अल्मोड़ा	9536225923
6.	श्री विजय पाल	कृषक	ग्राम–मेहवड़ खुर्द, विकास खण्ड–रूड़की, जनपद–हरिद्वार	9837838205
7.	श्री विजेन्द्र सैनी	कृषक	ग्राम–मेहवड़ खुर्द, विकास खण्ड–रूड़की, जनपद–हरिद्वार	9568348161
8.	श्री भुवन लाल	कृषक	ग्राम एवं पो0–बाराकोट, विकास खण्ड–बाराकोट, जनपद–चम्पावत	9690209960

5.20 व्यावसायिक मशरूम उत्पादन

युवा व्यावसायिक दृष्टिकोण रखने वाले कृषक, मशरूम उत्पादक, उद्यान निरीक्षक, आतमा/कृषि विभाग के प्रसार कर्मी, कृषक सलाहकार समिति (एफ0ए0सी0) के सदस्य आदि हेतु 'व्यावसायिक मशरूम उत्पादन' विषयक प्रशिक्षण जनवरी 21–24, 2020 को आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए निदेशक, समेटी–उत्तराखण्ड ने कहा कि युवाओं हेतु यह उद्यम स्वरोजगार का सशक्त माध्यम हो सकता है। ऐसे युवा जो बड़े–बड़े शहरों में छोटा–मोटा काम करते हैं, अपने पैत्रिक गाँव/क्षेत्र में मशरूम उत्पादन को व्यवसाय के रूप में अपना कर सरकार की ''रिवर्स पलायन'' की मंशा को फलीभूत कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत मशरूम उत्पादन निरंतर आय सृजन का सशक्त माध्यम, मशरूम की प्रमुख प्रजातियां, उत्तराखण्ड में उत्पादन की स्थिति, ढीगरी एवं दूधिया मशरूम की खेती, माध्यम की तैयारी एवं रखरखाव व पोशकीय मान, मशरूम गृह का आकार–प्रकार एवं वायु संचार, उचित जगह, स्पान (बीज), पानी, बिजली, कम्पोस्ट, बाजार एवं विपणन व्यवस्था, मशरूम कल्चर, मास्टर स्पान एवं व्यावसायिक स्पान, शुद्ध एवं संक्रमित स्पान की पहचान तथा स्पान क्रय एवं परिवहन में सावधानियाँ, खाद्य, अखाद्य तथा औषधीय मशरूम की पहचान एवं गुणवत्ता, स्पान माध्यम की तैयारी, स्पान माध्यम में निवेशन (इनाकुलेशन) एवं उद्भवन (इन्क्यूबेशन) माध्यम में कवकजाल की वृद्धि (प्रयोगात्मक कार्य), बटन मशरूम की खेती हेतु माध्यम/कम्पोस्ट बनाने की विधियां (प्रयोगात्मक कार्य), बीजाई, आवरण मृदा बनाने की विधि, उपचार एवं प्रयोग (प्रयोगात्मक कार्य), मशरूम का मूल्य सवर्धित उत्पाद, आर्थिक विश्लेशण (प्रयोगात्मक कार्य), मशरूम में लगने वाले प्रमुख कीट एवं रोगों की पहचान व रोकथाम, मशरूम की चुनाई, चुनाई उपरान्त प्रौद्यौगिकी, मानक, पैकिंग व भण्डारण, इत्यादि विषयों पर विश्वविद्यालय के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिये गये। प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गयाः

मशरूम उत्पादन की तैयारी

मशरूम उत्पादन –स्वरोजगार का माध्यम

दिनॉक / समय	विवरण	वार्ताकार / वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
21.01.2020			
9.30–10.00	पंजीकरण	डा0 भावना बंगारी, श्रीमती सुषमा सिंह वरिष्ठ शोध अध्येतागण–समेटी	
10.00–11.15	उद्घाटन कार्यक्रम	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	
11.15–11.30	**चाय**		
11.30–13.00	मशरूम उत्पादन निरंतर आय सृजन का सशक्त माध्यम	डा0 के0पी0एस0 कुशवाहा, संयुक्त निदेशक, मशरूम अनुसंधान केन्द्र, पंतनगर	8475008884
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	मशरूम की प्रमुख प्रजातियां, विश्व, देश तथा उत्तराखण्ड में उत्पादन की स्थिति	डा0 के0पी0एस0 कुशवाहा, संयुक्त निदेशक, मशरूम अनुसंधान केन्द्र, पंतनगर	8475008884
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	ढींगरी एवं दूधिया मशरूम की खेती, माध्यम की तैयारी एवं रखरखाव व पोशकीय मान	डा0 के0पी0एस0 कुशवाहा, संयुक्त निदेशक, मशरूम अनुसंधान केन्द्र, पंतनगर	8475008884
22.01.2020			
9.30–11.00	मशरूम गृह का आकार–प्रकार एवं वायु संचार, उचित जगह, स्पान (बीज), पानी, बिजली, कम्पोस्ट, बाजार एवं विपणन व्यवस्था	डा0 एस0के0 मिश्रा, वरिष्ठ शोध अधिकारी, मशरूम अनुसंधान केन्द्र, पंतनगर	9410405616
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	मशरूम कल्चर, मास्टर स्पान एवं व्यावसायिक स्पान, शुद्ध एवं संक्रमित स्पान की पहचान तथा स्पान क्रय एवं परिवहन में सावधानियाँ	डा0 गीता शर्मा, कनिष्ठ शोध अधिकारी, मशरूम अनुसंधान केन्द्र, पंतनगर	9410111625
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	खाद्य, अखाद्य तथा औषधीय मशरूम की पहचान एवं गुणवत्ता	डा0 शिल्पी रावत, सहायक प्राध्यापक पादप रोग विज्ञान	9457555638
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	स्पान माध्यम की तैयारी स्पान माध्यम में निवेशन (इनाकुलेशन) एवं उद्भवन (इन्क्यूबेशन) माध्यम में कवकजाल की वृद्धि (प्रयोगात्मक कार्य) **प्रशिक्षण स्थलः मशरूम अनुसंधान केन्द्र**	डा0 रेनू सिंह, एस.टी.ए. मशरूम अनुसंधान केन्द्र, पंतनगर	9411159891
23.01.2020			
9.30–10.30	बटन मशरूम की खेती हेतु माध्यम / कम्पोस्ट बनाने की विधियां (प्रयोगात्मक कार्य) **प्रशिक्षण स्थलः मशरूम अनुसंधान केन्द्र**	डा0 एस0के0 मिश्रा, कनिष्ठ शोध अधिकारी, मशरूम अनुसंधान केन्द्र, पंतनगर	9410405616
10.30–11.45	बीजाई, आवरण मृदा बनाने की विधि, उपचार एवं प्रयोग (प्रयोगात्मक कार्य) **प्रशिक्षण स्थलः मशरूम अनुसंधान केन्द्र**	श्री सर्वेश कुमार मशरूम अनुसंधान केन्द्र, पंतनगर	9411344540
11.45–13.00	मशरूम का मूल्य सवर्धित उत्पाद, आर्थिक विश्लेषण (प्रयोगात्मक कार्य) **प्रशिक्षण स्थलः मशरूम अनुसंधान केन्द्र**	श्री अरूण कुशवाहा मशरूम अनुसंधान केन्द्र, पंतनगर	9450720811
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–17.30	विश्वविद्यालय की विभिन्न शोध इकाईयों का भ्रमण	डा0 विजय बिहारी सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यान) प्रसार शिक्षा निदेशालय	9997284608
24.01.2020			
9.30–11.00	मशरूम में लगने वाले प्रमुख कीट एवं रोगों की पहचान व रोकथाम	डा0 के0पी0एस0 कुशवाहा, संयुक्त निदेशक मशरूम अनुसंधान केन्द्र, पंतनगर / डा0 निर्मला भट्ट, कृ.वि.के., पिथौरागढ़	8475008884
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	मशरूम की चुनाई, चुनाई उपरान्त प्रौद्योगिकी, मानक, पैकिंग व भण्डारण	डा0 के0पी0एस0 कुशवाहा, संयुक्त निदेशक / देव कुमार चौबे मशरूम अनुसंधान केन्द्र, पंतनगर	8475008884
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	कृषकों हेतु लाभकारी औद्यानिक फल वृक्ष	डा0 पी.एन. सिंह, प्राध्यापक (उद्यान विज्ञान)	9412352008
16.00–17.30	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री यशपाल सिंह राणा	सहायक कृषि अधिकारी	मुख्य कृषि अधिकारी कार्यालय, जनपद–उत्तरकाशी	9837801124
2.	श्री बोबी कुमार	कृषक	ग्राम–नारसन कलां, पो0–नारसन कलां, जनपद–हरिद्वार	8126152420
3.	श्री कृष्ण पाल	कृषक	आर0एम0पी0 (पी0जी0) कालेज, गुरूकुल नारसन, जनपद–हरिद्वार	9759955153
4.	श्री आशीष कुमार	कृषक	ग्राम–कुआहेड़ी, पो0–गुरूकुल नारसन, जनपद–हरिद्वार	9870915780
5.	श्री सूरज राठी	कृषक	ग्राम एवं पो0–नारसन कलां, जनपद–हरिद्वार	9119081117
6.	श्री विशु	कृषक	ग्राम एवं पो0–खेड़ा जट, जनपद–हरिद्वार	6395121002
7.	श्री कार्तिक कौशिक	कृषक	ग्राम एवं पो0–टिकौला कलां, जनपद–हरिद्वार	9520252555
8.	डा0 सुशील जोशी	कृषक	ग्राम–कनखल, विकास खण्ड–बहादराबाद, जनपद–हरिद्वार	9319056346
9.	श्री प्रदीप जोशी	कृषक	ग्राम–कनखल, विकास खण्ड–बहादराबाद, जनपद–हरिद्वार	9319056346
10.	श्री नीरज	कृषक	ग्राम–कनखल, विकास खण्ड–बहादराबाद, जनपद–हरिद्वार	–
11.	श्री अनुराग कुशवाहा	कृषक	ग्राम–प्रेमपुर, विकास खण्ड–गदरपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9839483633
12.	श्रीमती प्रीती कुशवाहा	कृषक	ग्राम–प्रेमपुर, विकास खण्ड–गदरपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	7071137424
13.	श्री अभिषेक कुशवाहा	कृषक	ग्राम–प्रेमपुर, विकास खण्ड–गदरपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	7071137424
14.	श्री प्रेम सिंह	कृषक	ग्राम–बगोरी, तहसील–भटवाड़ी, जनपद–उत्तरकाशी	7579119870
15.	श्री बृजमोहन पलड़िया	कृषक	ग्राम–थपलिया महरागांव, पो0–नौकुचियाताल, विकास खण्ड–भीमताल, जनपद–नैनीताल	8755941843
16.	श्री विनय कुमार	कृषक	ग्राम–आन्नेकी, पो0–औरंगाबाद, जनपद–हरिद्वार	9758065321
17.	श्री ऋषभ	कृषक	ग्राम एवं पो0–औरंगाबाद, जनपद–हरिद्वार	8392877682
18.	श्री रजत कुमार	कृषक	ग्राम–टिकौला कलां, विकास खण्ड–नारसन, जनपद–हरिद्वार	7617452454
19.	श्री सूर्य देव	कृषक	ग्राम–भोवावाली, विकास खण्ड–खानपुर (लक्सर), जनपद–हरिद्वार	9917747538
20.	श्री पूरन चन्द्र	कृषक	ग्राम–जंगलिया गांव, विकास खण्ड–भीमताल, जनपद–नैनीताल	9410728428
21.	श्री माधवानन्द पलड़िया	कृषक	ग्राम एवं पो0–बानना, विकास खण्ड–भीमताल, जनपद–नैनीताल	7579257146
22.	श्री भोला दत्त	कृषक	ग्राम एवं पो0–जंगलिया गांव, विकास खण्ड–भीमताल, जनपद–नैनीताल	7579231525
23.	श्री मनोज पाण्डे	कृषक	ग्राम–सौनगांव, विकास खण्ड–भीमताल, जनपद–नैनीताल	7060681836
24.	श्री केतन सुयाल	कृषक	ग्राम–सौनगांव, विकास खण्ड–भीमताल, जनपद–नैनीताल	7669342683
25.	श्री राम सिंह	कृषक	ग्राम–ओखलकांडा तल्ला, विकास खण्ड–ओखलकांडा, जनपद–नैनीताल	9411140229
26.	श्री नारायण दत्त	कृषक	ग्राम–भद्रकोट, विकास खण्ड–ओखलकांडा, जनपद–नैनीताल	9956767530
27.	श्री गोपाल सिंह	कृषक	ग्राम एवं पो0–ओखलकांडा, विकास खण्ड–ओखलकांडा, जनपद–नैनीताल	7579441548
28.	श्री केदार दत्त जोशी	कृषक	ग्राम–ग्वीनाड़ा मल्ला, विकास खण्ड–बाराकोट, जनपद–चम्पावत	9457191208

5.21 सब्जियों में समेकित कीट एवं रोग प्रबन्धन

सब्जियों में कीट–रोग प्रबन्धन के अभाव में प्रत्येक वर्ष उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा खराब हो जाता है। कभी–कभी जानकारी न होने के कारण गलत रसायन, रसायनों का अत्यधिक प्रयोग, प्रयोग की गलत विधि इत्यादि के कारण भी उपज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अतः सब्जियों के महत्व को देखते हुए प्रगतिशील कृषक, आतमा के पदाधिकारी एवं उद्यान विभाग के प्रसार कमी हेतु 'सब्जियों में समेकित कीट एवं रोग प्रबन्धन' विषयक प्रशिक्षण जनवरी 27–30, 2020 को आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तराखण्ड में संरक्षित सब्जी उत्पादन की सम्भावनाए, सब्जी पौधशाला में रोग प्रबन्धनं, सब्जियों में सूक्ष्म सिंचाई तकनीक, समेकित कीटनाशी प्रबन्धन, व्यावहारिकता एवं उपयोग, कद्दूवर्गीय सब्जियों में कीट व रोग प्रबन्धन, कीटनाशी एवं उनके छिड़काव के यंत्र, लागत, गणना एवं सावधानियां, सब्जियों में पोषक तत्वों की कमी से होने वाले विकार एवं प्रबन्धन, सब्जियों की संरक्षित खेती, आलू एवं टमाटर में समेकित रोग प्रबन्धन, सब्जियों में कीट नियंत्रण, पॉलीहाउस में सब्जियों में रोग प्रबन्धन, मिर्च, बैंगन एवं गोभीवर्गीय सब्जियों में रोग प्रबन्धन इत्यादि विषयों पर विश्वविद्यालय के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिये गये। प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के सब्जी अनुसंधान केन्द्र सहित अन्य शोध केन्द्रों का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गया:

दिनांक/समय	विवरण	वार्ताकार/वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
27.01.2020			
9.30–10.00	पंजीकरण	डा0 भावना बंगारी, श्रीमती सुषमा सिंह वरिष्ठ शोध अध्येतागण–समेटी	
10.00–11.15	उद्घाटन कार्यक्रम	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	
11.15–11.30	**चाय**		
11.30–13.00	उत्तराखण्ड में संरक्षित सब्जी उत्पादन की सम्भावनाएं	डा0 पी.एन. सिंह, प्राध्यापक (उद्यान विज्ञान)	9412352008
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	सब्जी पौधशाला में रोग प्रबन्धन	डा0 गीता शर्मा, कनिष्ठ शोध अधिकारी पादप रोग विज्ञान विभाग कृषि महाविद्यालय	9410111625
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	सब्जियों में सूक्ष्म सिंचाई तकनीक	डा0 पी0के0 सिंह, प्राध्यापक सिंचाई एवं जल निकास अभियांत्रिकी विभाग, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	9690012757
28.01.2020			
09.30–11.00	समेकित कीटनाशी प्रबन्धन, व्यावहारिकता एवं उपयोग	डा0 ए0के0 पाण्डे, प्राध्यापक कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9427194497
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	कद्दूवर्गीय सब्जियों में कीट व रोग प्रबन्धन	डा0 एस0के0 मौर्य, सहा0 प्राध्यापक सब्जी विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	8475001587
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	कीटनाशी एवं उनके छिड़काव के यंत्र, लागत, गणना एवं सावधानियां	डा0 ए0के0 पाण्डे, प्राध्यापक कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9427194497
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	सब्जियों में पोषक तत्वों की कमी से होने वाले विकार एवं प्रबन्धन	डा0 विजय बिहारी सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यान)	9997284608
29.01.2020			
9.30–11.00	सब्जियों की संरक्षित खेती **(प्रशिक्षण स्थलः सब्जी अनुसंधान केन्द्र)**	डा0 ललित भट्ट, सहायक निदेशक सब्जी विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412986485
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	आलू एवं टमाटर में समेकित रोग प्रबन्धन	डा0 आर0पी0 सिंह, प्राध्यापक पादप रोग विज्ञान विभाग,कृषि म्हाविद्यालय	7500941100
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–17.30	विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण	डा0 मोहन सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (सस्य), प्रसार शिक्षा निदेशालय	7500241451
30.01.2020			
9.30–11.00	सब्जियों में कीट नियंत्रण	डा0 एस0एन0 तिवारी प्राध्यापक कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	7500241418
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	पॉलीहाउस में सब्जियों में रोग प्रबन्धन	डा0 आर0पी0 सिंह, प्राध्यापक पादप रोग विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	7500941100
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	मिर्च, बैंगन एवं गोभीवर्गीय सब्जियों में रोग प्रबन्धन	डा0 आर0पी0 सिंह, प्राध्यापक पादप रोग विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	7500941100
16.00–17.30	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री हेम चन्द्र उप्रेती	कृषक	ग्राम–अलचौंना, पो0–चाँफी, विकास खण्ड–भीमताल, जनपद–नैनीताल	9458119328
2.	श्री बृजमोहन पलड़िया	कृषक	ग्राम–थपलिया महरागांव, पो0–नौकुचियाताल, विकास खण्ड–भीमताल, जनपद–नैनीताल	8755941843
3.	श्री नीरज सिंह बिष्ट	उद्यान निरीक्षक	ग्राम–रसूलपुर, पो0–लालढाँग, मिट्टीबेरी, जनपद–हरिद्वार	9410149510
4.	श्री पुष्कर सिंह	उद्यान निरीक्षक	ग्राम–आमवाला, पो0–घंघोड़ा, जनपद–देहरादून	7668730195
5.	श्री मासूम	उद्यान निरीक्षक	ग्राम–नगला कोयल, पो0–गुरूकुल नारसन, जनपद–हरिद्वार	8954526160
6.	कु0 सुप्रिया गैरोला	उद्यान निरीक्षक	5/15 न्यू बसंत बिहार एनक्लेव, निकट न्यू फॉरेस्ट, जनपद–देहरादून	8476805689
7.	कु0 राधा	उद्यान निरीक्षक	ग्राम–साढौला माजरा, पो0–मखदूमपुर, जनपद–हरिद्वार	9675550537
8.	कु0 नेहा वर्मा	उद्यान निरीक्षक	ग्राम एवं पो0–जौलीग्रान्ट, निकट आर्य समाज, भानियावाला, जनपद–देहरादून	9927185995
9.	श्री कोमल कुमार	उद्यान निरीक्षक	ग्राम–पुरवाला, बिरसंगपुर, पो0–रायसी, विकास खण्ड–लक्सर, जनपद–हरिद्वार	9475950809
10.	श्री प्रताप सिंह	उद्यान निरीक्षक	ग्राम–बादषाहपुर, पो0–खानपुर, विकास खण्ड–लक्सर, जनपद–हरिद्वार	9084811631
11.	श्री चन्द्र पाल	कृषक	ग्राम–पटेरी, पो0–किच्छा, जनपद–ऊधमसिंहनगर	8193925224
12.	श्री योगेन्द्र कुमार	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–ओखलकांडा, जनपद–नैनीताल	7500062809
13.	श्रीमती गीता देवी	कृषक	ग्राम–खेरदा, विकास खण्ड–रामगढ़, जनपद–नैनीताल	9557469951
14.	श्रीमती तुलसी देवी	कृषक	ग्राम–खेरदा, विकास खण्ड–रामगढ़, जनपद–नैनीताल	5456380350
15.	श्रीमती नीमा देवी	कृषक	ग्राम–खेरदा, विकास खण्ड–रामगढ़, जनपद–नैनीताल	9536383637
16.	श्रीमती राजन्ती देवी	कृषक	ग्राम–खेरदा, विकास खण्ड–रामगढ़, जनपद–नैनीताल	9410986768
17.	श्रीमती सुशीला देवी	कृषक	ग्राम–खेरदा, विकास खण्ड–रामगढ़, जनपद–नैनीताल	8864877128
18.	श्रीमती मंजू देवी	कृषक	ग्राम–खेरदा, विकास खण्ड–रामगढ़, जनपद–नैनीताल	9927589779
19.	श्रीमती भावना देवी	कृषक	ग्राम–खेरदा, विकास खण्ड–रामगढ़, जनपद–नैनीताल	9759986826
20.	श्रीमती चन्द्रा देवी	कृषक	ग्राम–खेरदा, विकास खण्ड–रामगढ़, जनपद–नैनीताल	–
21.	श्रीमती मुन्नी देवी	कृषक	ग्राम–खेरदा, विकास खण्ड–रामगढ़, जनपद–नैनीताल	7900996688
22.	श्री बालीराम आर्य	कृषक	ग्राम–खेरदा, विकास खण्ड–रामगढ़, जनपद–नैनीताल	9719862688
23.	श्री गोविन्द राम	कृषक	ग्राम–खेरदा, विकास खण्ड–रामगढ़, जनपद–नैनीताल	8449242508
24.	श्री माधवानन्द पलड़िया	कृषक	ग्राम एवं पो0–बानना, विकास खण्ड–भीमताल, जनपद–नैनीताल	7579257146
25.	श्री चन्द्र दत्त पलड़िया	कृषक	ग्राम एवं पो0–बानना, विकास खण्ड–भीमताल, जनपद–नैनीताल	9411553595

5.22 कृषक से कृषक प्रसार की विधियाँ

रेखीय विभागों के अधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, फार्म स्कूल संचालक एवं आतमा के पदाधिकारियों हेतु 'कृषक से कृषक प्रसार की विधिया' विषयक प्रशिक्षण फरवरी 05–08, 2020 को आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर निदेशक प्रसार शिक्षा डा0 अनुराधा दत्ता ने अपने सम्बोधन में कहा कि उदारीकरण और निर्यातोन्मुखी कृषि के कारण हमें भी प्रसार के तरीकों में बदलाव लाने की आवश्यकता है। प्रसार की वर्षों पुरानी विधियों को त्याग कर नये तकनीक का प्रयोग करना पड़ेगा। ''कृषक से कृषक प्रसार'' तकनीक हस्तांतरण का एक सशक्त माध्यम हो सकता है। किसी भी शोध केन्द्र में फसल की स्थिति को देखकर किसान के मन में सदैव यह चलता है कि यह तो सरकारी है, कृषक के खेत पर यह नहीं हो सकता। परन्तु यदि यहीं तकनीक किसी कृषक के यहाँ होगी तो उसके मन में तुरन्त यह बात आयेगी कि यदि उस कृषक के यहाँ हो सकता है, तो हमारे यहाँ भी होगा। इस सिद्धान्त पर कृषक से कृषक प्रसार ज्यादा प्रभावी हो सकता है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत में प्रचलित विभिन्न प्रसार प्रणालियां एवं कृषि प्रसार की भूमिका में बदलाव, कृषि विकास में कृषक से कृषक प्रसार की अवधारणा एवं महत्व, कृषि प्रसार में सूचना एवं संचार तकनीकी की भूमिका, कृषि की विभिन्न योजनाओं में एक प्रसार कर्मी के रूप में कृषक की भूमिका, कृषि विकास में एक प्रसार तंत्र के रूप में फार्म स्कूल एवं फामर्स फील्ड स्कूल की अवधारणा, मत्स्य की विभिन्न योजनाओं में एक प्रसार कर्मी के रूप में कृषक की भूमिका, निजी प्रसार प्रणाली में एक प्रसार कर्मी के रूप में कृषक की भूमिका, पशुपालन की

प्रशिक्षण में वैज्ञानिक का व्याख्यान

विभिन्न योजनाओं में एक प्रसार कर्मी के रूप में कृषक की भूमिका, संचार एवं प्रसार प्रक्रिया में प्रसार कर्मियों के लिए आवश्यक नेतृत्व कौशल, औद्यानिकी में एक पैरा–हार्टिकल्चरिस्ट के रूप में कृषक की भूमिका, आजीविका योजनाओं जैसे राष्ट्रीय जलागम कार्यक्रम इत्यादि में एक प्रसार कर्मी के रूप में कृषक की भूमिका, पर्वतीय क्षेत्रों में मुर्गी पालन की सम्भावनाए इत्यादि विषयों पर विश्वविद्यालय के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिये गये। प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गयाः

दिनॉक / समय	विवरण	वार्ताकार / वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
05.02.2020			
9.30–10.00	पंजीकरण	डा0 भावना बंगारी, श्रीमती सुषमा सिंह वरिष्ठ शोध अध्येतागण–समेटी	
10.00–10.45	कृषकों द्वारा कृषकों तक तकनीकी हस्तानान्तरण में योगदान एवं उद्घाटन सम्बोधन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	
10.45–11.45	समेटी उत्तराखण्डः एक संक्षिप्त परिचय	डा0 पी.एन. सिंह, प्राध्यापक (उद्यान विज्ञान)	9412352008
11.45–12.00	**चाय**		
12.00–13.00	भारत में प्रचलित विभिन्न प्रसार प्रणालियां एवं कृषि प्रसार की भूमिका में बदलाव	डा0 नीलम भारद्वाज, प्राध्यापक कृषि संचार विभाग, कृषि महाविद्यालय	9759074050
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	कृषि विकास में कृषक से कृषक प्रसार की अवधारणा एवं महत्व	डा0 किरन आर्या, सहायक प्राध्यापक कृषि संचार विभाग, कृषि महाविद्यालय	7535881397
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	कृषि प्रसार में सूचना एवं संचार तकनीकी की भूमिका	डा0 अमरदीप, सह प्राध्यापक कृषि संचार विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412121138
06.02.2020			
9.30–11.00	कृषि की विभिन्न योजनाओं में एक प्रसार कर्मी के रूप में कृषक की भूमिका	डा0 बी0एस0 कार्की, सह निदेशक (सस्य), प्रसार शिक्षा निदेशालय	7579174120
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	कृषि विकास में एक प्रसार तंत्र के रूप में फार्म स्कूल एवं फार्मर्स फील्ड स्कूल की अवधारणा	डा0 बी0एस0 कार्की, सह निदेशक (सस्य), प्रसार शिक्षा निदेशालय	7579174120
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	मत्स्य की विभिन्न योजनाओं में एक प्रसार कर्मी के रूप में कृषक की भूमिका	डा0 अनूप कुमार, सह प्राध्यापक मत्स्य प्रग्रहण एवं परिसंस्करण विभाग मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय	9411122943
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	निजी प्रसार प्रणाली में एक प्रसार कर्मी के रूप में कृषक की भूमिका	डा0 अर्पिता शर्मा, सहायक प्राध्यापक कृषि संचार विभाग, कृषि महाविद्यालय	9639617853
07.02.2020			
9.30–11.00	पशुपालन की विभिन्न योजनाओं में एक प्रसार कर्मी के रूप में कृषक की भूमिका	डा0 एस0सी0 त्रिपाठी, प्राध्यापक पशुपालन एवं पशुचिकित्सा प्रसार शिक्षा विभाग, पशुविज्ञान एवं पशुचिकित्सा महाविद्यालय	9411159957
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	संचार एवं प्रसार प्रक्रिया में प्रसार कर्मियों के लिए आवश्यक नेतृत्व कौशल	डा0 अमरदीप, सहायक प्राध्यापक कृषि संचार विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412121138
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–17.30	विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण	डा0 मोहन सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (सस्य), प्रसार शिक्षा निदेशालय	7500241451
08.02.2020			
9.30–11.00	औद्यानिकी में एक पैरा–हार्टिकल्चरिस्ट के रूप में कृषक की भूमिका	डा0 ए0के0 सिंह, प्राध्यापक उद्यान विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411324825
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	आजीविका योजनाओं जैसे राष्ट्रीय जलागम कार्यक्रम इत्यादि में एक प्रसार कर्मी के रूप में कृषक की भूमिका	डा0 नीलम भारद्वाज, प्राध्यापक कृषि संचार विभाग, कृषि महाविद्यालय	9759074050
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	पर्वतीय क्षेत्रों में मुर्गी पालन की सम्भावनाएं	डा0 अवधेश कुमार, प्राध्यापक पशुपालन एवं पशुचिकित्सा प्रसार शिक्षा विभाग, पशुविज्ञान एवं पशुचिकित्सा महाविद्यालय	9412680179
16.00–17.00	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री मानवेन्द्र सिंह नेगी	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक (आतमा)	विकास खण्ड–नारायणबगड़, जनपद–चमोली	8979056719
2.	श्री गोपाल सिंह रावत	बी0एफ0ए0सी0 सदस्य	ग्राम–नावोली, विकास खण्ड–नारायणबगड़, जनपद–चमोली	7302200423
3.	श्री पूर्ण सिंह	बी0एफ0ए0सी0 सदस्य	ग्राम–नावोली, विकास खण्ड–नारायणबगड़, जनपद–चमोली	9068492405
4.	डा0 दीपाली तिवारी पाण्डे	सह निदेशक (उद्यान)	कृषि विज्ञान केन्द्र, ज्योलीकोट, जनपद–नैनीताल	8958737598
5.	डा0 सुधा जुकारिया	सह निदेशक (गृह विज्ञान)	कृषि विज्ञान केन्द्र, ज्योलीकोट, जनपद–नैनीताल	8449328700
6.	श्री विमल कुमार चौहान	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक (आतमा)	विकास खण्ड–रूद्रपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9758742124
7.	श्री सुखचैन सिंह	बी0एफ0ए0सी0 सदस्य	विकास खण्ड–गदरपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9027785577
8.	श्री मुन्शीराम	बी0एफ0ए0सी0 सदस्य	विकास खण्ड–गदरपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9837097519
9.	श्री सतनाम सिंह	बी0एफ0ए0सी0 सदस्य	विकास खण्ड–गदरपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	6398213450

5.23 प्रसार सुधार कार्यक्रम में सूचना एवं संचार तकनीक का उपयोग

सूचना एवं संचार तकनीक का कृषि में दिनों–दिन उपयोग बढ़ रहा है। गूगल, विभिन्न हेल्प लाइन, एस0एम0एस0, ई–मार्केटिंग, मौसम पूर्वानुमान इत्यादि अनेक ऐसे माध्यम है, जिससे कृषक घर बैठे अपने उत्पाद का दाम, मण्डी में कृषि दर, वैज्ञानिक/अधिकारी से त्वरित सम्पर्क इत्यादि कर सकता है और अपना उत्पाद उचित दरों पर बेच सकता है। विषय की महत्ता को देखते हुए कृषि तथा रेखीय विभागों के प्रसार कर्मी/अधिकारी, आतमा तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक/कर्मचारी आदि हेतु 'कृषक से कृषक प्रसार की विधिया' विषयक प्रशिक्षण फरवरी 25–28, 2020 को आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रसार सुधार में सूचना एवं संचार तकनीकी तथा मीडिया की भूमिका, उपयोगिता एवं महत्ता, एग्रोमेट सेवायें: मौसम एवं कृषि सलाहकार सूचना सेवाय, कृषि प्रसार माड्यूल: आतमा, संचार एवं प्रसार प्रक्रिया में प्रसार कर्मियों के लिए आवश्यक नेतृत्व कौशल, कृषि विपणन में एगमार्कनेट की भूमिका, सॉफ्ट स्किल्स: अनुसंधान एवं प्रसार के लिए एक परिचय, फल एवं सब्जियों की विपणन व्यवस्था इत्यादि विषयों पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिये गये। प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गया:

प्रशिक्षण सत्र में प्रशिक्षणार्थी

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	डा0 तेजबीर सिंह	सह निदेशक (पादप सुरक्षा)	कृषि विज्ञान केन्द्र, ज्योलीकोट, जनपद–नैनीताल	9412120608
2.	डा0 राजेश कुमार	कार्यक्रम सहायक (प्रसार/संचार)	कृषि विज्ञान केन्द्र, मटेला, जनपद–अल्मोड़ा	9412120744
3.	श्री मनीष बाजपेई	कार्यक्रम सहायक (प्रसार/संचार)	कृषि विज्ञान केन्द्र, काशीपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	8307858592
4.	डा0 कंचन नैनवाल	सह निदेशक(सस्य)	कृषि विज्ञान केन्द्र, ज्योलीकोट, जनपद–नैनीताल	9412088082
5.	श्रीमती अमरेश सिरोही	विषय वस्तु विशेषज्ञ (गृह विज्ञान)	कृषि विज्ञान केन्द्र, मटेला, जनपद–अल्मोड़ा	8393905748
6.	श्री छत्रपाल वन	कृषक	विकास खण्ड–बाजपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	8449682406
7.	श्री रबिन्द्र नाथ	कृषक	ग्राम–बैकुन्ठपुर, शक्तिफार्म नं.–01,जनपद–ऊधमसिंहनगर	9917109588
8.	श्री दीपक दास	कृषक	ग्राम–टैगोर नगर, पो0–शक्तिफार्म,जनपद–ऊधमसिंहनगर	7464825014
9.	श्री करन सिंह	कृषक	विकास खण्ड–बाजपुर, जनपद–ऊधमसिंहनगर	7248135233

दिनॉक / समय	विवरण	वार्ताकार / वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
25.02.2020			
9.30–10.30	पंजीकरण	डा0 भावना बंगारी, श्रीमती सुषमा सिंह वरिष्ठ शोध अध्येतागण–समेटी	
10.30–11.00	उद्घाटन कार्यक्रम	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	
11.15–11.30	**चाय**		
11.30–13.00	समेटी उत्तराखण्ड : एक संक्षिप्त परिचय एवं पर्वतीय क्षेत्र की प्रमुख स्वरोजगारपरक कृषि कार्यक्रम	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक(सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	प्रसार सुधार में सूचना एवं संचार तकनीकी तथा मीडिया की भूमिका, उपयोगिता एवं महत्ता	डा0 ज्ञानेन्द्र शर्मा, प्राध्यापक कृषि संचार विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412120688
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	एग्रोमेट सेवायें: मौसम एव कृषि सलाहकार सूचना सेवायें	डा0 आर0के0 सिंह, प्राध्यापक कृषि मौसम विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411142810
26.02.2020			
9.30–11.00	कृषि प्रसार में सोशल मीडिया का योगदान	डा0 किरन आर्या, सहायक प्राध्यापक कृषि संचार विभाग, कृषि महाविद्यालय	7535881397
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	कृषि प्रसार में कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका	डा0 बी0एस0 कार्की, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	7579174120
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–15.00	कृषि सम्बन्धी विभिन्न प्रसार कार्यक्रम	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक(सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
15.00–15.15	**चाय**		
15.15–17.30	उत्तराखण्ड के संदर्भ में कृषि में विशेषज्ञ प्रणाली	डा. अर्पिता शर्मा, सहा. प्राध्यापक, कृषि संचार विभाग, कृषि महाविद्यालय	9639617853
27.02.2020			
9.30–11.00	कृषि में रिमोट सेंसिग एवं जी0आई0एस0 का उपयोग	डा0 राजीव रंजन, सहायक प्राध्यापक, कृषि मौसम विज्ञान विभाग,कृषि महाविद्यालय	
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	प्रक्षेत्र भ्रमण– जी0आई0एस0, कियोस्क एवं कृषि सम्बन्धी वेबसाईटों का प्रदर्शन	डा0 राजीव रंजन, सहायक प्राध्यापक, कृषि मौसम विज्ञान विभाग,कृषि महाविद्यालय	
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–15.30	कृषि प्रसार माड्यूलः आतमा	डा0 नीलम भारद्वाज, प्राध्यापक कृषि संचार विभाग, कृषि महाविद्यालय	9759074050
15.30–15.35	**चाय**		
15.35–17.30	संचार एवं प्रसार प्रक्रिया में प्रसार कर्मियों के लिए आवश्यक नेतृत्व कौशल	डा. अर्पिता शर्मा, सहा. प्राध्यापक, कृषि संचार विभाग, कृषि महाविद्यालय	9639617853
28.02.2020			
9.30–11.00	कृषि विपणन में एगमार्कनेट की भूमिका	डा0 चन्द्रदेव, प्राध्यापक कृषि अर्थशास्त्र विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412420903
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	सॉफ्ट स्किल्सः अनुसंधान एवं प्रसार के लिए एक परिचय	डा0 अर्पिता शर्मा, सहायक प्राध्यापक, कृषि संचार विभाग, कृषि महाविद्यालय	9639617853
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	फल एवं सब्जियों की विपणन व्यवस्था	डा0 पी0एन0 सिंह, प्राध्यापक (उद्यान)	9412352008
16.30–17.30	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	

6 वित्त पोषित प्रशिक्षण

6.1 इंडक्शन ट्रैनिंग ऑफ आतमा फंक्शनरीज

कृषि निदेशालय, देहरादून से वित्त पोषित 'इंडक्शन ट्रैनिंग ऑफ आतमा फंक्शनरीज' विषयक प्रशिक्षण फरवरी 03–05, 2020 को आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कृषि विभाग के 37 अधिकारी/कर्मचारी एवं आतमा के पदाधिकारियों के क्षमता विकास हेतु रखा गया था जिसमें अधिकारियों की उपस्थिति 21 थी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत कृषि विकास में एक प्रसार तंत्र के रूप में फार्म स्कूल एवं फार्मस फील्ड स्कूल की अवधारणा, पर्वतीय क्षेत्रों में सब्जियों की संरक्षित खेती की सम्भावनाए, पर्वतीय एवं मैदानी क्षेत्रों हेतु सूक्ष्म सिंचाई पद्धति, कृषि प्रसार प्रक्रिया में प्रसार कर्मियों के लिए नेतृत्व कौशल का विकास, आतमा कार्यक्रम के विभिन्न घटक एवं उनका संचालन, पर्वतीय क्षेत्रों में मुर्गी पालन का व्यवसाय, समन्वित खेती प्रणाली, कृषक प्रसार की वर्तमान स्थिति एवं बदलते परिवेश में प्रसार सुधार की आवश्यकता इत्यादि विशय पर विश्वविद्यालय के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिये गये। प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षणोपरान्त फीडबैक के रूप में अधिकारियों ने कहा कि पंतनगर से सीखें कृषि के नये तकनीक यथा संरक्षित सब्जी उत्पादन, ड्रिप सिंचाई, मुर्गी पालन, समन्वित खेती प्रणाली इत्यादि का अपने–अपने क्षेत्रों में व्यापक प्रचार–प्रसार का यथा संभव प्रयास करेंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गया:

दिनॉक/समय	विवरण	वार्ताकार/वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
03.02.2020			
10.00–11.00	पंजीकरण	डा0 भावना बंगारी, श्रीमती सुषमा सिंह वरिष्ठ शोध अध्येतागण–समेटी	
11.00–13.00	उद्घाटन कार्यक्रम	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	पर्वतीय क्षेत्रों में मुर्गी पालन का व्यवसाय	डा0 अवधेश कुमार, प्राध्यापक पशुपालन एवं पशुचिकित्सा प्रसार शिक्षा विभाग, पशुविज्ञान एवं पशुचिकित्सा महाविद्यालय	9412680179
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	कृषि विकास में एक प्रसार तंत्र के रूप में फार्म स्कूल एवं फार्मस फील्ड स्कूल की अवधारणा	डा0 बी0एस0 कार्की, प्राध्यापक सस्य प्रसार शिक्षा निदेशालय	7579174120
04.02.2020			
09.30–11.00	पर्वतीय क्षेत्रों में सब्जियों की संरक्षित खेती की सम्भावनाएं	डा0 ललित भट्ट, सहायक निदेशक सब्जी विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412986485
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	पर्वतीय एवं मैदानी क्षेत्रों हेतु सूक्ष्म सिंचाई पद्धति	डा0 पी0के0 सिंह, प्राध्यापक सिंचाई एवं जल निकास, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	9690012757
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	कृषि प्रसार प्रक्रिया में प्रसार कर्मियों के लिए नेतृत्व कौशल का विकास	डा0 बी0एस0 कार्की, प्राध्यापक सस्य प्रसार शिक्षा निदेशालय	7579174120
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	आतमा कार्यक्रम के विभिन्न घटक एवं उनका संचालन	डा0 नीलम भारद्वाज, प्राध्यापक कृषि संचार विभाग, कृषि महाविद्यालय	9759074050
05.02.2020			
9.30–11.00	समन्वित खेती प्रणाली	डा0 सुभाष चन्द्रा, प्रधान वैज्ञानिक सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9719054085
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	कृषक प्रसार की वर्तमान स्थिति एवं बदलते परिवेश में प्रसार सुधार की आवश्यकता	डा0 अर्पिता शर्मा, सहायक प्राध्यापक कृषि संचार विभाग, कृषि महाविद्यालय	9639617853
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण	डा0 मोहन सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (सस्य), प्रसार शिक्षा निदेशालय	7500241451
16.00–17.30	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री अभिषेक अग्रवाल	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–कालसी, जनपद–देहरादून	9411136622
2.	श्री संजय सिंह	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–चकराता, जनपद–देहरादून	9412116431
3.	श्री गौतम चौधरी	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–नारसन, जनपद–हरिद्वार	9456457892
4.	श्री सूरज बेंजवाल	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–रूड़की, जनपद–हरिद्वार	9675251798
5.	श्री गोरख सिंह	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–लक्सर, जनपद–हरिद्वार	9720879767
6.	श्री उदय वीर सिंह	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–पाबौ, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9528927814
7.	श्री मोहित कुमार	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–यमकेश्वर,जनपद–पौड़ी गढ़वाल	7060035542
8.	श्री रोहित कुमार राठी	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–द्वाराहाट, जनपद–अल्मोड़ा	9675974186
9.	श्री पंकज भारती	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–स्याल्दे, जनपद–अल्मोड़ा	9410358014
10.	श्री उमेश कुमार	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–सल्ट, जनपद–अल्मोड़ा	9927112201
11.	श्री अंकुर कुमार	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–लोहाघाट, जनपद–चम्पावत	9917981598
12.	श्री नवीन थपलियाल	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–गैरसेंण, जनपद–चमोली	8392828484
13.	श्री विकास वर्मा	उप परियोजना निदेशक	कार्यालय–मुख्य कृषि अधिकारी, जनपद–चमोली	9410364572
14.	श्री संदीप सिंह	उप परियोजना निदेशक	चम्पावत	9012783928
15.	श्री हीरा लाल सरकार	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	पिथौरागढ़	–
16.	श्री प्रताप ढाली	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–धारचूला, जनपद–पिथौरागढ़	–
17.	श्री अंशु गुप्ता	सहायक कृषि अधिकारी वर्ग–03	जनपद–चम्पावत	–
18.	श्री सौरभ लाल शाह	सहायक कृषि अधिकारी	कृषि विभाग–रूद्रप्रयाग, जनपद–रूद्रप्रयाग	8393859662
19.	श्री विकास शाह	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–थराली, जनपद–चमोली	8126391550
20.	श्री संतोश कुमार गर्जोला	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक	विकास खण्ड–बेरीनाग, जनपद–पिथौरागढ़	–
21.	श्री पवन कुमार	सहायक कृषि अधिकारी वर्ग–03	जनपद–बागेश्वर	–

6.2 रिफ्रेशर ट्रैनिंग ऑफ आतमा फंक्शनरीज

कृषि निदेशालय, देहरादून से वित्त पोषित प्रशिक्षण 'रिफ्रेशर ट्रैनिंग ऑफ आतमा फंक्शनरीज' फरवरी 10–12, 2020 को आयोजित किया गया। पूर्व प्रशिक्षण की भांति यह भी कृषि विभाग के अधिकारी/कर्मचारी, आतमा पदाधिकारी के क्षमता विकास हेतु निर्धारित था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत खरीफ फसलों की उन्नत खेती, पर्वतीय क्षेत्रों में सब्जियों की संरक्षित खेती, पर्वतीय एवं मैदानी क्षेत्रों हेतु सूक्ष्म सिंचाई पद्धति, कृषि विकास में एक प्रसार तंत्र के रूप में फार्म स्कूल एवं फारमर्स फील्ड स्कूल की अवधारणा, समन्वित खेती प्रणाली, पशुपालन एवं दुग्ध प्रबंधन, पर्वतीय क्षेत्रों में मुर्गी पालन का व्यवसाय, रबी फसलों की उन्नत खेती, कृषक प्रसार की वर्तमान स्थिति एवं बदलते परिवेश में प्रसार सुधार की आवश्यकता, कृषि विकास में एक प्रसार कर्मी के रूप में कृषक की भूमिका इत्यादि विषयों पर विश्वविद्यालय के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिये गये। प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण कराया गया। इस प्रशिक्षण में 27 अधिकारियों को नामित किया गया था परन्तु कुल 13 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। फीडबैक के रूप में प्रत्येक का यह मानना था कि यहाँ से सीखे कृषि तकनीक का अपने क्षेत्रों में व्यापक प्रचार–प्रसार, नये तकनीक से क्षेत्रफल विस्तार का प्रयास करेंगे, जिससे कृषक की आय बढ़ोत्तरी का सपना साकार हो सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न सूची के अनुसार सम्पन्न कराया गया:

सब्जी अनुसंधान केन्द्र का भ्रमण करते प्रशिक्षणार्थी

प्रशिक्षणार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पता	मोबाइल नं0
1.	श्री संजीव कुमार	सहायक कृषि अधिकारी वर्ग–03	कृषि एवं भूमि संरक्षण इकाई–धूमाकोट, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9634177179
2.	श्री जय सिंह	सहायक कृषि अधिकारी वर्ग–03	कृषि एवं भूमि संरक्षण इकाई–धूमाकोट, जनपद–पौड़ी गढ़वाल	9917544941
3.	श्री दीपक कुमार बमोला	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक (आतमा)	कृषि विभाग–जोशीमठ, जनपद–चमोली	9997345740
4.	श्री मनमोहन सिंह नेगी	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक (आतमा)	विकास खण्ड–घाट, जनपद–चमोली	7902142861
5.	श्री अनिरूद्ध राणा	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक (आतमा)	विकास खण्ड–सहसपुर, जनपद–देहरादून	9992844418
6.	श्री नत्थीराम नौटियाल	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक (आतमा)	विकास खण्ड–भैंसियाछाना, जनपद–अल्मोड़ा	9411522927
7.	श्री अरविन्द सिंह	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक (आतमा)	विकास खण्ड–रायपुर, जनपद–देहरादून	9758501482
8.	श्री मधुसूदन भट्ट	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक (आतमा)	विकास खण्ड–डोईवाला, जनपद–देहरादून	9917904891
9.	श्री सुरजीत सिंह	सहायक कृषि अधिकारी वर्ग–03	कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी–लोहाघाट, जनपद–चम्पावत	7088988146
10.	श्री पंकज कुमार थापा	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक (आतमा)	विकास खण्ड–कपकोट, जनपद–बागेश्वर	9410380193
11.	श्री अजय चौकरायत	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक (आतमा)	कृषि विभाग, विकास खण्ड–चम्पावत, जनपद–चम्पावत	9568178492
12.	श्री मो0 आसिफ	प्रगतिशील कृषक	वार्ड नं.–08, पंत कॉलोनी, विकास खण्ड–किच्छा, जनपद–ऊधमसिंहनगर	9927633976
13.	श्री सोहनवीर कुमार	ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक (आतमा)	विकास खण्ड–हवालबाग, जनपद–अल्मोड़ा	–

दिनॉक/समय	विवरण	वार्ताकार/वैज्ञानिक	मोबाइल नं0
10.02.2020			
09.30–10.00	पंजीकरण	डा0 भावना बंगारी, श्रीमती सुषमा सिंह वरिष्ठ शोध अध्येतागण–समेटी	
10.00–10.15	उद्घाटन कार्यक्रम	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	
10.15–11.15	खरीफ फसलों की उन्नत खेती	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
11.15–11.30	**चाय**		
11.30–13.00	पर्वतीय क्षेत्रों में सब्जियों की संरक्षित खेती	डा0 ललित भट्ट, सहायक निदेशक सब्जी विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9412986485
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	पर्वतीय एवं मैदानी क्षेत्रों हेतु सूक्ष्म सिंचाई पद्धति	डा0 पी0के0 सिंह, प्राध्यापक सिंचाई एवं जल निकास प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	9690012757
16.00–16.15	**चाय**		
16.15–17.30	कृषि विकास में एक प्रसार तंत्र के रूप में फार्म स्कूल एवं फार्मस फील्ड स्कूल की अवधारणा	डा0 बी0एस0 कार्की, प्राध्यापक सस्य प्रसार शिक्षा निदेशालय	7579174120
11.02.2020			
09.00–10.15	समन्वित खेती प्रणाली	डा0 सुभाष चन्द्रा, प्रधान वैज्ञानिक सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9719054085
10.15–11.10	पशुपालन एवं दुग्ध प्रबंधन	डा0 संजय चौधरी, प्राध्यापक (पशुपालन), प्रसार शिक्षा निदेशालय	
10.10–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	पर्वतीय क्षेत्रों में मुर्गी पालन का व्यवसाय	डा0 अवधेश कुमार, प्राध्यापक पशुपालन एवं पशुचिकित्सा प्रसार शिक्षा विभाग, पशुविज्ञान एवं पशुचिकित्सा महाविद्यालय	9412680179
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–17.30	विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण	डा0 एस0के0 मौर्य, सहायक प्राध्यापक सब्जी विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय	9411159800
12.02.2020			
9.30–11.00	रबी फसलों की उन्नत खेती	डा0 आर0के0 शर्मा, प्राध्यापक प्रसार शिक्षा निदेशालय	7455967561
11.00–11.15	**चाय**		
11.15–13.00	कृषक प्रसार की वर्तमान स्थिति एवं बदलते परिवेश में प्रसार सुधार की आवश्यकता	डा0 अर्पिता शर्मा, सहायक प्राध्यापक कृषि संचार विभाग, कृषि महाविद्यालय	9639617853
13.00–14.30	**भोजनावकाश**		
14.30–16.00	कृषि विकास में एक प्रसार कर्मी के रूप में कृषक की भूमिका	डा0 बी0एस0 कार्की, प्राध्यापक सस्य प्रसार शिक्षा निदेशालय	7579174120
16.00–17.00	पर्वतीय क्षेत्र की प्रमुख स्वरोजगारपरक कृषि कार्यक्रम–परिचय	डा0 बी0डी0 सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय	9412952034
17.00–17.30	प्रमाण–पत्र वितरण एवं समापन	निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड	

7 कृषकों के आर्थिक समृद्धि में अहम भूमिका निभाती समेटी–उत्तराखण्ड (सफलता की कहानियां)

7.1 कृषि विविधिकरण से बढ़ता–आर्थिक सशक्तिकरण

श्री मनमोहन सिंह पुत्र श्री चन्दन सिंह मेहरा, ग्राम–कटना, पो0आ0–बेड़चूला, विकास खण्ड–ओखलकाण्डा, जनपद–नैनीताल निवासी हैं। युवा कृषक श्री सिंह बारहवीं पास कर वर्ष 2016 में सेना भर्ती में गये, पर दुर्भाग्यवश सेना में चयन नहीं हुआ। इस घटना से द्रवित होकर इन्होंने गांव में ही रहकर कृषि का कार्य करने की योजना बनाई, जिससे गांव में ही रहते हुए आय का साधन बने एवं पलायन भी रूके। मन में उठ रहीं जिज्ञासाओं के समाधान हेतु धीरे–धीरे आप रेखीय विभाग के अधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्र एवं पंतनगर के वैज्ञानिकों से सम्पर्क करते रहे। सर्वप्रथम इन्होंने क्षेत्र के अन्य कृषकों को पानी की कमी से कृषि से विमुख होते देखा तो पुराने कुएँ का जीर्णोद्धार कर मोटर लगाई और 50,000 लीटर क्षमता का तालाब तैयार कर जल संरक्षण प्रारम्भ किया। आपने ज्योलीकोट से मशरूम, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, हल्द्वानी से मौन पालन का प्रशिक्षण लेकर अपने प्रक्षेत्र पर मशरूम व मौन पालन का कार्य शुरू किया। आगे चलकर संरक्षित जल का उपयोग करते हुए आपने मत्स्य पालन व बेमौसमी सब्जी उत्पादन भी प्रारम्भ किया। पंतनगर में प्रशिक्षण के दौरान सब्जी अनुसंधान केन्द्र का भ्रमण किया, वहाँ से आपने उन्नत सब्जी उत्पादन तकनीक जैसे पॉली हाउस, शेडनेट, लो–पॉली टनल, प्लास्टिक मल्च इत्यादि सीखे। वर्तमान में इन सभी तकनीक को वे अपनी खेती में मूर्तरूप दे रहे हैं। गत वर्ष कृषि विभाग के सहयोग से आपने एक और तालाब व वर्मी कम्पोस्ट यूनिट बनाया। पंतनगर में देखे पॉली हाउस से प्रेरणा लेकर आप 200 वर्ग मीटर के पॉली हाउस में स्ट्राबेरी की खेती कर रहे हैं। आपका पूरा दो एकड़ का प्रक्षेत्र कृषि विविधिकरण का आदर्श नमूना है, जिसमें आप पशुपालन, बकरी पालन, मधुमक्खी, मत्स्य, सब्जी, दलहन, तिलहन, इत्यादि की खेती कर रहे हैं। इन सब घटकों से आप प्रति वर्ग रू. 1.5–2 लाख की आय प्राप्त कर रहे हैं। वर्ष 2019 से आपको पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेले में प्रगतिशील कृषक के रूप में विभूषित किया गया है। इनकी प्रेरणा से क्षेत्र के लगभग 10 कृषक, जो कृषि से दूर हो रहे थे, पुनः खेती की ओर आकर उज्ज्वल भविष्य बनाने का सपना साकार कर रहे हैं।

विभिन्न कृषि सम्बन्धित क्रिया कलापों के साथ श्री मनमोहन सिंह

7.2 अभिनव प्रयोगों से क्षेत्र के दूसरे किसानों के रोल मॉडल बनते श्री डंगवाल

श्री हर्ष सिंह डंगवाल पुत्र श्री वीर सिंह डंगवाल, ग्राम–सुनकिया, पोस्ट–भटेलिया, विकास खण्ड–धारी, जनपद–नैनीताल (उत्तराखण्ड) के निवासी हैं। बदलते हुए मौसम में किसानों की अधिक लागत, कम उत्पादन, उत्पादन गुणवत्ता की कमी, किसानों की आर्थिक स्थिति में दिन–प्रतिदिन गिरावट, किसानों का पलायन, इन सभी बिन्दुओं को देखते हुए आपने जनपद में कृषि, उद्यान, मत्स्य विभाग के अधिकारी एवं पंतनगर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से सम्पर्क किया। धीरे–धीरे कृषि के नवीनतम विधाओं जैसे–जैविक कृषि, मशरूम, कीवी इत्यादि के उत्पादन एवं विपणन की ओर स्वयं व अन्य कृषकों का रूझान बढ़ाने का प्रयास किया। विभिन्न अधिकारी व वैज्ञानिकों के सम्पर्क में आने के बाद आपने महसूस किया कि खेती हेतु कृषि के तकनीक की जानकारी आवश्यक है। इसे कार्यरूप देने हेतु आपने आतमा परियोजना के माध्यम से स्वयं और क्षेत्र के किसानों को प्रशिक्षण और जागरूक करना प्रारम्भ किया। इसके लिए आप प्रसार शिक्षा निदेशालय, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर से संरक्षित सब्जी उत्पादन और शीतल मत्स्य पालन का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। वर्षा आधारित खेती, बिखरे जोत, सीढीनुमा खेत जैसी परिस्थितियों से जूझते हुए श्री डंगवाल अन्य मेहनती काश्तकारों के साथ बागवानी, सब्जी उत्पादन के साथ जल संरक्षण, कैंचुआ खाद, मत्स्य पालन, मौन पालन का कार्य भी आरम्भ किया। अन्य कृषकों को जोड़ने के लिए आतमा के सहयोग से दो समूह यथा पहला– रसायन से जैविक की तरफ लौटने के लिए जैविक उत्पादन ग्रुप और दूसरा– फल सब्जी की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए लक्ष्मी उद्यान समूह की स्थापना की। आपका सपना रहा है कि गॉव क्षेत्र के ज्यादा कृषि से जोड़े जिससे इनका पलायन रूके और घर से ही आय अर्जन का रास्ता बने। उद्देश्यों की क्षति हेतु आप लोगों को निःशुल्क सब्जी पौध, बीज आदि वितरित करते रहते है। परिणामस्वरूप वर्तमान में गांव के किसान, वर्षा जल संरक्षण, सब्जी उत्पादन और बागवानी से अधिक उत्पादन ले रहे हैं। फलतः आर्थिकी भी सुधर रही है। इसका सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि ये लोग दृढ़ संकल्पित है कि अब कहीं भी बाहर न जाकर कृषि से ही भविष्य बनायेंगे श्री डंगवाल पंतनगर विश्वविद्यालय तथा राज्य सरकार द्वारा प्रगतिशील कृषक के रूप में भी सम्मानित किये गये हैं। आने वाले वर्षों में आप अपने गांव व अन्य कृषकों के भी उत्थान हेतु कृत संकल्प है।

उन्नत तकनीक सफल किसान को चरितार्थ करते श्री डंगवाल

7.3 उन्नत प्रजातियों के प्रयोग व यंत्रीकरण से बढ़ती खुशहाली

श्रीमती कुसुम देवी पत्नी श्री चन्द्रशेखर सेमवाल, ग्राम–सिलगोट, विकास खण्ड–ऊखीमठ, जनपद–रूद्रप्रयाग की निवासी है। वर्षा आधारित खेती, छोटे–छोटे यहाँ–वहाँ फैले खेत, स्थानीय बीज का प्रयोग, तकनीकी जानकारी का अभाव ये कुछ ऐसे यक्ष प्रश्न थे, जो इनके खेती में जी तोड़ परिश्रम को भी व्यर्थ कर कृषि को अलाभकारी बना देते थे, जिससे इनका मन बहुत व्यथित होता था। लगभग 4 वर्ष पूर्व आप किसी योजना की जानकारी हेतु ब्लाक गई थी, वहीं पर आपकी मुलाकात कृषि विभाग के कर्मचारी व आतमा के पदाधिकारी से हुई। आपने इन लोगों से अपनी व्यथा बताते हुए मार्गदर्शन माँगा। इन अधिकारियों की सलाह पर आपने धान और उर्द की नई प्रजातियों का प्रयोग करते हुए वैज्ञानिक विधि से खेती की। इन दोनों फसलों में अधिकारियों से सलाहनुसार जैविक उर्वरक का भी प्रयोग किया। आपने प्रथम वर्ष ही महसूस किया कि नये बीज के प्रयोग, बीज शोधन, संतुलित उर्वरक प्रयोग, ट्राइकोर्डमा के द्वारा उपज में करीब 1.5–2 गुना वृद्धि हुई। इस परिणाम से उत्साहित श्रीमती कुसुम ने रबी में पुनः गेहूँ, मसूर, सरसों के नये बीजों का प्रयोग करते हुए उन्नत विधि से खेती की, जिसका सकारात्मक परिणाम मिला। आपकी बहुत इच्छा थी पंतनगर देखने की, जिसके बारे में आतमा के अधिकारी से बात की। शीघ्र ही उन्हें अवसर मिला समेटी के प्रशिक्षण में भाग लेने का। यहाँ आपने फसल, सब्जी, फल, मत्स्य पालन के शोध केन्द्र का भ्रमण किया, जिससे उन्होंने खेती में व्यावहारिक दक्षता हासिल की। यहाँ से आपने संकल्प लिया कि पंतनगर से सीखी तकनीक को अपने खेतों में फलीभूत करूँगी। विभाग से सम्पर्क बढ़ने पर आपने अनुदान पर पावर टिलर व पावर थ्रेसर खरीदा। इससे उनके श्रम एवं समय दोनों की बचत होती है। दूसरे लोग भी किराये पर इसका प्रयोग करते हैं, जिसके बदले में इन्हें अतिरिक्त धनराशि मिल जाती है। नये तकनीक से वर्ष दर वर्ष आपकी आमदनी बढ़ रही है, जिसका उपयोग वह शिक्षा, उन्नत कृषि यंत्र क्रय आदि पर करती हैं। पूर्व में जहॉ बमुश्किल कुछ नकद हॉथ में आता था। अब लगभग रू. 40–50 हजार की बचत हो जाती है। आप गॉव की महिलाओं के साथ समूह बनाकर भी कृषि को नया स्वरूप दे रही है। आपका मानना है कि कृषि विभाग एवं पंतनगर ने इनकी कृषि को एक नया स्वरूप प्रदान किया है।

उन्नत तकनीक से खेती करती श्रीमती कुसुम देवी

7.4 सब्जी उत्पादन द्वारा धन उत्पादन

''रिवर्स पलायन'' का अलख जगाते **श्री आनन्द मणि भट्ट**, ग्राम–अलचौना, पोस्ट–चांफी, विकास खण्ड–भीमताल, जनपद–नैनीताल निवासी शहर की 12 वर्ष पुरानी नौकरी छोड़कर उन्नत कृषि कर रहे हैं और समाज में कृषि के ज्ञान केन्द्र के रूप में अपनी पहचान बना रहे हैं। इनके जीवन में वर्ष 2014 में बड़ा परिवर्तन आया जब पंतनगर किसान मेले में आतमा के पदाधिकारी एवं वैज्ञानिकों से आपका सम्पर्क हुआ। धीरे–धीरे सम्पर्क बढ़ने पर आप आतमा परियोजना के वित्तीय सहयोग तथा वैज्ञानिकों के तकनीकी सहयोग से उन्नत तकनीक अपना कर खेती प्रारम्भ किये। आपने पंतनगर भ्रमण के दौरान सब्जी एवं उद्यान अनुसंधान केन्द्र पर चल रहे अनुसंधान से प्रेरित होकर टमाटर, शिमला मिर्च, बैंगन, आलू, सब्जी, मटर आदि की उन्नत खेती एवं विपणन से अच्छा–खासा पैसा कमा रहे हैं। आप द्वारा शीघ्र ही मत्स्य पालन प्रारम्भ किया जाना है, जिसकी वित्तीय मदद मत्स्य विभाग दे रहा है। पंतनगर किसान मेले में आप अपनी सब्जी एवं अन्य उत्पादों का विक्रय कर आय अर्जन करते हैं। आप प्रधानमंत्री कृषि योजना अन्तर्गत जैविक खेती को प्रोत्साहन दे रहे हैं और अन्य युवाओं को भी इससे जोड़ रहे हैं। वर्तमान में कृषि से प्रति वर्ष आप लगभग रू. 1.00 लाख की शुद्ध बचत करते हैं। वर्ष 2017 में आपको उत्तराखण्ड सरकार द्वारा ''किसान भूषण'' सम्मान से विभूषित किया गया है। इनका मानना है कि बड़े शहरों में छोटा–मोटा दोयम दर्जे का काम करने से अच्छा है अपनी माटी में काम करते हुए प्रतिष्ठा अर्जित करना एवं रिवर्स पलायन हेतु दूसरों के लिए प्रेरणा श्रोत बनना। आपके इस विचार को चरितार्थ करते हुए कम से कम 06 कृषक आपके पद चिन्हों पर चलना प्रारंभ कर दिये है। अन्त में श्री भट्ट कहते हैं कि मेहनत करने वाले की कभी हार नहीं होती। सच्चे मन से काम करेंगे तो निश्चित ही सफलता आपके कदम चूमेगी।

बेमौसमी सब्जी उत्पादन करते श्री आनन्द मणि भट्ट

7.5 मशरूम उत्पादन तकनीक अपनायी घर में खुशियाँ लायी

श्री मनोज कुमार चन्दोला पुत्र श्री पूरन चन्द्र चन्दोला, ग्राम–जयपुर खीमा, विकास खण्ड–हल्द्वानी, जनपद–नैनीताल के निवासी हैं। आपके पास 03 नाली खेत है, जिसमें धान–गेहूँ की खेती होती है, जिससे नगण्य आय होती थी और कभी–कभी बुवाई किये हुय बीज जितनी भी उपज नहीं होती थी। शहरी आबो–हवा, दिनों दिन बढ़ते सरकारी नौकरी का अभाव, शिक्षा में बढ़ते धन की आवश्यकता आदि को देखते हुए आप कोई कृषि आधारित व्यवसाय करना चाह रहे थे। मशरूम का आकर्षण आप में कूट–कूट कर भरा था, जिसको फलीभूत करने हेतु मशरूम का व्यवसाय शुरू करने की योजना बनाई। चूंकि हल्द्वानी शहर पास था इसलिए बाजार की भी समस्या नहीं थी। खेती प्रारम्भ करने से पूर्व अधिकारियों की सलाह पर गो0ब0 पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर से मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण प्राप्त किया और अपने मकान के एक कमरे में बटन मशरूम एवं ढ़िंगरी मशरूम उत्पादन आरम्भ कर दिया। कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक भी गांव में भ्रमण करते हैं और मशरूम उत्पादन तथा अन्य उन्नत कृषि तकनीक अपनाने को प्रोत्साहित करते रहते हैं। एक–दो वर्ष बाद जैसे–जैसे मशरूम उत्पादन की दक्षता और आत्मविश्वास बढ़ा तो आपने क्षेत्रफल विस्तार किया। इनकी देखा–देखी गांव के कुछ अन्य कृषकों ने भी खेती के साथ–साथ मशरूम का कार्य आरम्भ किया है। मशरूम उत्पादन के लिए कम्पोस्ट तथा स्पान पंतनगर विश्वविद्यालय से प्राप्त हो जाता है। आज श्री चन्दोला मशरूम उत्पादन से आर्थिक सशक्त होने के साथ अपने गांव में प्रतिष्ठित उद्यमी के रूप में पहचान बना रहे हैं। आप क्षेत्र के युवाओं, खास कर जो पलायन कर रहे हैं, हेतु प्रेरणास्रोत बने हैं।

मैं और मेरे साथी किसान पंतनगर तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, ज्योलीकोट के आभारी हैं जहाँ से हमें मशरूम सम्बन्धी नवीनतम तकनीकी जानकारी मिलती है और वैज्ञानिक किसी भी प्रकार की समस्या निवारण हेतु हमेशा सहयोग करते हैं।

प्रगति का आधार – मशरूम उत्पादन

7.6 सब्जी उत्पादन ने दिखायी–समृद्धि की राह

ग्राम–भरवाड़ी (मणिगृह), विकास खण्ड–अगस्त्यमुनि, जनपद–रूद्रप्रयाग निवासी **श्री बलबीर लाल** विगत 10 वर्षों से सब्जियों की खेती कर रहे हैं। आप द्वारा भिण्डी, बैंगन, मिर्च, गोभी व बेल वाली सब्जियों का उत्पादन किया जाता है। घर का पुराना बीज एवं परम्परागत तकनीक के प्रयोग से काम चलाऊ पैदावार एवं स्थानीय बाजार में विक्रय हो जाता था, परन्तु आपका उन्नत खेती का सपना, खेती से आर्थिक स्तर बढ़ना, प्रगतिशील कृषक के रूप में सम्मान आदि फलीभूत नहीं हो रहा था। चौबीसो घंटे अथक मेहनत करके किसी तरह जीवन–यापन उन्हें नहीं भा रहा था। इन्हीं परिस्थितियों से लड़ते हुए 2–3 वर्ष पूर्व आपकी आतमा के अधिकारी से मुलाकात हुई तो आपने अपनी वर्षों की सोयी इच्छा उनके सामने व्यक्त की। उक्त अधिकारी ने आपके प्रक्षेत्र का भ्रमण किया एवं सलाह दी कि सब्जियों के नये बीजों का प्रयोग करते हुए उन्नत विधि से खेती करें। आपके सम्पर्क में आने पर विभागीय प्रदर्शन, प्रशिक्षण, गोष्ठी में भाग लेना, अन्य किसानों से सम्पर्क आदि बढ़ता गया और परिणाम स्वरूप आपकी खेती साल दर साल निखरती गई। बढ़ते आत्म विश्वास, आय वृद्धि से उत्साहित होकर आपने सब्जियों के क्षेत्रफल में भी वृद्धि की और विभागीय ''फार्म स्कूल संचालक'' बने। इसी बीच आपको समेटी–पंतनगर से सब्जियों की खेती पर प्रशिक्षण लेने का भी अवसर मिला, जिसका भरपूर लाभ लेते हुए आप बेमौसमी सब्जी उत्पादन कर रहे हैं। विभाग से आपको अनुदान पर जल संरक्षण टैंक भी मिला है, जिसका उपयोग सब्जियों की सिंचाई पर किया जाता है। फार्म स्कूल पर समय–समय पर अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण, गोष्ठी व कृषक–वैज्ञानिक संवाद आदि का भी आयोजन होता रहता है, जिसका लाभ उनके अतिरिक्त गांव के अन्य काश्तकार भी लेते हैं। आतमा के ही सहयोग से कृषकों की एक टोली के साथ आपको कृषि विज्ञान केन्द्र, जाखधार जाने का अवसर मिला। वहाँ से सीधे तकनीक को आप धीरे–धीरे अपनी खेती में भी अपना रहे हैं। इस प्रकार धीरे–धीरे पैदावार व बेहतर आर्थिकी ने उनका जीवन बदल दिया। वर्तमान में बच्चों से शिक्षा, उन्नत कृषि यंत्र से अच्छी कृषि इत्यादि उनके पूरे परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा को चार चाँद लगा रही है। आप आतमा के अधिकारियों और पंतनगर की भूरि–भूरि प्रशंसा करते नहीं थकते।

7.7 सब्जी उत्पादन तथा पशुपालन आधारित समन्वित कृषि प्रणाली द्वारा प्रगति के पथ पर

श्री भुवन लाल पुत्र श्री इश्वरी लाल, ग्राम–बाराकोट (बंजवाड़), विकास खण्ड–बाराकोट, जनपद–चम्पावत के रहने वाले हैं और 25 नाली भूमि पर खेती करते हैं। ब्लाक मुख्यालय से एक कि.मी. की दूरी पर स्थित इस गांव में काश्तकार लगभग सभी फसलें उगाते हैं। श्री लाल को हाईस्कूल में पढ़ते समय से ही अपने पिताजी का खेती में सहयोग करना बहुत अच्छा लगता था, परन्तु ये देखते थे कि परम्परागत खेती से इतना अनाज नहीं मिलता था जो पूरे वर्ष के लिए पर्याप्त हो। लगभग 05–06 वर्ष पूर्व वे जनपद के कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों से अपनी व्यथा बताई। तब उनके सलाह पर फसलों की नई प्रजातियाँ व सब्जियों की जैविक खेती प्रारम्भ की, जिसका आशातीत परिणाम मिला और धीरे–धीरे घर में नकद धन मिलना शुरू हो गया, जिससे उत्साहित होकर ये फ्रासबीन, टमाटर, शिमला मिर्च, गोभी, आलू, मटर, प्याज, लहसुन आदि की उन्नत विधि से खेती की, परिणाम स्वरूप आपकी आय में भारी बढ़ोत्तरी हुई। कुछ समय बाद आपको पशुपालन व्यवसाय से जुड़ने का मौका मिला। आतमा के सहयोग से आप समेटी पंतनगर में पशुपालन विषय पर प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण के पश्चात् आप एक मुर्रा भैंस, दो साहीवाल गाय और 10 बकरी पाल कर दुग्ध उत्पादन में भी हाथ आजमाये। वर्तमान में आप बताते हैं कि शुरू में फसल एवं सब्जी से प्रतिवर्ष करीब रू. 34850.00 का मुनाफा होता था। परन्तु उन्नत तकनीक से खेती करने पर रू. 66000.00 हो गया। इसी प्रकार पशुपालन से पहले रू. 56000.00 मिलता था, परन्तु वर्तमान में प्रति वर्ष लगभग रू. 1.00 लाख का मुनाफा होता है। पशुओं से प्राप्त गोबर की खाद को अच्छी तरह सड़ा कर उसका प्रयोग सब्जियों में करना प्रारम्भ किया। जब आय बड़ी तो परिवार में बच्चों की बेहतर शिक्षा, सामाजिक रीति रिवाज का पालन, उन्नत कृषि यंत्र इत्यादि का क्रय किया। आपको राज्य सरकार से ''किसान श्री'', प्रगतिशील कृषक का सम्मान भी मिला है। श्री भुवन लाल की देखा–देखी क्षेत्र के अन्य युवा भी खेती में रोजगार के अवसर तलाश रहे हैं। आपकी क्षेत्र के जागरूक कृषक के रूप में पहचान है और आप दूसरों को भी अपनी क्षमतानुसार कृषि से जोड़ रहे हैं।

7.8 उन्नति की राह दिखाता मशरूम व बेमौसमी सब्जी उत्पादन

ग्राम–बिसराड़ी, विकास खण्ड–बाराकोट, जनपद–चम्पावत निवासी **श्री पुष्कर सिंह चौधरी** पुत्र श्री रूद्र सिंह का भी अन्य युवाओं जैसा हाल था। गरीबी के कारण उच्च शिक्षा हासिल नहीं कर पाये और परिस्थितियों से समझौता करते हुए पैत्रिक खेती में बुजुर्गों का हाँथ बटाने लगे। आपका गांव विकास खण्ड मुख्यालय से लगभग 09 कि.मी. पर स्थित है। आपके पास करीब 75 नाली खेती की जमीन है, जिसमें से 10 नाली सिंचित है। आपने देखा कि परम्परागत विधि से खेती के कारण बहुत श्रम करने के बाद भी बमुश्किल पूरे वर्ष का गुजारा हो पाता था। आपके मन में हमेशा यह चलता था कि यदि खेती आधुनिक तरीके से की जाय तो परिवार की दिशा और दशा बदल सकती है। इन्हीं सब के बारे में मंथन करते हुए आप आतमा के अधिकारी के सम्पर्क में आये एवं एक दिन उन्हीं के साथ कृषि विज्ञान केन्द्र गये, जहाँ की खेती देखकर उनकी आँखें खुल गयी। सीमित निवेश, वर्षा क्षेत्र एवं बिखरी खेती जैसी समस्याओं के बीच आपने धीरे–धीरे आधुनिक खेती प्रारम्भ की। फलतः आर्थिक लाभ में भी वृद्धि हुई। इससे उत्साहित होकर आप जिले में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण, गोष्ठियों में भाग लेना शुरू किया, जिससे ज्ञानवर्धन व क्षमता विकास भी हुआ। आतमा के सहयोग से आपने समेटी, पंतनगर से दो प्रशिक्षण क्रमशः फसल और सब्जियों की जैविक खेती तथा दुग्ध उत्पादन व दुधारू पशुओं का प्रबन्धन विषय पर प्रशिक्षण प्राप्त किये, जिससे आपने खेती और पशुपालन से बेहतर आय वर्धन का मार्ग प्रशस्त किया। जनपद स्तर पर आप धीरे–धीरे अपनी पहचान बनाने लगे और हरिद्वार, नोएडा, ज्योलीकोट, मजखाली (रानीखेत), देहरादून आदि से विभिन्न प्रशिक्षण प्राप्त किये। तकनीकी दक्षता हासिल करने के बाद श्री पुष्कर सिंह चौधरी आलू, बन्द गोभी, प्याज, लहसुन, टमाटर व मशरूम आदि की खेती कर रहे हैं। फसलों में आप गेहूँ, धान, मंडुवा, सोयाबीन, गहत, मसूर आदि की उन्नत प्रजातियों का प्रयोग करते हुए खेती करते हैं। स्थानीय बाजार में आपके सब्जी की भारी माँग रहती है। आपको आतमा योजना से प्रगतिशील कृषक सम्मान ''किसान श्री'' से सम्मानित किया जा चुका है। पूर्व में वर्ष 2010–11 में जहाँ आपको खेती से कुल लगभग रू.60000.00 का शुद्ध लाभ होता था, अब उन्नत तकनीक के प्रयोग से रू.1.35 लाख का लाभ मिलता है। श्री चौधरी की कृषि में विशेषज्ञता का लाभ लेते हुए गॉव के 4–5 अन्य युवा कृषक जो कृषि छोड़ रहे थे, अब इनके मार्गदर्शन में पुनः उन्नत खेती शुरू किये हैं। इस प्रकार कृषक, अधिकारी और वैज्ञानिक का गठजोड़ आपके सफलता की कुंजी बनी।

7.9 बेमौसमी सब्जी उत्पादन द्वारा आय संवर्धन

''जहाँ चाह–वहाँ राह'' को चरितार्थ किया हाईस्कूल पास **श्री देवेन्द्र कुमार** पुत्र श्री शिव राम, ग्राम–नरसिंह डाण्डा, जनपद–चम्पावत ने, जिनके पूरे परिवार का भरण पोषण पुरखों से मिली खेती/कृषि से होता है। आपके पास करीब 1.0 हैक्टेयर खेत है, जिससे वो गांव के अन्य कृषकों की भाँति परम्परागत खेती करते थे। दो–तीन वर्ष पूर्व आप कृषि विभाग के सम्पर्क में आये और अधिकारियों के मार्गदर्शन में आप धीरे–धीरे नवीनतम कृषि प्रणाली अपनाकर खेती शुरू किये। इसी क्रम में आप अन्य रेखीय विभाग के सम्पर्क में आकर फसलोत्पादन, पशुपालन, सब्जी व फलोत्पादन व साथ ही फूल उत्पादन प्रारम्भ किये। धीरे–धीरे आत्म विश्वास बढ़ा तो आप कृषि की उन्नत प्रणाली, उन्नतशील बीज, आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग कर खेती करने लगे। विभागों द्वारा आयोजित कृषक गोष्ठी, किसान मेले, प्रशिक्षण व भ्रमण में प्रतिभाग करना प्रारम्भ किया। आपके जीवन में निर्णायक मोड़ तब आया जब आतमा योजनान्तर्गत प्रशिक्षण के लिए समेटी–गो0ब0 पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर भेजा गया, जहाँ उन्हें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा नवीनतम कृषि तकनीक तथा विभिन्न शोध केन्द्रों में भ्रमण कराया गया। यहाँ की कृषि तकनीक देखकर आपकी आँखे खुली और सतत् रूप से पंतनगर से सीखी तकनीक को आप अपने प्रक्षेत्र में पॉली हाउस में सब्जी उत्पादन, पॉली टनल में नर्सरी में पौध उत्पादन, ड्रिप सिंचाई प्रणाली, पॉली हाउस में लीलीयम की खेती एवं पशुपालन में उपयोग करने लगे। पशुपालन से जहॉ पहले 05 लीटर दूध प्रतिदिन मिलता था, पन्तनगर व विभागीय तकनीक से वर्तमान में 10 लीटर दूध प्रतिदिन मिल रहा है। आप आतमा द्वारा कृषक से कृषक प्रसार के सपने को मूर्तरूप देने वाले ''फार्म स्कूल'' के संचालक भी है। आपने आड़ू, खुमानी, संतरा आदि फलों का बाग भी लगाया है। आप हर्षमिश्रित आवाज में बताते है कि पारंपरिक खेती से उन्हें लगभग रू. 40 हजार की बचत होती थी जब तकनीक अपनाने पर लगभग रू. 1.10 लाख शुद्ध लाभ हो रहा है। इनके उन्नत कृषि मॉडल से प्रभावित होकर गांव क्षेत्र के अन्य कृषक भी इनके दिशा निर्देशन में यह मॉडल अपना रहे हैं। वर्ष 2019–20 में इन्हें आतमा द्वारा ''किसान भूषण'' सम्मान से सुशोभित किया गया है।

सफल किसान की पहचान – कृषि विविधीकरण

7.10 सब्जी व दुग्ध उत्पादन–सतत् आय का साधन

श्री बहादुर सिंह कण्डारी पुत्र श्री भवान सिंह कण्डारी, उम्र 50 वर्ष जनपद–अल्मोड़ा के दूरस्थ विकास खण्ड–स्याल्दे के ग्राम–कुमालेश्वर के रहने वाले हैं। आपका क्षेत्र धान–गेहूँ फसल चक्र के लिए जाना जाता है, परन्तु निरन्तर यहीं फसलें उगाने के कारण साल दर साल उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव दिख रहा था। उक्त परिस्थितिवश आप कृषि में कुछ अलग करना चाह रहे थे। आपके पास कृषि योग्य कुल भूमि 51 नाली, जिसमें से 25 नाली सिंचित एवं 26 नाली असिंचित है। वर्श 2012–13 में कृषि विज्ञान केन्द्र, मटेला (अल्मोड़ा) के वैज्ञानिकों द्वारा आपके क्षेत्र में अंगीकृत ग्रामों में खूब भ्रमण होता था। इसी दौरान आपका सम्पर्क वैज्ञानिकों से हुआ। वैज्ञानिकों ने उन्हें नवीन तकनीक, विविधिकरण आदि अपनाने की सलाह दी, जिस पर अमल करते हुए पिछले पांच वर्षो से टमाटर, शिमला मिर्च लौकी, ककड़ी व अन्य बेमौसमी सब्जी, बासमती घान तथा दूध व पनीर व्यवसाय कर रहे हैं। आपके पास दो पॉली हाउस, एक जल संरक्षण टैंक एवं एक जल पम्प हैं। आतमा परियोजना से विकास खण्ड स्तर पर प्रगतिशील कृषक के रूप में एवं गो0ब0 पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर किसान मेले में अल्मोड़ा जिले से प्रगतिशील कृषक के रूप में चयनित एवं सम्मानित हैं। आपने समेटी से भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है एवं आप प्रायः पंतनगर किसान मेले भी में आते रहते हैं। आप टमाटर से रू. 1.5 लाख, दूध एवं पनीर से रू.1.0 लाख एवं अन्य विविध श्रोतों से रू. 50 हजार सकल लगभग रू. 3.0 लाख वार्षिक शुद्ध आय अर्जित करते हैं। आपने अपने क्षेत्र के अन्य काश्तकारों को टमाटर व दुग्ध व्यवसाय हेतु प्रेरित किया, यद्वपि इनके प्रेरणा से बहुत से क्षेत्रीय काश्तकार विशेषकर टमाटर की खेती को व्यवसाय के रूप में अपना रहे हैं।

सब्जी व पशुपालन करते श्री बहादुर सिंह कण्डारी

7.11 प्रगति की राह दिखाती–जैविक खेती

ग्राम–क्वैराली (धौलादेवी), अल्मोड़ा निवासी **श्री उर्वादत्त उपाध्याय** जो लगभग 20 नाली क्षेत्रफल में खेती करते हैं, की पहाड़ की विकराल समस्या जैसे वर्षा आधारित खेती, बिखरे खेत, जंगली जानवरों की समस्या, तकनीकी जानकारी का अभाव इत्यादि मुंह खोले खड़ी थी। आप पूर्व में धान, गेहूँ, मंडुवा, मादिरा, सोयाबीन, भट्ट, तिलहन आदि की खेती करते थे, जिनसे हाड़तोड़ परिश्रम के बाद भी घर में भुखमरी छायी रहती थी। समय पर वर्षा हुई तो काम चलाऊ अनाज मिल जाता था अन्यथा वही कहानी। इन्हीं विषम परिस्थितियों के बीच 4–5 वर्ष पूर्व गांव में कृषि विभाग द्वारा जैविक कृषि पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें जैविक खेती क्या है, क्या लाभ हैं, जैविक खाद, जैविक उर्वरक, जैविक रसायन आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। गांव में आये अधिकारियों से आपने यह तकनीक अपनाने व मार्गदर्शन की अपील की। धीरे–धीरे आप अधिकारियों के साथ समन्वयन बनाकर जैविक सब्जी उत्पादन व पशुपालन आरम्भ किये। विगत वर्ष आपने समेटी–पंतनगर से भी उपरोक्त विषयक प्रशिक्षण लिया, जिससे आपकी खेती और समृद्ध हुई। आप बताते हैं कि विपणन की भी कोई समस्या नहीं है और सभी उत्पाद स्थानीय बाजार में बिक जाते हैं। पूर्व में जहाँ आपको कृषि से बमुश्किल प्रति वर्ष रू. 15000.00 मिलते थे, अब जैविक सब्जी और पशुपालन से 60 से 70 हजार का शुद्ध लाभ अर्जित कर रहे हैं। आतमा से मिलने वाले ब्लाक स्तरीय पुरस्कार ''किसान श्री'' से भी आप विभूषित हैं। आज आपके नक्शे पर गांव के अन्य युवा भी कृषि की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

7.12 समन्वित कृषि प्रणाली से बढ़ती आर्थिक एवं सामाजिक प्रतिष्ठा

श्रीमती विमला नेगी पत्नी श्री पूरन सिंह, ग्राम–हवालबाग, विकास खण्ड–हवालबाग, जनपद–अल्मोड़ा निवासी के पास 21 नाली खेत है, जिनसे पूरे परिवार का भरण–पोषण होता है। आपका परिवार पूर्णतया खेती पर निर्भर रहता है। अपने खेतों में धान, मंडुवा, गहत, मट्ट, गेहूँ, तिलहन, आलू आदि की खेती करती है, जिसमें इनके पति व बच्चे भी मदद करते हैं। श्रीमती नेगी इस परम्परागत खेती से खुश नहीं थी, परन्तु रीति रिवाज निभाते हुए बस किसी तरह जीवन–यापन कर रही थीं। आपका गांव चूँकि ब्लाक के बिलकुल पास है। अतः आप वहाँ कृषि, उद्यान, पशुपालन विभाग के अधिकारियों से वार्ता कर उन्नत कृषि हेतु मदद माँगी। अधिकारियों से सम्पर्क बढ़ने पर सर्वप्रथम उन्नत पशुपालन, फिर कुक्कुट पालन एवं मत्स्य पालन की शुरूआत की। खेत में सब्जी उत्पादन का भी श्री गणेश हुआ और आज आपका प्रक्षेत्र समन्वित कृषि प्रणाली का आदर्श नमूना है। आपके पास इस समय 02 गाय, 01 भैंस व 300 मुर्गियाँ हैं। कृषि विभाग के फार्म मशीनरी योजनान्तर्गत आपने समूह बनाकर पावर टिलर भी लिया है, जिसका समूह के सभी सदस्य प्रभावी उपयोग कर रहे हैं। पिछले वर्ष जून में आपको ''मृदा उर्वरता प्रबन्धन'' विषय पर समेटी–पंतनगर में प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिला, जिसका आप अपने सब्जी उत्पादन में प्रभावी उपयोग कर रही हैं। पंतनगर के विभिन्न शोध केन्द्र के भ्रमण से भी आपको व्यावहारिक ज्ञान उन्नयन हुआ, जिसका लाभ डेयरी, पोल्ट्री, मत्स्य पालन के निरन्तर सुदृढ़ीकरण में हो रहा है। इस तरह जहाँ पहले परिवार का भरण–पोषण बमुश्किल होता था, अब पूरे परिवार का सर्वांगीण विकास हो रहा है। आतमा से आपको पशुपालन में जनपद स्तरीय ''किसान भूषण'' सम्मान भी मिला है। आप वर्तमान में चल रहे अपने कृषि कार्यक्रम से अत्यन्त खुश है, सभी बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। अन्त में आप जनपद के विभिन्न विभाग, विशेषकर आतमा एवं पंतनगर के वैज्ञानिकों की भूरि–भूरि प्रशंसा करती है।

8 समेटी–उत्तराखण्ड का वर्ष 2019–2020 का व्यय विवरण

(रू0 लाख)

01.04.2019 को उपलब्ध धन		वर्ष 2019–2020 में प्राप्त धन	योग (12)	वास्तविक व्यय 31.03.20 तक
1		2	3	4
आपरेशनल मद				1139775.00
प्रशिक्षण				647132.00
पारिश्रमिक				.
साहित्य				.
कन्टीजैन्सी				.
योग				**1786907.00**
सफलता की कहानियां मद				.
वाहन/पी.ओ.एल. मद				37000.00
अनावर्ती मद				.
योग	**718861.00**	**1330000.00**	**2048861.00**	**1823907.00**

9 कार्ययोजना–वर्ष 2020–21

अ. प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र. सं.	विषय	दिनांक/अवधि	विभाग	प्रतिभागियों की संख्या(लक्ष्य)	प्रतिभागी
अप्रैल, 2020					
1.	उन्नत खरीफ फसलोत्पादन तकनीक	अप्रैल 27–30, 2020 (चार दिन)	कृषि विभाग	40	प्रत्येक जनपद से कृषि विभाग के 4–4 प्रसार कर्मी, कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक एवं प्रगतिशील कृषक
मई, 2020					
2.	आय वृद्धि हेतु मुर्गी पालन	मई 13–16, 2020 (चार दिन)	पशुपालन विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 कुक्कुट फार्म स्कूलों के संचालक, पशुधन प्रसार अधिकारी, बी.टी.एम., कुक्कुट पालक
3.	मोटे अनाजों की उन्नत खेती एवं मूल्यवर्धन	मई 20–22, 2020 (तीन दिन)	कृषि विभाग	40	हरिद्वार तथा ऊधमसिंहनगर जनपदों को छोड़कर शेष जनपदों से कृषि विभाग के 4–4 प्रसार कर्मी, प्रगतिशील कृषक आदि
जून, 2020					
4.	मृदा परीक्षण एवं समन्वित उर्वरक प्रयोग	जून 10–13, 2020 (चार दिन)	कृषि/उद्यान विभाग	40	मृदा परीक्षण से जुड़े प्रसार कर्मी तथा एन.जी.ओ., एफ.ए.सी. सदस्य, खाद डीलर, प्रगतिशील कृषक, बी.टी.एम., पौड़ी व अल्मोड़ा से 6–6, शेष जनपदों से 3–3 प्रतिभागी
जुलाई 2020					
5.	मत्स्य पालन– समृद्धि का आधार	जुलाई 15–18, 2020 (चार दिन)	मत्स्य पालन विभाग	40	मत्स्य निरीक्षक, मत्स्य पालक, एफ.एफ.डी.ए. जल सम्भरण योजना से लाभान्वित कृषक– ऊधमसिंहनगर, हरिद्वार, एवं देहरादून से 10–10 तथा नैनीताल एवं चम्पावत के मैदानी क्षेत्रों से 5–5 प्रतिभागी
6.	जैविक फसल एवं सब्जी उत्पादन तकनीक	जुलाई 22–25, 2020 (चार दिन)	कृषि/उद्यान विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 बी.टी.एम., बी.टी.टी. एवं एफ.ए.सी. सदस्य, जैविक खाद्यान्न उत्पादक समितियों के सदस्य/अध्यक्ष, जैविक खेती से जुड़े प्रसार कर्मी एवं कृषक
7.	व्यावसायिक मशरूम उत्पादन	जुलाई 28–31, 2020 (चार दिन)	कृषि/उद्यान विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 मषरूम उत्पादक, उद्यान निरीक्षक, एफ.ए.सी. सदस्य, बी.टी.एम., अचीवर कृषक, एच.टी.एम. के प्रसार कर्मी
अगस्त 2020					
8.	उन्नत पशुपालन एवं दुधारू पशुओं का प्रबन्धन	अगस्त 19–22, 2020 (चार दिन)	पशुपालन/दुग्ध विकास विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 प्रगतिशील पशुपालक, पशुपालन विभाग के कर्मचारी एवं अधिकारी
9.	फल एवं सब्जी प्रसंस्करण– एक लाभकारी व्यवसाय	अगस्त 26–29, 2020 (चार दिन)	उद्यान विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 सब्जी/फल उत्पादक कृषक एवं उद्यान विभाग के प्रसार कर्मी
सितम्बर 2020					
10.	फलवृक्ष/सब्जियों में समन्वित कीट एवं रोग प्रबन्धन	सितम्बर 01–04, 2020 (चार दिन)	उद्यान विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 सब्जी/फल उत्पादक कृषक एवं उद्यान विभाग के प्रसार कर्मी
11.	औषधीय तथा सगन्ध पौध उत्पादन तकनीक, मूल्यवर्धन एवं बाजार व्यवस्था	सितम्बर 09–12, 2020 (चार दिन)	उद्यान विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 नर्सरी पालक, एफ.ए.सी. सदस्य, बी.टी.एम., उद्यान निरीक्षक/पर्यवेक्षक तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक
12.	रबी फसलोत्पादन की उन्नत तकनीक	सितम्बर 23–26, 2020 (चार दिन)	कृषि/उद्यान विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 प्रसार कर्मी, सदस्य बी.टी.टी. एवं एफ.ए.सी., बी.टी.एम., कृषक तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक
अक्टूबर 2020					
13.	उन्नत गन्ना उत्पादन तकनीक	अक्टूबर 14–16, 2020 (तीन दिन)	गन्ना विभाग, काशीपुर	40	ऊधमसिंहनगर, हरिद्वार, देहरादून से 12–12, नैनीताल तथा चम्पावत के मैदानी क्षेत्रों से 4 व 5 गन्ना पर्यवेक्षक/निरीक्षक, बी.टी.एम., सदस्य बी.टी.टी. एवं गन्ना उत्पादक कृषक आदि

क्र. सं.	विषय	दिनांक / अवधि	विभाग	प्रतिभागियों की संख्या(लक्ष्य)	प्रतिभागी
			अक्टूबर 2020		
14.	व्यावसायिक मशरूम उत्पादन	अक्टूबर 19–22, 2020 (चार दिन)	कृषि / उद्यान विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 मशरूम उत्पादक, उद्यान निरीक्षक, एफ.ए.सी. सदस्य, बी.टी.एम., अचीवर कृषक, एच.टी.एम. के प्रसार कर्मी
15.	मधुमक्खी पालनः स्वरोजगार का सुलभ माध्यम	अक्टूबर 26–29, 2020 (चार दिन)	कृषि / उद्यान विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 मधुमक्खी पालक, प्रगतिशील कृषक, एफ.ए.सी. सदस्य, मधुमक्खी पालन निरीक्षक, एच.टी.एम. के प्रसार कर्मी
			नवम्बर 2020		
16.	शीतजल मत्स्य पालन तकनीक	नवम्बर 03–06, 2020 (चार दिन)	मत्स्य पालन विभाग	40	9 पहाड़ी जनपदों से 5–5 प्रगतिशील मत्स्य पालक, एफ.एफ.डी.ए. के सदस्य
17.	संरक्षित सब्जी उत्पादन	नवम्बर 18–21, 2020 (चार दिन)	उद्यान विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 सब्जी उत्पादक, प्रगतिशील कृषक, सब्जी के फार्म स्कूल संचालक, एफ.ए.सी. सदस्य, बी.टी.एम.
			दिसम्बर 2020		
18.	निरन्तर आय सृजन हेतु मुर्गी पालन	दिसम्बर 08–11, 2020 (चार दिन)	पशुपालन विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 कुक्कुट फार्म स्कूलों के संचालक, पषुधन प्रसार अधिकारी, बी.टी.एम. एवं कुक्कुट पालक
19.	उन्नत पशुपालन एवं दुधारू पशुओं का प्रबन्धन	दिसम्बर 21–24, 2020 (चार दिन)	पशुपालन / दुग्ध विकास विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 प्रगतिशील पशुपालक, पशुपालन विभाग के कर्मचारी एवं अधिकारी
20.	पुष्पों की उन्नत खेती, मूल्यवर्धन एवं बाजार व्यवस्था	दिसम्बर 28–31, 2020 (चार दिन)	उद्यान विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 प्रगतिशील कृषक, एफ.ए.सी. सदस्य, बी.टी.एम., पुष्प उत्पादक कृषक, एच.टी.एम. के प्रसार कर्मी
			जनवरी 2021		
21.	जैविक कृषि	जनवरी 07–09, 2021 (तीन दिन)	कृषि / उद्यान विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 बी.टी.एम., बी.टी.टी. एवं एफ.ए.सी. सदस्य, जैविक खेती से जुड़े प्रसार कर्मी एवं कृषक
22.	उन्नत कृषि यंत्रों की उपयोगिता एवं रखरखाव	जनवरी 13–16, 2021 (चार दिन)	कृषि / उद्यान / पशुपालन विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 प्रगतिशील कृषक, बी.टी.एम., बी.टी.टी. संयोजक, एफ.ए.सी. सदस्य आदि
			फरवरी 2021		
23.	व्यावसायिक मशरूम उत्पादन	फरवरी 02–05, 2021 (चार दिन)	कृषि / उद्यान विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 मषरूम उत्पादक, उद्यान निरीक्षक, एफ.ए.सी. सदस्य, बी.टी.एम., अचीवर कृषक, एच.टी.एम. के प्रसार कर्मी
24.	मधुमक्खी पालनः स्वरोजगार का सुलभ माध्यम	फरवरी 10–13, 2021 (चार दिन)	कृषि / उद्यान विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 मधुमक्खी पालक, प्रगतिशील कृषक, एफ.ए.सी. सदस्य, मधुमक्खी पालन निरीक्षक, एच.टी.एम. के प्रसार कर्मी
25.	संरक्षित सब्जी उत्पादन	फरवरी 24–27, 2021 (चार दिन)	उद्यान विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 सब्जी उत्पादक, प्रगतिशील कृषक, सब्जी के फार्म स्कूल संचालक, एफ.ए.सी. सदस्य, बी.टी.एम.
			मार्च 2021		
26.	सूचना तकनीक का कृषि प्रसार में उपयोग	मार्च 01–03, 2021 (तीन दिन)	समस्त रेखीय विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 कृषि तथा रेखीय विभागों के वरिष्ठ प्रसार कर्मी / अधिकारी बी.टी.एम. तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक
27.	पौधशाला प्रबन्धन	मार्च 17–19, 2021 (तीन दिन)	उद्यान विभाग	40	प्रत्येक जनपद से 3 से 4 नर्सरी पालक, एफ.ए.सी. सदस्य, बी.टी.एम., उद्यान निरीक्षक / पर्यवेक्षक आदि

ब. पुस्तकों का प्रकाशन

सफलता की कहानी विशयक पुस्तिका

स. कृषि प्रसार प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

वर्ष 2020–21 में कृषि प्रसार प्रबन्धन विषय में स्नातकोत्तर डिप्लोमा हेतु राज्य के विभिन्न रेखीय विभागों से कृषि स्नातक कर्मचारियों / अधिकारियों को नामित करने हेतु अनुरोध किया जा रहा है। अभ्यर्थियों की संख्या 25 होने पर समेटी–उत्तराखण्ड द्वारा स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम का समन्वयन किया जाएगा।

य. परामर्शदायी सेवा

सम्बन्धित विभागों को प्रस्ताव प्रेषित किया जाएगा। परियोजनाएं मिलने पर परामर्श सेवा उपलब्ध करायी जाएंगी।

10 समेटी–उत्तराखण्ड का वर्ष 2020–21 का बजट प्रस्ताव

A- State Level Activities				
S. No.	**Activity**	**Unit**	**SAMETI**	
			Physical	**Financial (in lakh)**
A-2	(a) Taining Course : National/ Interstate/with in the State (SAMETI) level fee for IGNOU Courses – both Govt. & Non-Govt. functionaries	Mandays	887	**13.30**
	Upgrading & restructuring of SAMETI			
A-8	**Recurring**			
	(a) Pay & Allowances of specilist & functionaries	-	-	**4.00**
	(b) Operational Expences	Per year	-	**20.00**
	(c) Documentation of Success Stories	Per year	-	**2.00**
	(d) Vehicle hiring	Per year	-	**2.00**
	Non-recurring			
	(e) Eauipment	-	-	**-**
	(i) Computer with accessories / Computer Printer/ UPS	-	-	**3.50**
	(ii) Photo Copier Machine	-	-	**2.50**
	(iii) Laptop	-	-	**1.00**
	(iv) Furniture/ AC/ Fridge	-	-	**7.50**
	(v) Camera/CCTV Camera	-	-	**2.00**
	(f)Grant for infrastructure support/building maintainance & furnishing of training hall	-	-	**5.00**
	Total: A-2 & A-8			**62.80**